नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 18 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 329 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी राय रखते केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

सड़क हादसे में तीन नाबालिगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र में गहर पथरा मोड़ के पास बीती रात एक स्कॉर्पियो और मोपेड की टक्कर हो गई। इस हादसे में मोपेड सवार तीन नाबालिगों की मौत हो गई। सभी मृतक शोले गांव के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान इश्ताक अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र फिरोज अंसारी उर्फ बुटन, नसीम अंसारी के 15 वर्षीय पुत्र तौहीद अंसारी और अमरूद्दीन अंसारी के 13 वर्षीय पुत्र इबरार अंसारी के रूप में हुई है। इबरार और फिरोज रिश्ते में चचेरे भाई थे जबकि तौहीद उनका पड़ोसी था। तीनों किशोर एक मोपेड पर सवार होकर बाजार से सब्जी लेने जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने उनकी मोपेड को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों मोपेड सवारों को इलाज के लिए एमएमसीएच (मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल) ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने तौहीद और फिरोज को मृत घोषित कर दिया। इबरार की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए डॉ. राहुल अग्रवाल के अस्पताल में ले जाया गया जहां रात 10 बजे उसने भी दम तोड़ दिया। तीनों शवों को एमएमसीएच में रखा गया है और पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना के बाद स्कॉर्पियो का चालक और उसमें सवार अन्य लोग वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस ने स्कॉर्पियो और लूना को जब्त कर लिया है। स्कॉर्पियो मेदिनीनगर के बैरिया चौक की बताई जा रही है। पुलिस स्कॉर्पियो मालिक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

झारखंड में नक्सलियों पर बड़ा वार, चतरा-हजारीबाग सीमा पर मुठभेड़

15 लाख का इनामी समेत चार नक्सली ढेर

नवीन सिन्हा-अमित वर्मा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

केरेडारी (हजारीबाग)। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत चतरा और हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चतरा के पिपरवार और हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के बटुका जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में 15 लाख के इनामी माओवादी सब जोनल कमांडर शाहदेव उर्फ सहदेव महतो समेत चार कुख्यात नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में आधुनिक हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। बरामद हथियारों में दो एके-47 राइफल, एक अमेरिकी राइफल समेत कई अन्य अत्याधुनिक और देसी हथियार शामिल हैं। इसके अलावा नक्सली साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री और बड़ी संख्या में कारतूस भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस को चतरा-हजारीबाग बॉर्डर क्षेत्र में नक्सलियों के एक दस्ते की मौजूदगी की सूचना

मिली थी। इसके बाद चतरा और हजारीबाग पुलिस ने सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के साथ मिलकर इलाके की घेराबंदी की। घेराबंदी के दौरान खुद को चारों ओर से घिरा देख नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। घंटों चली इस मुठभेड़ में चार नक्सली मौके पर ही मारे गए जबकि कुछ अन्य के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। मारे गए नक्सलियों में एक महिला नक्सली नताशा का नाम भी सामने आ रहा है, जो हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ से झारखंड आकर संगठन को मजबूत करने में सक्रिय थी। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और सुरक्षा बलों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च अभियान जारी है। मारे गए नक्सलियों में 15 लाख रुपये के इनामी शहदेव महतो, महिला नक्सली नताशा, एरिया कमांडर बुधन करमाली और बुद्धदेव शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह ऑपरेशन से टीएसपीसी को तगड़ा झटका लगा है। सुरक्षा बलों के द्वारा चलाए जा रहे अभियानों से चाईबासा और चतरा के इलाकों में सक्रिय टीएसपीसी उग्रवादी संगठनों की कमर टूट गई है।

संक्षिप्त समाचार

पथराव मामले में 14 आरोपित गिरफ्तार

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के महुलिया मोड़ पर गुरुवार शाम पथराव के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में कुल 84 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जिसमें 60 मौके पर नामजद और 24 मोटरसाइकिल वाहन मालिक को पुलिस ने नामजद आरोपी बनाया है। वहीं 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही घटनास्थल से हिरासत में लिए गए 14 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसकी पुष्टि गढ़वा एसपी अमन कुमार ने की है।

बस ने बाइक सवार दंपति को मारी ठोकर

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना अंतर्गत कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग पर गरचांच के पास तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतक की पहचान गिरिडीह जिले के लरियाटांड निवासी मो. निजामुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। वहीं उनकी पत्नी महरूम निशा घायल हुई हैं।

युवती ने प्रेमी को वीडियो कॉल कर लगाई फांसी

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। चतरा में गुरुवार की रात एक लड़की ने अपने घर में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। लड़की की उसके प्रेमी के संग 29 अप्रैल को सगाई तय हो चुकी थी। लड़की ने अपने मोबाइल से प्रेमी को वीडियो कॉल किया और फंदे से झूल गई। घटना चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र स्थित कोबना गांव की है। इधर लड़की के परिजनों ने प्रेमी पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रेमी उस पर शक कर परेशान कर रहा था।

कुएं में डूबने से अधेड़ की मौत

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के सिसई रोड डूमरटोली निवासी 55 वर्षीय ठेउडोर एक्का की शुक्रवार सुबह कुएं में डूबने से मौत हो गई। यह घटना उनके घर के पास खेत में लगे कुएं में हुई। ठेउडोर एक्का सुबह करीब 5 बजे टुल्लू पंप की मरम्मत करने के लिए कुएं पर गए थे जिसका उपयोग वे खेती-बाड़ी के लिए पानी भरने में करते थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे कुएं में गिर गए।

बाबा धाम मंदिर में बढ़ाई गई जवानों की संख्या

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। पिछले महीने देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पाकिस्तानी नोट मिलने से प्रशासन हरकत में आ गया है। बाबा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। मंदिर के तीनों गेट पर पुलिस की तैनाती कर दी गई है। मंदिर आने जाने वाले श्रद्धालुओं की जांच भी की जा रही है।

झारखंड पुलिस की सैलरी पर रोक, वेतन नहीं मिलने से बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में हुए ट्रेजरी घोटाले ने एक ओर जहां पूरे वित्त विभाग को हिलाकर रख दिया है। वहीं इसका सबसे बड़ा असर झारखंड पुलिस के जवानों और अधिकारियों पर दिख रहा है। पुलिस की सैलरी रोक दी गई है। राज्य के 65 हजार से ज्यादा पुलिस अफसरों और कर्मियों को 16 अप्रैल बीत जाने के बाद भी वेतन नसीब नहीं हुआ है। नतीजतन, पुलिसवाले वेतन के अभाव में हलकान हैं, समस्या इसलिए ज्यादा है क्योकि मार्च महीने में स्कूल से लेकर कई जगहों पर खर्च करना होता है। वहीं लग्न का समय भी शुरू हो गया है जिसमें कई पुलिस वालों की बेटियों और अन्य रिश्तेदारों की शादियां भी हैं। वेतन के अभाव में इन दिनों झारखंड के पुलिस वाले इसी तरह की पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। दरअसल बोकारो और हजारीबाग में हुए पुलिस वेतन घोटाले के बाद बड़े पैमाने पर जांच की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी जांच की वजह से 65 हजार से ज्यादा झारखंड के पुलिसवालों का वेतन रुक गया है। अप्रैल 17 बीत चुका है लेकिन अभी तक पुलिसवालों के खातों में वेतन नहीं आया है। बोकारो और हजारीबाग पुलिस में सामने आए अवैध निकासी के घोटाले ने वित्त विभाग की पूरी मशीनरी को हिलाकर रख दिया है। इन मामलों की जांच के सिलसिले में वेतन बिलों का सत्यापन और फंड आवंटन रुक गया है जिसका सीधा असर पूरे राज्य के पुलिसवालों पर पड़ा है। पुलिसकर्मी लोन किस्तें, बच्चों की स्कूल फीस और दैनिक खर्चों के लिए परेशान हैं। वहीं कुछ पुलिस वालों के घरों में शादियां फिक्स है। लग्न का महीना भी शुरू हो गया है। ऐसे में उन्हें एक-एक पैसों की जरूरत है। मामले को लेकर झारखंड पुलिस के हजारों कर्मी और अफसरों ने अपने-अपने संगठन को पत्र लिखकर जल्द से जल्द वेतन रिलीज कराने की मांग की है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू ने बताया कि पुलिसकर्मियों को समय पर वेतन न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। लोन ईएमआई, बच्चों की फीस सब रुक गया है। सरकार को तुरंत इस पर ध्यान देना चाहिए। पुलिस संगठन का कहना है कि अवैध निकासी की जांच जरूरी है लेकिन कर्मचारियों का वेतन बंधक न बनाया जाए। झारखंड पुलिस के कर्मियों का कहना है कि दूसरे के किए की सजा हमें क्यों दी जा रही है। घोटाला किसी और ने किया लेकिन उसकी सजा हम और हमारा परिवार क्यों भुगते। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मेहता आलम के अनुसार हजारों पुलिसकर्मी प्रभावित हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि 48 घंटे में वेतन जारी करें वरना आंदोलन की चेतावनी है। दरअसल, मार्च का महीना हर व्यक्ति के लिए खर्चों का महीना होता है। सबसे पहली बात मार्च महीने में ही स्कूलों के सेशन बदलते हैं। नई जगह एडमिशन कराने के अलावा किताबें और कॉपी में काफी अधिक पैसा खर्च होता है। दूसरी बात सैकड़ों पुलिस कर्मियों के द्वारा घर शादी से लेकर दूसरे वजहों की वजह से बैंक से लोन लिया गया। अधिकांश बैंकों में ईएमआई कटने की तारीख 1 तारीख से लेकर 10 तारीख के बीच होती है। कई पुलिस कर्मियों को बैंक की किस्त ब्रेक होने की नोटिस भी आ चुकी है। झारखंड पुलिस संगठन के उपाध्यक्ष महताब आलम ने बताया कि पुलिस के व्हाट्सएप ग्रुप पर लगातार सैलरी को लेकर शिकायतें पोस्ट की जा रही है। क्योंकि पुलिसकर्मी सीधे सरकार पर किसी भी तरह का आरोप नहीं लगा सकते हैं। ऐसे में हुए पुलिस एसोसिएशन की तरफ ही देख रहे हैं। महताब आलम ने बताया कि कई पुलिसकर्मियों के घरों में शादियां तय हैं जिसके लिए उनके परिवार को या तो बाहर जाना है या फिर अगर शहर में शादी है तो उसके लिए जरूरी इंतजाम करने हैं। इसके लिए सिर्फ और सिर्फ पैसों की जरूरत होती है। कुछ लोगों ने तो बकायदा अपने ही साथियों से उधारी मांगनी भी शुरू कर दी है।

राजहरा कोलियरी से 16 वर्षों के बाद शुरू हुआ कोयला उत्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। एशिया के चर्चित राजहरा कोलियरी से 16 वर्षों के बाद उत्पादन शुरू हुआ है। इस उपलक्ष्य पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए शुक्रवार को भव्य पूजा आयोजित की। इस पूजा में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए और कोलियरी के शुरू होने पर खुशी जताई। वर्ष 2010 से पलामू के राजहरा कोलियरी में माइनिंग बंद था। कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने जनवरी में आधिकारिक तौर पर कोयला उत्पादन शुरू करने का उद्घाटन किया था। अब कोलियरी से उत्पादन कार्य शुरू हो गया है। राजहरा में 4.9 मिलियन टन कोयला का भंडार है, जो जी 9 की श्रेणी का है। राजहरा का कोयला पूरे विश्व में चर्चित रहा है। 2027 तक राजहरा से कोयला का उत्पादन होना है। दरअसल, राजहरा देश के सबसे पुराने कोयला खदानों में से एक है। 1842 में राजहरा से कोयला का उत्पादन शुरू हुआ था और 1991 तक भूमिगत खदान के आधार पर कोलियरी का संचालन हो रहा था। 1991 से ओपन कास्ट माइनिंग की शुरुआत हुई थी। डायरेक्टर जेनरल माइंस एंड सेफ्टी के गाइडलाइन के आधार पर 2010 में कोलियरी से उत्पादन कार्य को बंद कर दिया गया था। राजहरा से एक बार फिर से अब कोयला का उत्पादन शुरू हो गया है। उत्पादन शुरू होने के साथ इलाके में रौनक लौट रही है और लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का बड़ा जरिया बनेगी। इस संबंध में मजदूर नेता राकेश सिंह ने बताया कि कोलियरी खुल जाने से इलाके के लोगों को काफी फायदा होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा और इलाके में रौनक वापस लौटेगी। राजहरा में कोयला उत्पादन शुरू होने से इलाके के लोग बेहद ही खुश हैं। वहीं स्थानीय विकास कुमार चौहान ने बताया कि कोलियरी से एक बार फिर उत्पादन शुरू होने से बेहद खुशी हो रही है। स्थानीय मजदूरों को काम मिले और उनसे काम लिया जाए।

तालाब में डूबी पांच युवतियां, दो चचेरी बहनों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले के बसिया थाना क्षेत्र में स्थित एक तालाब में नहाने गई पांच युवतियों में दो चचेरी बहन की डूब कर मौत हो गई जबकि ग्रामीणों के सहयोग से तीन लोगों को बचा लिया गया। मृतकों की पहचान सनीचर टोली निवासी काजल कुमारी व उसकी बहन दीपिका कुमारी उर्फ दीपशिखा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर बसिया थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की छानबीन में जुट गई। हादसे को लेकर बताया जा रहा है गांव की पांच युवतियां चुटिया नदी में नहाने के लिए गई थी। पहले काजल तालाब में नहाने के लिए कूद गई। थोड़ी देर बाद अचानक वह डूबने लगी, जिसे बचाने के लिए उसकी चचेरी बहन कूद गई। इसके बाद तीन छात्राएं भी पीछे से कूद गई। इसके बाद पांचों लोग गहरे पानी में चले गये। उसे डूबता देखकर अफरा तफरी मच गयी और शोर गोल के बीच ग्रामीणों ने डूबते हुए अन्य तीन व्यक्तियों को पानी में कूद कर बचा लिया। हालांकि तब तक दो चचेरी बहनों की मौत हो चुकी थी। एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तालाब में नहाने के दौरान अचानक पांच युवतियां गहरे पानी में चले गए। इसमें तीन लोगों को बचा लिया गया है जबकि दो चचेरी बहनों की मौत हो गई।

रांची के 96 केंद्रों पर होगी जेपीएससी परीक्षा, प्रशासन सख्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन 19 अप्रैल (रविवार) को दो पालियों में किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन को लेकर रांची जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली है। इस संबंध में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रशासनिक, पुलिस और परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, सिटी एसपी पारस राणा, सदर एसडीओ कुमार रजत समेत झारखंड लोक सेवा आयोग के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। परीक्षा पहली पाली में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। रांची जिला में इसके लिए कुल 96 उप-केंद्र बनाए गए हैं जहां अभ्यर्थियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। केंद्रों के 100 से 200 मीटर के दायरे को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाएगा। जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही, विभिन्न स्थानों पर वाहन जांच अभियान भी चलाया जाएगा ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है। एडमिट कार्ड के साथ मूल पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। बिना पहचान पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। सभी केंद्रों पर शौचालय, पेयजल, प्रकाश और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की शिकायत या आपात स्थिति से निपटने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। जहां से पूरी परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी समस्या की स्थिति में नजदीकी पुलिस अधिकारी या कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में बिजली की दरों में हुई वृद्धि के खिलाफ शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदेश भाजपा के आह्वान पर आयोजित राज्यस्तरीय आंदोलन के तहत जिला मुख्यालय स्थित जेबीवीएनएल कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। राजधानी रांची के डोरंडा कुसई कॉलोनी स्थित जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक सीपी सिंह और मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल के नेतृत्व में धरना दिया। महानगर भाजपा द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय धरना के जरिए बिजली की लगातार हो रही कटौती और पोस्टपेड मीटर में हो रही अनियमित बिलिंग के विरोध में लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर भाजपा विधायक सीपी सिंह ने राजधानी रांची में 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने

की मांग करते हुए कहा कि आज हालात यह है कि बड़े अधिकारी और वीआईपी लोगों के घरों में जेनरेटर से इस चिलचिलाती गर्मी में बिजली मुहैया कराई जाती है लेकिन आम लोग बेहद परेशान हैं। इस विषय पर विधानसभा में भी सरकार को जानकारी दी गई थी बावजूद बिजली आपूर्ति में सुधार के बजाय बिजली का दर ही बढ़ा दिया गया है। वहीं हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्र, सभी जगह के उपभोक्ता परेशान हैं। जैसे ही पुराना मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाया गया बिजली का बिल बेतरतीब आने लगा। जब सरकार को इस संबंध में जानकारी दी गई तो सुधार के बजाय उपभोक्ता से जबरन वसूली की जाने लगी है और नहीं देने पर उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाता है। इस आंदोलन के बाद भी यदि सरकार बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं करती है तो आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर 17 अप्रैल को राज्य भर के सभी जिला मुख्यालय स्थित झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कार्यपालक अभियंता कार्यालय के समक्ष चल रहे एक दिवसीय आंदोलन में अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश भाजपा के द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार खूंटी में नीलकंठ सिंह मुंडा और सुनीता सिंह, गुमला में मुनेश्वर साहू, सुदर्शन भगत और दिनेश उरांव इस आंदोलन का नेतृत्व किया। वहीं लोहरदगा में प्रवीण सिंह और मनीष उड़ान, जमशेदपुर में पूर्णिमा दास और आभा महतो, पलामू में आलोक चौरसिया और शशि भूषण मेहता, गढ़वा में सत्येंद्र तिवारी, कोडरमा में डॉ. नीरा यादव, धनबाद में राज सिन्हा और शत्रुघ्न महतो, बोकारो में दिलीप वर्मा, जामताड़ा में रणधीर सिंह, देवघर में नारायण दास, गोड्डा में अमित मंडल, दुमका में सुनील सोरेन और देवेंद्र कुंवर, पाकुड़ में अमृत पांडे को जिम्मेदारी दी गई।

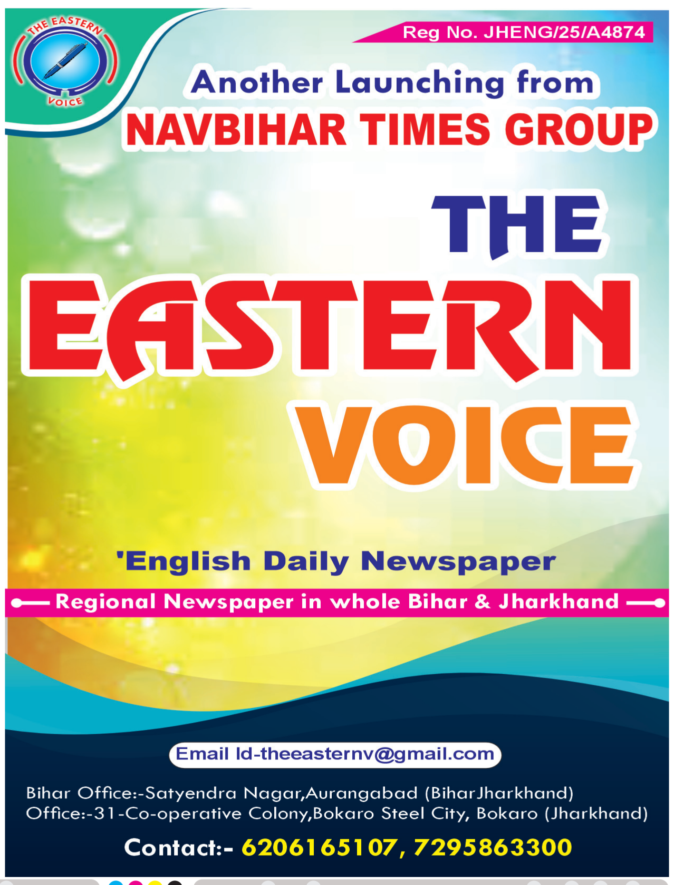

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। केरेडारी प्रखंड के गरींकला निवासी निरंजन कुमार (पिता- परमेश्वर साव) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने पंकरी बरवाडीह स्थित भोक्ता स्थान मंदिर के समीप शव रखकर सड़क जाम कर दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। परिजनों के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। बताया गया कि इस संबंध में 13 अप्रैल को केरेडारी थाना में आवेदन दिया गया था और 14 अप्रैल को दोनों पक्षों को थाना बुलाने की बात कही गई थी। वहीं 17 अप्रैल को समझौते को लेकर बातचीत भी

प्रस्तावित थी। इसी बीच 16 अप्रैल की शाम करीब 7:05 बजे निरंजन कुमार बरवाडीह मंदिर के पास अपनी मोटरसाइकिल के साथ अचेत अवस्था में पाए गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद उन्हें पहले घर और फिर इलाज के लिए केरेडारी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें हजारीबाग रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि लड़की पक्ष के लोगों ने युवक को बुलाकर उसे जहरीला पदार्थ देकर मार दिया। बताया जा रहा है कि अस्पताल ले जाते समय युवक का बयान वीडियो में रिकॉर्ड किया गया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साथ ही एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सामने आने की बात कही जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में जुटी है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच शुरू कर दी है। मौके पर सीओ मनोज कुमार, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार साव, एसआई अमित कुमार, छोटू उरांव, गजेन्द्र सिंह सहित सशस्त्र बल के जवान मौजूद रहे।

बाहर दरवाजे का ताला तोड़कर रेलवे क्वार्टर में चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। जमालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर कॉलोनी के एक बंद क्वार्टर 400 सी के अंदर बाहर के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे चलते बने। घटना के बारे में रेलकर्मी विकास कुमार रावत ने बताया कि पिछले 14 तारीख को क्वार्टर बंद कर अपने ससुराल गया था और 15 को वापस लौटा तो देखा कि क्वार्टर के बाहर एवं अंदर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और रूम का सामान बिखरा था। रूम के अंदर रख टेबल फैन कुर्सी टेबल फोल्डिंग खाट जैसे सामान नहीं थे पूरी तरह जांच पड़ताल करने के बाद पता चला कि क्वार्टर चोरी की घटना हुई है। जिसको लेकर लिखित आवेदन थाना में देते हुए कार्रवाई की मांग किया गया।

संघ के शताब्दी वर्ष पर विचार गोष्ठी आयोजित, पंच परिवर्तन का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । सवेरा चित्र मंदिर परिसर में शुक्रवार को एक भव्य एवं विचारोत्तेजक प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, मीडिया एवं सामाजिक जीवन से जुड़े बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया गया। प्रारंभिक संबोधन में प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा ने गोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करना आवश्यक है, ताकि राष्ट्र निर्माण में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

मुख्य वक्ता राजकुमार मटाले ने अपने विस्तृत उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा, कार्यपद्धति एवं विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन प्रारंभ हुआ संघ आज एक विशाल सामाजिक सांस्कृतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संघ के कार्यों और विचारों को लेकर समाज में व्यापक चर्चा हो रही है तथा विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग इसे समझने के लिए आगे आ रहे हैं उन्होंने संघ को केवल एक संगठन नहीं, बल्कि ह्लअनुभूतिह्व का विषय बताते हुए कहा कि इसे शब्दों से अधिक अनुभव के माध्यम से समझा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन, उनके राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत व्यक्तित्व एवं संघ स्थापना के मूल उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने बताया कि समाज की असंगठित स्थिति ही पराधीनता का प्रमुख कारण रही है, जिसे दूर करने के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण और समाज संगठन को केंद्र में रखा है। शाखा के माध्यम से अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रभक्ति का विकास किया जाता है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है अपने संबोधन में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर घोषित ह्लपंच परिवर्तनह्व के संकल्प को विस्तार से रखते हुए कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध एवं नागरिक कर्तव्य बोध पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवार को संस्कारों का केंद्र बनाना, समाज में समरसता स्थापित करना, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना समय की मांग है।

कार्यक्रम में क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साहू, प्रांत सेवा प्रमुख मुकेश रंजन तथा विभाग प्रचारक आशुतोष की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा केसरी नंदन, शिव गौरव पांडेय, सोनू गुप्ता, सुजीत भदानी, अमित कुमार, संजीव कुमार, अनूप यादव, दिवाकर पांडेय, प्रदीप जैन, राजेश शर्मा, विनोद केसरी एवं विक्रम पांडेय सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न रखे।

संक्षिप्त समाचार

शुरू हुई डिजिटल जनगणना, 1 मई तक चलेगा अभियान

बारसोई /कटिहार (नबिटासं)। बारसोई प्रखंड क्षेत्र में 17 अप्रैल 2026 से डिजिटल जनगणना अभियान की शुरूआत हो गई है। जो 1 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस बार जनगणना की पूरी प्रक्रिया को 100 प्रतिशत डिजिटल बनाया गया है। जिससे कार्य में तेजी और पारदर्शिता लाई जा सके। प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद ने बताया कि डिजिटल माध्यम से जनगणना कराने का उद्देश्य समय की बचत के साथ-साथ सटीक आंकड़े जुटाना है। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों को काफी सुविधा मिलेगी, जो अपने वर्तमान स्थान से ही

अपना पंजीकरण आसानी से कर सकेंगे। बीडीओ ने बताया कि जनगणना के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे लोगों को किसी कर्मी के इंतजार की आवश्यकता नहीं होगी और प्रक्रिया सरल हो जाएगी। प्रखंड पदाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज करें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक पहुंचाया जा सके।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नये नियम के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

पटना (नबिटासं)। संपूर्ण भारत देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 01 अप्रैल से लागू थे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026 के प्रति सभी संबंधित हितधारकों में जागरूकता अभिवर्धित करने व उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम कई चरणों में चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद मई माह में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर सभी नागरिकों की भागीदारी

सुनिश्चित करने का प्रयास किया जायेगा। इसी कड़ी में आज प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में राज्य के पटना एवं जहानाबाद जिलों के माननीय मुखिया जी सहित पंचायत स्तर तक के संबंधित पदाधिकारी तथा प्रखंड समन्वयक एवं अन्य के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में कुल 1335 प्रतिभागी जुड़े रहे। इस कार्यक्रम का उ द्घाटन करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. डीके. शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि इस नियमावली, 2026 को नियमावली, 2016 के स्थान पर अधिसूचित किया गया है, जो 1 अप्रैल से लागू है। नियमावली 2026 बुनियादी कचरा संग्रहण से हटकर डेटा संचालित, सख्त कानूनी जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। इसका उद्देश्य कचरा को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित कर चक्रीय अर्थव्यवस्था को सुद्धढ़ करना है। नये नियमावली में ठोस अपशिष्ट का चार स्तरीय पृथक्करण स्रोत पर ही किया जाना अनिवार्य किया गया है। थोक कचरा उत्पादकों की जवाबदेही तय की गई है। थोक कचरा उत्पादक (बल्क वेस्ट जेनरेटर्स) को 100 प्रतिशत गीले कचरे का स्थल पर ही प्रसंस्करण (ऑनसाइट प्रोसेसिंग) करना होगा अन्यथा विस्तारित उत्पादक प्रमाणमन्त्र (एपीआर) प्राप्त करना होगा। थोक अपशिष्ट उत्पादकों को विभिन्न मानदंडों यथा पलोर एरिया (फ्लोर एरिया ≥ 20,000एम2) प्रतिदिन, कचड़ा उत्पादन ≥ 100 प्रतिदिन और जल की खपत 2 40,000 लीटर प्रतिदिन के आधार पर चिन्हित किया गया है। इस प्रशिक्षण में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तार में जिला पंचायत और ग्राम पंचायत के कर्तव्यों को बताया गया। 36

अधिकारियों के मध्यस्थ के बीच संघर्ष मोर्चा ने सीडब्ल्यूएम को सौंपा ज्ञापन

जमालपुर/मुंगेर (नबिटासं)। पीडब्ल्यूआई कर्मचारी का सामूहिक तबादला रद्द करने सहित रेल से आठ सूत्री मांगों को लेकर जमालपुर रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा द्वारा आहूत आंदोलन के मद्देनजर अधिकारियों के लगातार मध्यस्थ के बीच संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल मोर्चा के महासचिव पप्पी कुमार उर्फ पप्पू यादव के नेतृत्व में रहे मुख्य कारखाना प्रबंधक विनय प्रसाद वर्णवाल से मिला। जिसमें मुख्य रूप से मोर्चा के प्रवक्ता रविकांत झा एवं मीडिया प्रभारी मनोज क्रांति शामिल थे। नेताओं ने जमालपुर हित मे मुख्य कारखाना प्रबंधक को 8 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन सौपा जिसमें मुख्य रूप से पीडब्ल्यूआई कर्मचारियों के तबादला को रद्द करने, कारखाना व रेल क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य में व्याप्त गोरख धंधा की जांच, शारीरिक दक्षता की तैयारी कर रहे युवक युवतियों के लिए गोल्फ मैदान में छोटे से गेट की व्यवस्था करने रेल निकुंज को पार्क में तब्दील करने यात्री सुविधा को देखते हुए जमालपुर मॉडल स्टेशन के पूर्व एवं पश्चिम दिशा को जोड़ते हुए ऊपरी पथ के साथ ही पूर्व दिशा में निकास एवं टिकट काउंटर का निर्माण और जमालपुर कारखाना में वृहद पैमाने पर हो रहे स्क्रैप घोटाले और अनियमितता की स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाने की मांग शामिल थी।वार्ता के दौरान मुख्य कारखाना प्रबंधक ने मोर्चा के नेताओं को आश्वासन देते हुए कहा कि मेरे हस्तक्षेप से जो भी मांगे पूरी हो सकेगी मैं इसके लिए पहल करूंगा वही उन्होंने पीडब्ल्यूआई कर्मचारियों के सामूहिक तबादले पर कहा की मोर्चा पीडब्ल्यूआई कर्मचारियों की इतिहास और बैकग्राउंड को नहीं समझ रही है।वही मोर्चा नेताओं ने कहा की संघर्ष मोर्चा सदैव जमालपुर कारखाना और रेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर संघर्षरत रहा है,अब जबकि एक साजिश के तहत कारखाना से पीडब्ल्यूआई कर्मचारियों का सामूहिक तबादला कर दिया गया और कारखाना के विभिन्न युनियन ने इस पर बोलना तक उचित नहीं समझा तो मोर्चा ने पीडब्ल्यूआई कर्मचारियों के भविष्य के साथ किए जा रहे खिलवाड़ के विरुद्ध सड़क पर उतरने का फैसला लिया और सप्ताह के अन्दर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो तो हम पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होंगे क्योंकि मोर्चा किसी भी कीमत पर कारखाना के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी।

आंगो गांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित, ग्रामीणों को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। प्रखंड के आंगो गांव में लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफार्मर के कारण ग्रामीणों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा था। बार-बार परेशानी झेल रहे ग्रामीणों ने इस समस्या की जानकारी बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को दी। सूचना मिलते ही विधायक रोशन लाल चौधरी ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से समन्वय स्थापित किया और गांव में 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। ट्रांसफार्मर लगने के बाद भाजपा और आजसू के स्थानीय नेताओं व कार्यकताओं ने संयुक्त रूप से फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर

इसका उद्घाटन किया। नए ट्रांसफार्मर के चालू होते ही गांव में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।

लोगों ने राहत महसूस करते हुए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता जगेश्वर तुरी, बढन तुरी, आजसू नेता नागेश्वर तुरी, सुरेश प्रसाद दांगी, मुरली महतो, राजेश महतो, अमन गंझू, उप मुखिया लालो महतो, मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र मांझी, फुलेश्वर महतो, जमुना प्रसाद, शिबू महतो, बाबूलाल महतो, कुलदीप महतो, कलेश्वर महतो, प्रदीप भुईयां, तिलेश्वर महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

रंगदारी नहीं देने पर बुजुर्ग के साथ मारपीट, प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र में जमीन पर चारदीवारी निर्माण करा रहे एक बुजुर्ग के साथ मारपीट और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इन्दु भिला निवासी बासुदेव राम (52) ने बताया कि उन्होंने हुरुहुरू मौजा में जमीन लेकर 16 अप्रैल को उस पर निर्माण कार्य शुरू कराया था। इसी दौरान सुबह करीब 9:15 बजे कुछ लोग एकजुट होकर वहां पहुंचे और काम रुकवाते हुए गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उनसे पांच लाख रुपये रंगदारी की मांग की और कहा कि रकम दिए बिना वहां कोई निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। विरोध करने पर हमलावरों ने कथित तौर पर उनकी बाउंड्री वॉल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ। घटना के दौरान मजदूरों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया और उनके पास रखे करीब 20 हजार रुपये छीन लिए गए। हल्ला होने पर मजदूरों ने किसी तरह बीच-बचाव कर पीड़ित को बचाया। मामले में नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बड़ा बाजार पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कारा सुरक्षा समिति की बैठक

जेल सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में कारा सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने एवं परिसर में अनुशासन सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

उपायुक्त ने उप-कारा, खूंटी में लगाए गए सुरक्षा उपकरणों, जैसे सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य यांत्रिक उपकरणों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और इनके सुचारु संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक की संभावना न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि जेल में अनुशासन बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी

समन्वय के साथ कार्य करें और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अधीक्षक उप कारा श्रीमती दिपेश कुमारी, डीएसपी मुख्यालय श्री अखिल कुजूर, प्रोबेशन पदाधिकारी श्री शांति भूषण समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जमुआ में 7.5 करोड़ की लागत से बने भव्य इको पार्क का उद्घाटन, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के जमुआ प्रखंड में शुक्रवार को एक बड़ी सौगात के रूप में 50 एकड़ क्षेत्र में फैले भव्य इको पार्क का उद्घाटन किया गया। करीब 7 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस पार्क का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक मंजू कुमारी ने किया इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, लोजपा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज, जिला परिषद सदस्य कुमारी प्रभा वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, वन विभाग के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि इस इको पार्क के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों को प्रकृति के बीच सुकून भरा वातावरण, घूमने-फिरने और मनोरंजन के लिए एक आकर्षक स्थल उपलब्ध होगा पार्क के उद्घाटन के बाद स्थानीय लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। लोगों ने इसे जमुआ क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण को लेकर प्रमंडल आयुक्त ने दिया दिशा निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत स्व-गणना का कार्य बिहार में प्रारंभ हुआ। आयुक्त मुंगेर प्रमंडल प्रेम सिंह मीणा, प्रभारी जिला पदाधिकारी मनोज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने स्व-गणना के तहत अपने ब्योरे दर्ज किये। स्व-गणना हेतु निर्धारित पोर्टल पर जाकर वांछित सूचनाओं अंकित करते हुए आम लोग जनगणना कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करा सकते हैं। स्व-गणना में प्रत्येक परिवार द्वारा अपनी आवासीय स्थिति, परिवार, जल, स्वच्छता एवं ऊर्जा विवरण तथा घरेलू उपकरणों की उपलब्धता से संबंधित सूचनाओं ऑनलाइन माध्यम से स्वयं प्रविष्ट की जानी है। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया जाना है, जिसके अंतर्गत स्व-गणना का कार्य 17 अप्रैल से 1 मई के मध्य संपादित किया जाना है। मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना के दौरान प्रगणकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों से संबंधित सूचनाओं दर्ज करने के लिए आम नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपने मोबाइल नंबर से ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। लोगिन करने पर वे अपने राज्य, जिला और क्षेत्र की जानकारी चुनने के पश्चात डिजिटल मैप पर अपने घर का स्थान चिन्हित कर घर और परिवार से संबंधित जानकारी को भर सकते हैं।

कदाचारमुक्त परीक्षा आयोजन को लेकर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। । झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के सफल क्रियान्वयन हेतु खूंटी जिले में कुल 09 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। दिनांक 19 अप्रैल 2026 को परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 3357 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने के उद्देश्य से पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी एवं फ्लाईंग दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही आवश्यकता अनुसार सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की भी प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की गई है। समाहरणालय

स्थित सभागार में उपायुक्त ने ब्रीफिंग के दौरान परीक्षा के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संचालन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने सभी पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी, फ्लाईंग दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल को विभाग द्वारा परीक्षा को लेकर जारी सभी एसओपी का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया।

ऑन ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल को सक्रिय होकर ससमय रिपोर्टिंग करने एवं अपने कार्य का निर्वहन उत्तरदायित्व पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल न करने का सख्त निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, परीक्षा को लेकर निर्धारित समय का विशेष ध्यान रखते हुए ससमय प्रश्नपत्र वितरण एवं परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल को सख्त निर्देश देते हुए किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसे लेकर सख्त दिशा निर्देश दिए गए। जिससे परीक्षा का सफल एवं कदाचार मुक्त आयोजन सुनिश्चित कराया जा सके। इस ब्रीफिंग में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पंचायतीराज पदाधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सहित प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट, पुलिस विभाग के पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित प्रतिनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जमुई जेल में प्रशासन की औचक छापेमारी

- सुरक्षा व्यवस्था पर कसा शिकंजा - एसपी के नेतृत्व में संयुक्त टीम की सघन तलाशी - कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। गुरुवार देर रात जमुई स्थित मंडल कारा में उस समय अचानक हलचल तेज हो गई, जब जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने औचक छापेमारी अभियान चलाया। इस मिडनाइट एक्शन ने न सिर्फ जेल परिसर में मौजूद बंदियों और कर्मियों को चौंका दिया, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सख्ती का भी स्पष्ट संदेश दिया। छापेमारी अभियान पूरी तरह गोपनीय और रणनीतिक ढंग से संचालित किया गया, ताकि इसकी भनक पहले से किसी को न लग सके। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल कर रहे थे। उनके साथ एसडीएम सौरव कुमार, एसडीपीओ सतीश सुमन, बीडीओ अभिनव मिश्रा और नगर थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। संयुक्त टीम ने जेल परिसर के प्रत्येक वार्ड, बैरक और कोने-कोने की गहन तलाशी ली। अचानक हुई इस कार्रवाई से जेल के भीतर अफरातफरी का माहौल बन गया। बंदियों के बीच हलचल देखी गई, वहीं सुरक्षा कर्मी भी पूरी मुस्तैदी के साथ टीम का सहयोग करते नजर आए। एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया कि इस छापेमारी का मुख्य उद्देश्य जेल के भीतर सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करना और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया कि जेल परिसर में कहीं से भी प्रतिबंधित सामान या संदिग्ध गतिविधियों का संचालन न हो रहा हो। छापेमारी के दौरान किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ। एसडीएम सौरव कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि तलाशी अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। इसका उद्देश्य जेल के भीतर अनुशासन, पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है। इस कार्रवाई को जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्रशासन की सक्रियता और तत्परता से यह संदेश साफ है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक नजर

जमीन विवाद ने बढ़ाया तनाव, जांच की मांग

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड के ढोसिला पंचायत अंतर्गत ठकुरार गांव में इन दिनों जमीन को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन जमीनों की केवाला (रजिस्ट्री) में प्लॉट संख्या अंकित नहीं है, उन पर भी अंचल कार्यालय द्वारा रसीद में प्लॉट नंबर दर्ज कर दिया जा रहा है। गांव निवासी अजय शर्मा ने बताया कि करीब 9 एकड़ जमीन से जुड़ा मामला वर्ष 2014 से न्यायालय में लंबित है। इसके बावजूद बिना किसी आधिकारिक मापी के जमीन पर प्लॉट संख्या चढ़ा दी गई और रसीद भी जारी कर दी गई। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राजस्व पदाधिकारी को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन मार्च 2026 में फिर से रसीद में प्लॉट नंबर अंकित कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जमीन की सही तरीके से मापी कराई जाती, तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाती। वर्तमान में जिन लोगों के नाम पर रसीद जारी हुई है, वे बिचौलियों के माध्यम से जमीन बेचने के लिए एग्रीमेंट भी कर चुके हैं, जिससे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए किसी भी समय विवाद के हिंसक रूप लेने की आशंका जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इसी गांव में जमीन विवाद को लेकर दो घटनाएं हो चुकी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 अप्रैल को जिलाधिकारी को जांच के लिए आवेदन सौंपा गया है। वहीं, राजस्व पदाधिकारी सलाह असमर ने बताया कि जिन प्लॉट नंबरों को गलत तरीके से चढ़ाया गया था, उन्हें हटा दिया गया है या मामला वरीय अधिकारियों के पास विचाराधीन है। उनके निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मांगें पूरी होने तक किसानों का जारी रहेगा संघर्ष, मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

औरंगाबाद। उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा मगध के बैनर तले 5 सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रतिवाद मार्च किया गया। प्रतिवाद मार्च की शुरुआत गांधी मैदान से किया गया। झंडा, बैनर और गगनभेदी नारों से उत्तर कोयल नहर से जुड़े मांगों को बुलंद करते हुए बड़ी संख्या में किसान उत्तर कोयल नहर प्रमंडल औरंगाबाद के कार्यालय परिसर पहुंचे। जहां किसानों ने सिंचाई सृजन जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अर्जून प्रसाद को ज्ञापन सौंपा है। इस पर मुख्य अभियंता ने मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया। किसानों ने कहा कि मांगें पूरी होने तक संघर्ष रहेगा जारी रहेगा। उत्तर कोयल नहर के मुख्य शाखा में 211 आरडी पर सीआर गेट में फाटक लगाने और नहर में बनाए गए अवैध दीवार को हटाने, चेईं नवादा, कोटवारा एवं अंगरा कैनाल की सफाई करवाने एवं खरीफ फसल वर्ष 2026 में पानी देने की गारंटी करने, इस्माइलपुर और देव रोड हाल्ट के पास नहर पर रेल पुल बनाने, कुटकू डैम में फाटक लगाने आदि मांगों से युक्त ज्ञापन मुख्य अभियंता को सौंपा गया। प्रतिनिधि मंडल में मोर्चा के सचिव बालेश्वर प्रसाद यादव, अध्यक्ष साथी नंदलाल सिंह, कोषाध्यक्ष साथी उपेन्द्र कुमार, उपसचिव साथी अशोक यादव, साथी विनोद प्रसाद एवं साथी गोपाल कुमार शामिल हुए। प्रतिवाद मार्च के दौरान सभा का संचालन धनेश यादव किया। सभा में एलके बिंदु , राम उदय व्यास, सुखींद्र कुमार अपने गायन से मांगों को बुलंद करते रहे।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षाः रांची के 96 केंद्रों पर होगी परीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन 19 अप्रैल (रविवार) को दो पालियों में किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन को लेकर रांची जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली है। इस संबंध में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रशासनिक, पुलिस और परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, सिटी एसपी पारस राणा, सदर एसडीओ कुमार रजत समेत झारखंड लोक सेवा आयोग के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। परीक्षा पहली पाली में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। रांची जिला में इसके लिए कुल 96 उप-केंद्र बनाए गए हैं, जहां अभ्यर्थियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

बाबा साहेब की जयंती पखवारा पर संगोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पखवारा के अवसर पर सोमवार को महावीर वाटिका, जमुई में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद केसरी ने की। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित हुए और बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान पूरे परिसर में सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के संदेश गूंजते रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद केसरी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान के शिल्पकार ही नहीं थे, बल्कि वे एक महान समाज सुधारक और समतामूलक समाज के सशक्त प्रवक्ता भी थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार और अवसर प्रदान किए, जिससे देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली। उनके विचार आज भी समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहेब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके जयंती पखवाड़ा के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष जयंत चौधरी, जिला महामंत्री बृजनंदन सिंह, सोनेलाल पासवान, उपाध्यक्ष रंजीत सिंह, विभा सिंह, अनिल दीक्षित, साधना सिंह, अजय पासवान, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक राज, विदुभूषण सिंह, मंडल अध्यक्ष शंभु पांडे, कन्हैया सिन्हा, अखिलेश पांडेय, संजय साह, रामानंद गोस्वामी, विकास गुप्ता, सुरेंद्र तांती, ताहिर अंसारी, सुजीत मंडल, दिनेश मंडल, टुन सिंह, टुनटुन यादव, राकेश चौधरी, प्रमोद पाल, रुद्रदेव सिंह, विजय लहेरी, सुरज मुर्मू एवं राजीव अम्बष्ट समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ किया गया।

अदरी नदी के अतिक्रमणकारियों के खिलाफ़ नोटिस निर्गत

औरंगाबाद। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के आलोक में जिला मुख्यालय स्थित अदरी नदी के सौंदर्यीकरण एवं नदी तट विकास कार्य के संबंध में अदरी नदी के समीप अवस्थित अवैध अतिक्रमित भूमि का जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस निर्गत किया गया। विदित हो कि प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा के तहत अदरी नदी के सौंदर्यीकरण एवं नदी तट विकास का कार्य कराया जा रहा है। इस क्रम में अदरी नदी के तट पर राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के समीप कामा बिगहा से अब्दुल कलाम पार्क, औरंगाबाद तक लगभग 03 किलोमीटर की लंबाई में विभिन्न स्थलों पर लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है जिसके कारण कार्य के समयबद्ध निष्पादन में बाधा उत्पन्न हो रही है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा स्थल निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से बसे लोगों को निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं भूमि खाली करने हेतु निर्देशित करते हुए नोटिस निर्गत किया गया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत अमीन द्वारा संबंधित भूमि की मापी भी कराई गई। इसके अतिरिक्त अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि अतिक्रमित भूमि पर बसे लोगों के पुनर्वास हेतु वैकल्पिक भूमि चिन्हित की जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को व्यवस्थित रूप से बसाया जा सके और विकास कार्य में कोई बाधा उत्पन्न न हो।

बिहारशरीफ में सीबीएसई टॉपर्स का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। पीडब्ल्यू के कई विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ–पाठशाला ने बिहार शरीफ, में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अन्य विद्यार्थियों के साथ विराज सिंह (97.40 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलख पांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं हाइब्रिड शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बाबा धाम मंदिर की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पिछले महीने देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पाकिस्तानी नोट मिलने से प्रशासन हरकत में आ गया है। बाबा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। मंदिर के तीनों गेट पर पुलिस की तैनाती कर दी गई है। मंदिर आने जाने वाले श्रद्धालुओं की जांच भी की जा रही है। लेकिन भीड़ के अनुसार, सुरक्षाकर्मियों की कमी अब भी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पंडा धर्म रक्षणीय सभा के महामंत्री निर्मल झा बताते हैं कि पहले के अनुसार, वर्तमान में सुरक्षा कर्मियों की संख्या जरूर बढ़ी है लेकिन अभी भी कई जगहों पर सुरक्षा में चूक देखी जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती रहती है, ऐसे में पुलिसबल की संख्या भीड़ की तुलना में काफी कम पड़ जाती है। इसीलिए सुरक्षाकर्मी मंदिर के भीड़ प्रबंधन को सुचारू रखने में व्यस्त रहते हैं। मंदिर प्रबंधन की तरफ से भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निजी वॉलंटियर्स रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि भीड़ के दौरान प्रत्येक श्रद्धालुओं पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। मंदिर की दान पेटी में पाकिस्तानी नोट मिलने के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी सौरभ बताते हैं कि मंदिर की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पेशल डेडीकेटेड फोर्स तैनात की गई है। मंदिर में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच मेटल डिटेक्टर से की जा रही है। वहीं जगह-जगह पर कैमरे भी इंस्टॉल किए जा रहे हैं ताकि मंदिर के कोने-कोने पर निगरानी रखी जा सके। वर्तमान में मंदिर परिसर में 80 पुलिस के जवान और पदाधिकारी तैनात रहते हैं। जरूरत पड़ने पर पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ाई भी जाती है। एसपी ने बताया कि सिर्फ जमीन पर से ही नहीं बल्कि ऊंचाई से भी पुलिस मंदिर पर अपनी निगरानी बनाकर रख रही है। मंदिर के पास बनाए गए फुट ओवर ब्रिज पर पुलिस की एक टीम तैनात रहती है और आने जाने वाले लोगों पर निगरानी बनाकर रखती है।

इंटरनेशनल ट्रायल का मंच बना रांची, झारखंड मेजबान को वॉलीबॉल में नहीं मिली जगह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची का हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम इन दिनों देशभर के उभरते खिलाड़ियों की ऊर्जा और उत्साह से गुलजार है। यहां वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल और बास्केटबॉल चैंपियनशिप (अंडर-18) के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। यह ट्रायल 22 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण आयोजन की जिम्मेदारी झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को राष्ट्रीय स्कूली खेल संगठन द्वारा सौंपी गई है। यह अपने आप में राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए। सोरेंग ने बताया कि झारखंड को पहले भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी का अनुभव है और उसी भरोसे के आधार पर इस बार दो अंतरराष्ट्रीय स्तर की चयन प्रक्रिया यहां आयोजित की जा रही है।

1 से 10 जुलाई तक चीन में वॉलीबॉल चैंपियनशिप

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वॉलीबॉल चैंपियनशिप 1 से 10 जुलाई तक चीन में, जबकि बास्केटबॉल चैंपियनशिप 13 से 22 जून तक सर्बिया में आयोजित होगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए यह ट्रायल बेहद अहम है, यहां से चुने हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगे और अंतिम चयन के बाद देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वॉलीबॉल ट्रायल में दिखा कड़ा मुकाबला

वॉलीबॉल के ट्रायल में बालक और बालिका दोनों वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बालक वर्ग का चयन 15 और 16 अप्रैल को हुआ, जिसमें कुल 76 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। ये खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और पूर्व कैंप से चुने गए थे।

73 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

वहीं बालिका वर्ग का ट्रायल 17 और 18 अप्रैल को आयोजित किया गया, जिसमें 73 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कोर्ट पर खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, यहां हर खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकता नजर आया।

बास्केटबॉल के लिए बालक वर्ग का ट्रायल 20 और 21 अप्रैल को ट्रायल होगा। वॉलीबॉल के बाद अब बास्केटबॉल के खिलाड़ियों की बारी है। अंडर-18 बास्केटबॉल के लिए बालक वर्ग का ट्रायल 20 और 21 अप्रैल को जबकि बालिका वर्ग का 22 और 23 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इसमें भी देशभर के चयनित खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो पहले राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं।

झारखंड के खिलाड़ियों पर भी नजर

इस पूरे आयोजन में झारखंड के खिलाड़ियों की भागीदारी भी चर्चा में है। खासकर बास्केटबॉल में राज्य की स्नेहा और संदीप ने अपने प्रदर्शन के दम पर चयन ट्रायल तक जगह बनाई है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है।

हालांकि वॉलीबॉल के बालिका वर्ग में स्थानीय खिलाड़ियों को सफलता नहीं मिल सकी है। फिर भी उन्होंने इसे सीखने का बड़ा अवसर बताया। खिलाड़ियों ने कहा कि यहां उन्हें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिल रहा है, जो उनके खेल को और बेहतर बनाएगा।

झारखंड में बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ राज्यभर में भाजपा का प्रदर्शन

रांची/नबिटा ब्यूरो। राज्य में बिजली की दरों में हुई वृद्धि के खिलाफ आज शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदेश भाजपा के आह्वान पर आयोजित राज्यस्तरीय आंदोलन के तहत जिला मुख्यालय स्थित जेबीवीएनएल कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। राजधानी रांची के डोरंडा कुसई कॉलनी स्थित जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक सीपी सिंह और मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल के नेतृत्व में धरना दिया। महानगर भाजपा द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय धरना के जरिए बिजली की लगातार हो रही कटौती और पोस्टपेड मीटर में हो रही अनियमित बिलिंग के विरोध में लोगों ने जमकर नारेबाजी की।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ओ/एसी/टी/04/26-27 (ओपन), दिनांक 16.04.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस सं.:** ओ-एसी-टी-04-26-27; **कार्य का नामः** सीनि. डीईएन/I/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में आसनसोल में विभिन्न स्थानों अर्थात् बी1 सं. 178 आदि तथा अन्य ब्लॉकों, ऑफिसर्स क्लब, ऑक्सीजन पार्क, कालका छोर पर नर्सरी, स्टेशन के सामने गार्डन सहित वर्टिकल गार्डन तथा एसएसई/वर्क्स/ईस्ट/आसनसोल कार्यालय गार्डन में 12 महीने की अवधि के लिए बागवानी सम्पत्तियों की मरम्मत तथा रखरखाव के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 52,32,699.09। **बयाना राशि:** रु. 1,04,700; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 12 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 12.05.2026 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-28/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 17_2026-27, दिनांक 16.04.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **सीनि.डीईएन/सी/हावड़ा** के अधीन नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरणः** (i) एईएन/नबद्वीप धाम के अधीन रेलवे के रीलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 11ए/1 के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। (ii) एईएन/नबद्वीप धाम के अधीन रेलवे के रीलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 12ए के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। (iii) एईएन/नबद्वीप धाम के अधीन रेलवे के रीलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 12ए/3 के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। (iv) एईएन/कटवा के अधीन रेलवे के रीलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 21/1/सी/ई (एमएल) के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। (v) एईएन/कटवा के अधीन बी.के. अनुभाग में लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 17/सी/ई के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। **अनुमानित लागतः** रु. 32,40,18,905.10; **बयाना राशिः** रु. 64,80,400; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 11.05.2026 को अपराह्न 2.00 बजे तक। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-25/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गर्मी एवं लू के साथ एचपीवी टीकाकरण को प्रभावी रूप से हो क्रियान्वयन : अभिलाषा

नबिटा संवाददाता

औरंगाबाद। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित योजना भवन में की गई जिसमें स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक मो. अनवर आलम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति प्रतिवेदन के साथ-साथ गर्मी एवं लू के मद्देनज़र स्वास्थ्य संस्थानों की तैयारी, स्वास्थ्य केंद्रों के कार्यरत रहने की स्थिति, एचपीवी टीकाकरण तथा टीबी मुक्त भारत अभियान आदि पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी सरकारी अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के इलाज हेतु आवश्यक दवाओं, ओआरएस, आईवी फ्लूड एवं वातानुकूलित बेड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा जिले में उपलब्ध सभी एंबुलेंस को तत्पर रखा जाए। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया तथा वैक्सीनेशन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया। इस क्रम में रफीगंज, गोह, सदर प्रखंड, देव एवं कुटुंबा के प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधकों से स्पष्टीकरण पृच्छा का निर्देश दिया गया। जिले में अब तक प्रथम डोज के सापेक्ष द्वितीय डोज का कवरेज अपेक्षाकृत कम है, इस पर जिलाधिकारी ने विशेष चिंता जताते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार कर समयबद्ध तरीके से दूसरा डोज दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग एवं आईसीडीएस को भी अभियान में सक्रिय सहयोग करने का निर्देश दिया, ताकि स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक किशोरियों तक पहुंच बनाई जा सके। साथ ही, अभिभावकों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ, शिक्षा विभाग, आईसीडीएस एवं पंचायती राज विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे तथा सभी प्रखंडों के वीडियो एवं सीओ तथा अन्य पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाय तथा सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध रूप से पहुंचाया जाय। उन्होंने विशेष रूप से मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में तेजी लाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित समीक्षा एवं फील्ड विजिट को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा, ताकि सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके।

तालाब पर आधिपत्य को ले बवाल

पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील ▢ ग्रामीणों और जीविका समूह में टकराव ▢ ग्रामीणों ने हाई कोर्ट से लिया था जीत का आर्डर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाढ़। पटना के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक प्रखंड अंतर्गत परसावां गांव में मछली पालन और मछली पकड़ने को लेकर ग्रामीणों और जीविका दीदियों के बीच बड़ा विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि मौके पर सीआई, बीडीओ, थाना अध्यक्ष समेत भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया और पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

जानकारी के अनुसार, गांव का यह तालाब पहले सार्वजनिक उपयोग में था। लगभग तीन वर्ष पूर्व इसे जीविका दीदियों को मछली पालन के लिए सौंप दिया गया था। इसके बाद जीविका दीदियों द्वारा तालाब में मछली पालन शुरू किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह सामूहिक तालाब है और इसमें मछली पकड़ने का अधिकार गांव के लोगों का है। उनका यह भी कहना है कि तालाब से होने वाली आय गांव के विकास कार्यों में खर्च होनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि पंचायत मुखिया के हस्ताक्षर के बाद तालाब को जीविका समूह को सौंपा गया था। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर तालाब का लगभग पौने दो करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण कराया गया और इसके बाद इसे जीविका दीदियों को मछली पालन के लिए दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि वे पहले भी इस तालाब में मछली पकड़ते रहे हैं, लेकिन अब उन्हें रोका जा रहा है। वहीं जीविका समूह का कहना है कि तालाब विधिवत रूप से उन्हें सौंपा गया है और मछली पालन का अधिकार उन्हीं के पास है। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब जीविका दीदियां मछली पकड़ने के लिए तालाब पर पहुंचीं और ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बीडीओ श्री नीलकमल, सीआई संजय कुमार और थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। सीआई संजय कुमार और बीडीओ ने ग्रामीणों से कहा कि यदि उनके पास कोई वैध दस्तावेज हैं तो वे उसे प्रस्तुत करें। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

ग्रामीण रहिस सिंह का कहना है कि कुछ लोग फर्जी कागजात के आधार पर तालाब पर अधिकार जताना चाहते थे, जिसके खिलाफ ग्रामीणों ने हाईकोर्ट में केस लड़कर जीत हासिल की थी। उनका दावा है कि तब से ग्रामीण इस तालाब में मछली पकड़ते आ रहे थे।

ग्रामीण लक्ष्मण सिंह ने कहा कि उन्हें समय दिया जाए, वे कोर्ट के कागजात प्रस्तुत करेंगे। उनका दावा है कि वर्ष 1962-63 में तत्कालीन एसडीओ ने भी ग्रामीणों के पक्ष में फैसला दिया था और यह तालाब गांव के लोगों का ही है। फिलहाल प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है और दोनों पक्षों से दस्तावेज लेकर उच्च स्तर पर मामले की जांच की बात कही है।

ऐप से होगी डिजिटल जनगणना

नावकोठी। प्रखंड क्षेत्र में जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) को लेकर प्रखंड स्तरीय तीन दिवसीय दूसरे चरण का प्रशिक्षण ऐपीएस प्लस टू स्कूल, नावकोठी के सभागार में शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन चार्ज अधिकारी सह बीडीओ राहुल रंजन ने किया।उन्होंने बताया कि नावकोठी प्रखंड में कुल 284 (रिजर्व सहित) प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। पहले चरण में दो बैचों के 80 कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि 16 से 18 अप्रैल तक दूसरे चरण में भी दो बैचों के 80 प्रगणक-पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।बीडीओ ने जानकारी दी कि इस बार 2 मई से 31 मई तक एचएलओ ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण व गणना पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस तरीके से की जाएगी। सभी आंकड़े गोपनीय रखे जाने की बात बताई गई हैं एवं निर्धारित मानकों के अनुसार ही डेटा संग्रह होगा। जिससे विश्वसनीयता बनी रहे।

डिजिटल अभियान शुरू करने को ले कांग्रेस ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। आज शुक्रवार को पूर्व विधायक सह जिलाअध्यक्ष आनन्द शंकर कांग्रेस के आवास सह कार्यालय पर औरंगाबाद जिला एवं प्रखण्ड के प्रमुख पदाधिकारी एवं वरीय कांग्रेसी कार्यकर्त्ताओं के साथ सृजन साथी जनसंपर्क अभियान (बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी डिजीटल ड्राइव) बैठक हुई।

इस बैठक के माध्यम से जिलाध्यक्ष आनन्द शंकर ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को डिजीटल ऐप द्वारा सदस्यता बनाने की पूरी जानकारी दिया। ऐप को पर डाऊनलोड कर दिखाया तथा सदस्यता बनाने का शुभारंभ कर सभी कांग्रेसी साथी को एक व्यक्ति एक पद 'सांगठनिक ढांचा एवं आरक्षण' अभियान की समय सीमा ब्लॉक स्तरिय 15 मई एवं प्रदेश पदाधिकारी हेतू 31 मई तक निर्धारित है की जानकारी दी ।

सृजन साथी बनने की पात्रता आयु 18 वर्ष एवं वैध वोटर आई कार्ड एवं लाईव फोटो की अनिवार्यता पर बल दिया। सदस्यता शुल्क 50 रुपये निर्धारित है ।

सभी कांग्रेसी साथी ने इसका स्वागत किया एवं बुथ स्तर एवं गांव - गांव घर - घर जाकर लोगों को जोड़ने एवं कांग्रेस को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई एवं जिला अध्यक्ष आनंद शंकर को डिजीटल सदस्यता अभियान में कुछ सुधार के सुझाव भी कार्यकत्ताओं द्वारा दिया गया जिसपर जिलाअध्यक्ष आनंद शंकर जी सहमति जताते हुए उपर से बात कर सुधार हेतू आश्वासन भी दिया। उपस्थित कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारी की सूचि इस प्रकार है ।

महेंद्र यादव वारिय कांग्रेसी 'राकेश कुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष' अरविंद कुमार सिंह पूर्व जिलाअध्यक्ष ' प्रदीप कुमार सिंह पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा नसीम अख्तर रविंद्र कुमार सिंह प्रखंड अध्यक्ष देव ' सत्येंद्र सिंह ' श्याम बिहारी सिंह वरिय कांग्रेसी बृज किशोर सिंहप्रखंड अध्यक्ष औरंगाबाद रविंद्र पांडे ' रत्नाकर सिंह देव शैलेंद्र मिश्रा शैल 'सुजीत कुमार सिंह प्रखंड अध्यक्ष रफीगंज संजीव कुमार सिंह मदनपुर 'नागेंद्र कुमार सिंह 'विकास नंदन , वरिय कांग्रेसी अजय कुमार सिंह 'अजय सिंह राणा रंग बहादुर सिंह 'अमरेंद्र कुमार सिंह मोहम्मद तबीस धर्मेंद्र पासवान युवा अध्यक्ष जिला 'भीम सिंह चौहान मोहम्मद जीना कुरैशी उदय पासवान वैगरह बैठक में सम्मिलित हुए।

कांग्रेस ने मनायी सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक भारतरत्न, पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 51वी पुण्यतिथि गयाजी के स्थानीय चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल प्रांगण में मनाई गई। सर्व प्रथम सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी. दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी, प्रो विश्वनाथ कुमार, प्रद्युम्न दुबे, अशोक राम, रूपेश चौधरी, विनोद उपाध्याय आदि ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन का संपूर्ण जीवन कुलपति भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति तथा द्वितीय राष्ट्रपति के रूप में आज भी भारतीय शिक्षा जगत के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। जिनके बताए रास्ते पर चल कर देश को विश्व के श्रेष्ठ देशों में शुमार रखने में मदद मिलेगी।

नेताओं ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के प्रेरणा श्रोत होने के कारण ही इनकी जन्मतिथि 05 सितंबर को हम भारतवासी शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं,तथा इसी दिन भारत के श्रेष्ठ शिक्षकों को भारत सरकार द्वारा

पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है।

नेताओं ने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विद्वत्ता का लोहा मानता था, ब्रिटेन के ऐड़ीनवारा विश्वविद्यालय में दिए अपने भाषण में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था मानव को एक होना चाहिए, मानव इतिहास का संपूर्ण लक्ष्य मानव जाती की मुक्ति तभी सम्भव है जब देशों की नीतियों का आधार पूरे विश्व में शांति की स्थापना का प्रयत्न हो। नेताओं ने गयाजी जिला में स्थित दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं आई आई एम की परिसर में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग केंद्र एवं राज्य सरकारों से किया है।

गंगा ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई परिणाम शत-प्रतिशत

बेगूसराय नगर। सीबीएसई 10वीं की परीक्षा फल आते ही गंगा ग्लोबल स्कूल, रमजानपुर में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया।इस वर्ष कक्षा 10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में इस विद्यालय के कुल 178 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें सभी विद्यार्थी सफल रहे। इस प्रकार विद्यालय का परिणाम 100प्रतिशत रहा। जो स्कूल के लिए अत्यंत गौरव की बात है। यह उत्कृष्ट उपलब्धि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।टॉप 5 मेधावी छात्रों में सपना कुमारी द्द 92प्रतिशत (462 अंक),प्रतिशत उपहार भारद्वाज 92प्रतिशत (460 अंक), मानस कुमार द्द 91प्रतिशत (457 अंक), रिति भारती द्द 91प्रतिशत(457 अंक), सत्यम कुमार 90प्रतिशत (450 अंक)शामिल है। साथ ही 80प्रतिशतसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 30, 70प्रतिशत से 80प्रतिशत के बीच अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 46,60प्रतिशत से 70प्रतिशतके बीच अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 39, 40प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 62 है।

वर्चुअल माध्यम से हुई मासिक भेंटवार्ता एक शाम,साहित्य के नाम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की मासिक भेंट वार्ता एक शाम साहित्य के नाम कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित भेंट वार्ता में विभिन्न प्रदेशों के समितियां ने हिस्सा लिया जिसमें हरियाणा प्रदेश समिति एवं फरीदाबाद जिला समिति की विशेष सहभागिता रही। भेंट वार्ता के अप्रैल अंक के आयोजन में बतौर आमंत्रित साहित्यकार हरियाणा की कवयित्री एवं इनर व्हील क्लब आफ साउथ-वेस्ट कोलकाता की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी सुमन माहेश्वरी रहीं। शब्दवीणा की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने सुमन माहेश्वरी का शब्दवीणा परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन कवयित्री रिया अग्रवाल एवं संयोजन शब्दवीणा की हरियाणा प्रदेश सचिव सरोज कुमार ने किया। वार्ताकार रिया अग्रवाल के प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्रीमती माहेश्वरी ने अपने साहित्यिक एवं समाज सेवा से जुड़े अनुभव, खट्टी-मीठी अविस्मरणीय यादों को साझा किया।साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं होना चाहिए। साहित्य का उद्देश्य समाज में नकारात्मकता का अंत करके सकारात्मकता का सृजन करना होना चाहिए। मासिक भेंटवार्ता में सुरेश विद्यार्थी, दीपक कुमार,बबन बदिया, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, पी. के. मोहन, सरिता कुमार, रश्मि बिनानी, अजय माहेश्वरी, श्रवण सहस्त्रांशु, रमेश चंद्र, अजय कुमार, अनुराग सैनी मुकुंद, आशा साहनी, रचना झा,डॉ विजय शंकर, संतोष कुमार जयंत सहित देश के विभिन्न प्रदेशों के साहित्यकार जुड़े।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा से सेट थोड़ी दूर दनियावां थाना क्षेत्र के योधन बिगहा के पास एनएच 431 अचंडी-दनियावां मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना में एक युबक की मौत ही गया। मृतक की पहचान नगरनौसा थाना क्षेत्र के नगरनौसा गांव निवासी कृष्ण ठाकुर के 30 वर्षीय पुत्र उपेंद्र शर्मा के रूप में किया गया।मृतक नगरनौसा पोस्ट ऑफिस गली में सैलून का दुकान चलाता था। दनियावां थानाध्यक्ष अनिल प्रसाद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया गया है।

पुलिया के अभाव से दर्जनों गांव का जिला मुख्यालय से कटा संपर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। प्रखंड के अतिमहत्वपूर्ण ग्रामीण कार्य विभाग से बने घोरहत मोड़ से महुआवां टिकरी रामदोहर गोगाडी पथ के बिच में टिकरी के समीप रेवईया नदी में पुलिया के निर्माण नहीं होने के कारण चार पंचायत बनिया,बेरी,महुआवां एवं पिरथु के दर्जनों गांवों के लोगों को बरसात के दिनों में प्रखंड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय से सम्पर्क कट जाता है। दोनो तरफ पक्की सड़क बना हुआ है मगर बीच में जमुआईन एवं टिकरी के समीप रेवईया नदी में पुलिया निर्माण नहीं हुआ है।

जनप्रतिनिधियों के उदसिन रवैया के कारण दर्जनों गांवों के लोगों को बरसात के दिनों में संकट के दौर से गुजरना पड़ता है। आज तक किसी भी नेताओं का ध्यान इस अतिमहत्वपूर्ण सड़क के बिच में छुटे हुए पुलिया निर्माण करवाने के लिए आकृष्ट हुआ है।मैं जिला पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता औरंगाबाद को आवेदन लिखकर घोरहत मोड़ से टिकरी रामदोहर महुआवा, गोगाडी पथ में रेवईया नदी पर टिकरी के समीप पुलिया निर्माण करवाने की मांग किया हूं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि अविलंब इस सड़क के बिच में टिकरी के पास नदी में पुलिया निर्माण करवाने का कष्ट करेंगे।

संदिग्धावस्था में खेत से मिली पैक्स अध्यक्ष की लाश, हत्या की आशंका

पुलिस कर रही छानबीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। बिहार के शेखपुरा जिले के बभनबीघा गांव में शुक्रवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने खेत में में पैक्स अध्यक्ष का शव संदिग्ध परिस्थितियों में देखा। जानकारी के अनुसार, सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने गांव के पूरब दिशा में स्थित खंबे के पास एक व्यक्ति का शव उल्टा पड़ा हुआ देखा। शुरूआत में शव की पहचान नहीं हो सकी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बरबीघा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जब शव को पलटकर देखा, तब उसकी पहचान समास बुजुर्ग पंचायत के पैक्स अध्यक्ष संजीत कुमार के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की पुष्टि की। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और हंगामा करने लगे। परिजनों ने इस घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई है और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिले के वरीय पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसपी बलिराम कुमार चौधरी और एएसपी डॉ. राकेश कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, बरबीघा थानाध्यक्ष गौरव कुमार पुलिस टीम के साथ पूरे मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फोरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे हत्या की पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन छानबीन कर रही है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पटरी पर पलटा ई- रिक्शा, बाल-बाल बचे लोग

बिहारशरीफ। बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के सोहसराय हॉल्ट रेलवे क्रॉसिंग पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन आने से ठीक पहले एक ई-रिक्शा पटरी पर पलट गया, जिससे कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पलामू एक्सप्रेस के गुजरने के बाद दूसरी ट्रेन आने वाली थी।इसी दौरान ई-रिक्शा चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पटरी पर पलट गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और ट्रैफिक पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ई-रिक्शा को तुरंत सीधा कर ट्रैक से हटा दिया। करीब पांच मिनट तक स्थिति तनावपूर्ण रही, लेकिन समय रहते हालात काबू में कर लिए गए और बड़ा हादसा टल गया।

गेटमैन ने बताया कि इस क्रॉसिंग पर लोगों की लापरवाही अक्सर खतरे को बढ़ा देती है। गेट बंद होने के बावजूद कई लोग जल्दबाजी में जबरन पार करने की कोशिश करते हैं।मना करने पर गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार भी किया जाता है, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है।

पशु बांझपन निवारण शिविर रविवार को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी (गया)। जिला पशुपालन कार्यालय, गया के तत्वाधान में मां तारा नगरी केसपा ग्राम स्थित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय परिसर में रविवार (19 अप्रैल) को सुबह 8 बजे से पशु बांझपन निवारण शिविर एवं पशुपालक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार राय, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सहित कई पशु चिकित्सक एवं विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

शिविर के दौरान पशुओं में बांझपन की समस्या के निदान के साथ-साथ उनके समुचित उपचार एवं देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी पशुपालकों को दी जाएगी।

ग्रामीण हिमांशु शेखर ने क्षेत्र के सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं के साथ शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श लें और इस कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

खादी ग्रामोद्योग की जमीन को पट्टा पर दिये जाने से लोगों में उबाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवगछिया। नवगछिया एनएच-31 स्थित खादी ग्रामोद्योग की बहुमूल्य सरकारी जमीन को लेकर अब मामला और गंभीर हो गया है। नया टोला के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस जमीन को 99 वर्षों के लिए पट्टा पर दे दिया गया है, जिसमें विवाह भवन एवं गेस्ट हाउस निर्माण की योजना बताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया नियमों की अनदेखी करते हुए और पारदर्शिता के बिना की गई है। जिस जमीन का उपयोग जनहित और संस्थागत कार्यों के लिए होना चाहिए था, उसे निजी लाभ के लिए सौंपा जा रहा है।

इससे न सिर्फ सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि भविष्य में सार्वजनिक उपयोग की संभावनाएं भी समाप्त हो सकती हैं।

इस संबंध में नवगछिया खादी ग्रामोद्योग विभाग के मंत्री पुरेंद्र कुमार शर्मा ने फोन पर बताया कि कमेटी की सहमति से वह जमीन नॉनवेज साल कॉलेज फूड फॉर प्लाजा के संचालक संतोष कुमार के पुत्र श्रेयश सिंह के नाम पट्टे पर दी गई है। उधर, लोगों का यह भी है कि खादी ग्रामोद्योग के कुछ पदाधिकारी इस पूरे मामले में संलिप्त हैं और अपने पद का दुरुपयोग करते हुए इस कथित अवैध पट्टे को संभव बनाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि खादी विभाग के लोगों ने नियम-कानून को ताक पर रखकर जमीन को हस्तांतरित कराने की भूमिका निभाई है।

नया टोला के कई ग्रामीणों ने इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री को आवेदन देकर उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने 99 साल के संभावित पट्टे को रद करने की भी मांग की है।

हथियार के साथ चार धराये

हाजीपुर। बिहार पुलिस और बिहार एसटीएफ की टीम ने वैशाली में बड़ी कार्रवाई करते हुए आभूषण दुकान लूट की साजिश रच रहे चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार बदमाशों में रानित राय उर्फ बुल्ला, विक्रम कुमार, प्रकाश कुमार और मनोज कुमार शामिल हैं। सभी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच देसी कट्टा, एक पिस्टल, एक मैगजीन, एक कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह वैशाली में किसी बड़ी आभूषण दुकान को निशाना बनाने वाला था। इसके लिए पहले से रेकी भी की जा चुकी थी।

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह ने उड़ीसा में भी ज्वेलरी दुकानों की रेकी की थी और बड़े स्तर पर लूट की योजना बना रहा था।

बरामद मोबाइल फोन में हथियारों की तस्वीरें और रेकी से जुड़े वीडियो मिले हैं, जो तस्करी और साजिश के पुख्ता सबूत माने जा रहे हैं।

पप्पू यादव ने खोली नेताओं की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद पप्पू यादव ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक 2026 पर चर्चा के दौरान संसद में बेहद तल्ख रुख अपना रखे हैं। उन्होंने राजनीतिक बिरादरी पर गंभीर नैतिक सवाल उठाते हुए दावा किया कि यौन शोषण के मामलों और पोर्न (अश्लील केंटेंट) देखने की दौड़ में नेता सबसे आगे हैं। उनके इन बयानों के दौरान सदन में कई बार 'शेम-शेम' के नारे गूंजे।

पप्पू यादव ने सांसदों और नेताओं की छवि पर सीधा हमला करते हुए कुछ चौंकाने वाले दावे किए। उन्होंने दावा किया कि 755 सांसदों पर यौन शोषण के आरोप हैं और 155 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल है।पप्पू यादव ने कहा, ₹भारत में यौन शोषण के मामलों में पहले नंबर पर नेता हैं, दूसरे पर बाबा और फिर पदाधिकारी आते हैं। हमाम में हम सब नंगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि गूगल पर सबसे ज्यादा पोर्न देखने की आदत भी नेताओं की ही है। वहीं, महिला आरक्षण बिल का विरोध करते हुए पप्पू यादव ने इसे पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक साजिश करार दिया। मनुवादियों ने कभी अहिल्या, कौशल्या या सावित्री बाई फुले का सम्मान नहीं किया। जिन्होंने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक आजादी नहीं दी, आज वे आरक्षण की बात कर रहे हैं।

उन्होंने मांग की कि आरक्षण के भीतर ओबीसी, ईबीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सांसद ने समाज के विभिन्न वर्गों में महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि सिनेमा, मीडिया और फैशन जैसे क्षेत्रों में 80% तक महिलाओं का शोषण होता है।

सुकन्या समृद्धि योजना के नाम पर साइबर ठगी

एक महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। धनसोई थाना क्षेत्र की सिमरिया निवासी ममता कुमारी को पुलिस ने एक बार फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ममता ने सुकन्या समृद्धि योजना के नाम पर धनसोई और आसपास की महिलाओं और लड़कियों को शिकार बनाते हुए उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए और उन खातों से करोड़ों रुपये का ट्रांजेक्शन किया। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है।

जब यह मामला सामने आया, तो साइबर पुलिस सक्रिय हो गई और डीएसपी अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक संजय कुमार सिंह और एसआई श्रीकांत कुमार की टीम का गठन किया गया। जिन 80 महिलाओं के नाम पर खाते खोले गए थे, उन्हें जब अन्य जिलों में हुए साइबर अपराध के संबंध में नोटिस मिलने लगे, तब उनकी चिंता बढ़ गई।

इसी दौरान, ममता कुमारी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। सूचना मिलने पर धनसोई पुलिस ने उसे ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराकर थाने ले गई और साइबर पुलिस को सौंप दिया।

साइबर थाना के एसआई श्रीकांत कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ममता कुमारी गांवों में जाकर महिलाओं और लड़कियों को शादी के समय 50 हजार रुपये और बर्तन आदि का लालच देकर सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जीरो बैलेंस पर खाते खुलवाती थी।

इसके साथ ही, वह सभी खाताधारकों का पासबुक अपने पास रखती थी और एटीएम कार्ड जारी कराते हुए नया सिम कार्ड भी ले लेती थी। हालांकि, साइबर पुलिस ने यह भी बताया कि ममता के पास न तो कोई बैंक खाता मिला और न ही कोई एटीएम कार्ड। सभी खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड वह साइबर अपराधियों के गिरोह को सौंप देती थी।

गिरोह के अन्य सदस्य इन सिम कार्ड के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध का शिकार बनाते थे और पैसे महिलाओं के खातों में भेजने के बाद एटीएम के माध्यम से निकाल लेते थे। इस मामले में ममता कुमारी के अलावा एक अन्य महिला को भी नामजद किया गया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी जारी है। विस्तृत पूछताछ के बाद ममता कुमारी को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि 2024 में भी ममता ने धनसोई क्षेत्र की करीब डेढ़ सौ महिलाओं का इसी तरह बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगी की थी। जेल से छूटने के बाद वह फिर से पुराने धंधे में लग गई है।

CMYK

मधुबनी से 'मेड इन बिहार' की नई पहचान गढ़ रहा 'सावी ग्लोबल'

12 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मधुबनी चित्रकला के लिए विश्वभर में पहचान रखने वाला मधुबनी अब एक नए औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की कहानी लिख रहा है। सावी ग्लोबल फैशन प्राइवेट लिमिटेड की टेक्सटाइल और लेदर निर्माण इकाई का हालिया उद्घाटन इस बदलाव का प्रतीक है। यह केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि बिहार की बदलती आर्थिक सोच, बढ़ते आत्मविश्वास और नए अवसरों की बुनियाद है। हाल ही में सावी ग्लोबल फैशन की टेक्सटाइल्स एवं लेदर फैक्ट्री का उद्घाटन किया गया। 300 करोड़ के निवेश से स्थापित यह इकाई औद्योगिक क्षेत्र, पंडौल में 13.27 एकड़ में फैली है जिसमें लगभग 6.65 एकड़ का निर्मित क्षेत्र शामिल है। यहां तैयार होने वाले टेक्सटाइल परिधान, लेदर उत्पाद और जूते न केवल घरेलू बाजार की मांग को पूरा करेंगे, बल्कि बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं इडा, कुंदन कुमार ने कहा सावी ग्लोबल की यह इकाई बिहार में 'मेड इन बिहार' ब्रांड को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण, बेहतर आधारभूत संरचना और तेजी से अनुमोदन की प्रक्रिया सुनिश्चित कर रही है। मधुबनी जैसे जिलों में इस तरह के निवेश न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करेंगे, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के माध्यम से राज्य के समावेशी विकास को भी गति देंगे। इस परियोजना की असली ताकत इसके उत्पादन से कहीं अधिक, इसके प्रभाव में छिपी है। पूर्ण क्षमता पर लगभग 12,000 लोगों को रोजगार देने वाली यह यूनिट हजारों परिवारों के जीवन में स्थिरता और आय का नया आधार बनेगी। भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जिससे यह साफ है कि उद्योग अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर उतर चुका है।

डॉ. प्रेम कुमार ने स्व गणना में किया पंजीकरण, नागरिकों से भागीदारी की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने सरकारी आवास स्थित आवासीय कार्यालय में स्व गणना अभियान के तहत स्वयं को पंजीकृत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्व गणना समाज के प्रत्येक वर्ग की वास्तविक स्थिति को समझने और योजनाओं को प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से आम नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर शासन-प्रशासन को सटीक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध करा सकेंगे जिससे विकास योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंचाना और अधिक सुगम होगा। डॉ. प्रेम कुमार ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्व गणना को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में इस प्रकार की पहल पारदर्शिता और सहभागिता को बढ़ावा देती है और इससे सरकार तथा जनता के बीच संवाद मजबूत होता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्व गणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हरिवंश के उपसभापति चुने जाने पर डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

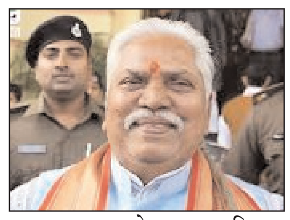

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने हरिवंश को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हरिवंश की पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रही है और उनका सार्वजनिक जीवन सादगी, सत्यनिष्ठा तथा समर्पण का उदाहरण है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वर्ष 2018 में पहली बार और वर्ष 2020 में दूसरी बार राज्यसभा के उपसभापति पद पर निर्वाचित होने के बाद अब तीसरी बार इस पद पर उनका निर्विरोध चयन यह दर्शाता है कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और निष्पक्षता पर सदन का अटूट विश्वास है।

नारी विरोधी विपक्ष का घिनौना चेहरा देश के सामने : मैथिली ठाकुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

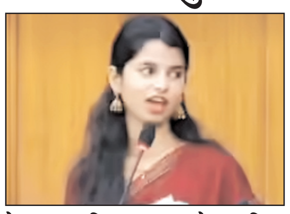

पटना। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर हुई वोटिंग (पक्ष में 298, विरोध में 230) ने विपक्ष की नारी विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। यह स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ एक राजनीतिक नारा है, वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं। विधायक मैथिली ठाकुर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा महिला आरक्षण बिल का विरोध करना देश की आधी आबादी के अधिकारों पर सीधा और खुला हमला है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग नारी सम्मान की बात करते हैं, वही संसद में महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, लेकिन विपक्ष हमेशा ऐसे प्रयासों में बाधा डालता रहा है। मैथिली ठाकुर ने आगे कहा विपक्ष का असली चेहरा अब देश की हर महिला के सामने आ चुका है। यह केवल सत्ता की राजनीति करने वाले लोग हैं जिन्हें महिलाओं के अधिकारों और उनके भविष्य की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी।

पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक ने फ्रेट कॉरिडोर कनेक्टिविटी, रनिंग रूम एवं क्रू लॉबी का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा श्रमजीवी एक्सप्रेस से पटना-डीडीयू रेलखंड विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के मध्य स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक सहित संरक्षा से जुड़े पहलुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया। इसके उपरांत उन्होंने डीडीयू जंक्शन से परख निरीक्षण यान द्वारा चल निरीक्षण प्रारंभ किया गया। महाप्रबंधक द्वारा डीडीयू जंक्शन से चुनार तक भारतीय रेल के पारंपरिक रेलमार्ग पर तथा इसके उपरांत चुनार से न्यू डगमगपुर स्टेशन तक पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेलखंड का निरीक्षण किया गया तथा वहां से वापसी में भी फ्रेट कॉरिडोर लाइन से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मार्ग पर उपलब्ध रेल अवसंरचना, ट्रैक, सिग्नल व्यवस्था एवं परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही डीडीयू क्षेत्र से विभिन्न स्थानों पर भारतीय रेल एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के मध्य कनेक्टिविटी, लिंक व्यवस्था तथा समन्वित परिचालन से जुड़े पहलुओं का भी जायजा लिया गया। डीडीयू जंक्शन क्षेत्र से पटना दिशा की ओर गुजरने वाली प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी लाइन के एलाइनमेंट तथा संबंधित कार्यों को लेकर भी जायजा लिया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक ने न्यू डीडीयू जंक्शन स्थित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के नवनिर्मित रनिंग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान रनिंग स्टाफ हेतु उपलब्ध विश्राम कक्ष, स्वच्छ आवासीय व्यवस्था, भोजन कक्ष तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही न्यू डीडीयू जंक्शन स्थित क्रू लॉबी का भी निरीक्षण कर वहां की कार्य प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक द्वारा न्यू डीडीयू जंक्शन से न्यू गंजख्वाजा तक फ्रेट कॉरिडोर लाइन से निरीक्षण किया गया तथा वहां से भारतीय रेल के पारंपरिक ट्रैक से डीडीयू जंक्शन तक रेलखंड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीडीयू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना सहित मंडल के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को मिलेगा समय पर भुगतान, गेहूं-मसूर खरीद में सरकार सख्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रबी विपणन मौसम 2026-27 के अंतर्गत गेहूं एवं मसूर अधिप्राप्ति (खरीदारी) की प्रगति की समीक्षा के लिए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित विकेन्द्रीकृत अधिप्राप्ति योजना के तहत गेहूं अधिप्राप्ति तथा प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत मसूर अधिप्राप्ति की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव ने निर्देश दिया कि अधिप्राप्ति कार्य में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं किसानों को त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान गन्नी बैग्स की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिप्राप्ति केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में गन्नी बैग्स उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि भंडारण एवं परिवहन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त गुणवत्ता नियंत्रण के लिए आवश्यक कर्मियों की प्रतिनियुक्ति पर भी चर्चा की गई। सचिव ने निर्देश दिया कि अधिप्राप्ति केंद्रों पर गुणवत्ता जांच की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि राज्य सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा एवं उन्हें उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। बैठक में सहकारिता विभाग के निबंधक, सहयोग समितियां, रजनीश कुमार सिंह, बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार, बिस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह समेत कई अन्य मौजूद थे।

19 अप्रैल को हाजीपुर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होंगे शिक्षाविद डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर/वैशाली। प्रतिभा सम्मान सह नारायणी सम्मान समारोह का आयोजन 19 अप्रैल (रविवार) को रॉयल पैलेस, लालगंज रोड, हाजीपुर में दोपहर 2:00 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन निरमल इंडिया न्यूज द्वारा कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी के सहयोग से तथा 'लेटस इंसपायर बिहार' पहल के समर्थन में किया जा रहा है। इस अवसर पर आईपीएस अधिकारी विकास वैभव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. आनंद रंजन झा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे जिससे इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया है। डॉ. आनंद रंजन झा ने बिहार में शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। अपनी संस्था के माध्यम से उन्होंने हजारों युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया है। उनके इस योगदान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है जिनमें इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, आइकन ऑफ भारत अवार्ड, इंटरनेशनल टीचर एक्सीलेंस अवार्ड, भारत गौरव सम्मान, भारत रत्न आइकॉनिक अचिवर्स अवार्ड, नैशनल प्राइड एंड एक्सीलेंस अवार्ड, राष्ट्रीय सेवा सम्मान, राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान तथा पद्मश्री ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड 2025 शामिल हैं। आयोजकों के अनुसार इस समारोह में शिक्षा, सामाजिक सेवा, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा युवाओं को प्रेरित करना है।

होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. बी.एम. प्रसाद को स्नातकोत्तर (पीजी) की मिली उपाधि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर यूनाइटेड किंगडम की संसद हाउस ऑफ लॉर्ड्स में आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय दीक्षांत समारोह में पटना के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक प्रोफेसर डॉ. बी.एम. प्रसाद को स्नातकोत्तर (पीजी) की उपाधि प्रदान की गई। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ वे अब डबल पीजी हो गए हैं जो न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम और समर्पण का परिणाम है, बल्कि बिहार और पूरे देश के लिए भी गर्व का विषय है। इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में विभिन्न देशों के प्रमुख होम्योपैथिक विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया जहां डॉ. प्रसाद ने ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों पर आधारित अपनी महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने शोध में बच्चों के केस स्टडी को सरल, स्पष्ट और प्रमाणिक तरीके से प्रस्तुत किया जिससे यह स्पष्ट हुआ कि समय पर पहचान, सही उपचार और नियमित देखभाल के माध्यम से बच्चों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

पटना में सजा अंतरराष्ट्रीय व्यापार का भव्य मंच, इंडिया ग्लोबल ग्रैंड ट्रेड फेयर का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के ज्ञान भवन में इंडिया ग्लोबल ग्रैंड ट्रेड फेयर का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी कुमारी एवं मेले के आयोजक चंदन चटर्जी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर महापौर सीता साहू ने कहा ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों का आयोजन पटना जैसे शहर के लिए गर्व की बात है। इससे न केवल स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलता है, बल्कि बिहार में निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। इंडिया ग्लोबल ग्रैंड ट्रेड फेयर का आयोजन भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स (कोलकाता) एवं सीसीजी मार्केटिंग एंड सर्विसेज (कोलकाता) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। मेले में ईरान, सऊदी अरब, बांग्लादेश, दुबई, अफगानिस्तान, नाइजीरिया, कुवैत एवं जर्मनी सहित कई देशों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों की भी व्यापक भागीदारी देखने को मिल रही है। मेले में विभिन्न देशों के विशेष उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं जिनमें अफगानिस्तान के ड्राई फ्रूट्स, दुबई के परफ्यूम तथा ईरान के ड्राई फ्रूट्स एवं ज्वेलरी प्रमुख

शिक्षा विभाग का आदेश, सभी प्रखंडों के मॉडल स्कूलों में नामांकन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्रखंडों में चयनित मॉडल विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया है। विदित हो कि राज्य सरकार के आदेश पर 'उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य' के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में एक-एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इस क्रम में कक्षा 9 में नामांकन लिया जाएगा तथा पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं मेरिट आधारित बनाया गया है। नामांकन हेतु चयन प्रक्रिया एनएमएमएस परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर की जाएगी जिसमें न्यूनतम 50 फीसदी अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्राप्त अंकों के अवरोही क्रम में मेधा सूची तैयार कर प्रत्येक मॉडल विद्यालय में कक्षा 9 के लिए न्यूनतम 40 सीटों पर नामांकन किया जाएगा। यदि एनएमएमएस उत्तीर्ण छात्रों की संख्या कम होती है तो कक्षा 8 के अंकों के आधार पर अन्य इच्छुक छात्रों को भी अवसर प्रदान किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा लिया जाएगा।

सृजन साथी जनसंपर्क अभियान की शुरुआत

डिजिटल सिस्टम से जमीनी कार्यकर्ताओं को सीधे नेतृत्व से जोड़ेगी बिहार कांग्रेस : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से 'सृजन साथी जनसंपर्क अभियान' नामक विशेष डिजिटल ड्राइव की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य पार्टी के नेतृत्व और सांगठनिक पदों को सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं और आम जनता से जोड़ना है, ताकि संगठनात्मक ढांचा अधिक सशक्त और लोकतांत्रिक बन सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि इस अभियान के तहत इच्छुक लोग 'सृजन साथी' के रूप में पंजीकरण कर कांग्रेस की विचारधारा और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़ सकेंगे। सृजन साथी बनने के लिए आवेदक का बिहार का पंजीकृत मतदाता होना और उसकी आयु न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक किसी अन्य राजनीतिक दल का सदस्य नहीं होना चाहिए तथा पार्टी के संविधान और विचारधारा में उसका पूर्ण विश्वास होना चाहिए। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए वैध वोटर आईडी और एक ताजा लाइव फोटो अनिवार्य होगा। इस जनसंपर्क अभियान के तहत 50 का शुल्क निर्धारित किया गया है जिसकी वैधता सामान्यतः 5 वर्ष तक रहेगी। राजेश राम ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी ने संगठनात्मक पदों के लिए भी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसके तहत बिहार के सभी 53 सांगठनिक जिलों के जिला अध्यक्षों को अभियान की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। प्रत्येक जिला अध्यक्ष को स्वयं 2,000 सृजन साथी बनाने होंगे और अपने जिले में ब्लॉक एवं प्रदेश स्तर के दावेदारों द्वारा तय लक्ष्यों की निगरानी करनी होगी। इसी प्रकार ब्लॉक अध्यक्ष पद के दावेदारों के लिए कम से कम 200 सृजन साथी बनाना अनिवार्य किया गया है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 15 हजार से ज्यादा जल निकाय बनाए, 15 लाख परिवारों को मिली जल सुरक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एचडीएफसी बैंक के मुख्य कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी कार्यक्रम, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने घोषणा की है कि उसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से ज्यादा जल निकायें बनाए हैं और उनकी मरम्मत की है। ये निकायें 10,430 से ज्यादा गांवों में फैले हैं और इनसे 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है। इसके स्वास्थ्य और स्वच्छता स्तंभ के तहत 950 से ज्यादा गांवों को सामुदायिक शुद्धिकरण प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल भी उपलब्ध कराया गया है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड, नुसरत पठान ने इस मौके पर बोलते हुए कहा एचडीएफसी बैंक परिवर्तन में हमने समुदायों तक पहुंचने और उनकी जरूरतों को पूरा करने का काम किया है, चाहे पहाड़ों में 'आइस स्तूप' बनाना हो या उन गांवों में पानी शुद्ध करने वाले प्लांट लगाना हो जहां पहले कभी साफ नल का पानी नहीं पहुंचा था। 'परिवर्तन' के जरिए हमारा काम वाटरशेड डेवलपमेंट, बारिश के पानी को जमा करना, जल निकायों का निर्माण और उन्हें फिर से जीवित करना, आखिरी छोर तक सिंचाई का इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचाना और पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को बढ़ावा देना है।

तकनीकी अपग्रेड से बदला सहकारी बैंकिंग का चेहरा, बीएससीबी अब पूरी तरह आधुनिक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य सहकारी बैंक ने राज्य के सहकारी बैंकिंग तंत्र को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। बैंक द्वारा अत्याधुनिक फिनाकल 10.25 प्लेटफॉर्म पर सफलतापूर्वक माइग्रेशन पूर्ण कर लिया गया है। इसके बाद यह देश के अग्रणी वाणिज्यिक बैंकों के समकक्ष तकनीकी क्षमता प्राप्त कर चुका है। विशेष रूप से यह माइग्रेशन शून्य माइग्रेशन बैलेंस के साथ अत्यंत सुव्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से संपन्न किया गया है जो बैंक की तकनीकी दक्षता एवं सुनियोजित कार्यप्रणाली को बताता है। इस व्यापक तकनीकी अपग्रेड के बाद राज्य के सभी ग्राहकों तथा जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के खातों को एकीकृत करते हुए प्रत्येक ग्राहक को यूनिक खाता संख्या प्रदान की गई है। इससे बैंकिंग सेवाओं में पारदर्शिता, सटीकता एवं सुगमता सुनिश्चित होगी, जो कि भविष्य में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार का माध्यम बनेगा। बैंकिंग संचालन में एकरूपता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनरल लेजर कोड एवं ट्रायल बैलेंस का व्यापक मानकीकरण किया गया है। इससे लेखा प्रणाली अधिक सुदृढ़, त्रुटिरहित एवं ऑडिट के अनुकूल बनी है जिससे वित्तीय प्रबंधन में गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त बैंक की तरफ से आधुनिक तकनीकी समाधानों को अपनाते हुए एचआरएमएस, एएमएल सॉल्यूशन, लोन मैनेजमेंट सिस्टम, जीएसटी मॉड्यूल तथा आईसीसीसी जैसे अत्याधुनिक एप्लिकेशन का सफल परीक्षण कर उन्हें पूरी तरह से क्रियाशील कर दिया गया है।

इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में दिल के मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी, तीसरा कैथलैब जल्द होगा शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में हृदय रोगियों के इलाज के लिए विख्यात इंदिरा गांधी हृदय संस्थान में एक और बड़ी सुविधा शुरु होने जा रही है। अस्पताल में मरीजों के त्वरित उपचार के लिए तीसरा कैथलैब का निर्माण किया जा रहा है जिससे मरीजों को अब हृदय संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी। इस विषय पर जानकारी देते हुए अस्पताल के लोक सूचना अधिकारी डॉ अमिताभ ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए तीसरा कैथलैब का निर्माण करने की योजना बनायी जा रही है। फिलहाल कैथलैब के निर्माण के लिए बीएमएसआइसीएल ने प्रक्रिया चालू कर दी है। उम्मीद है कि इसी साल जून-जुलाई महीने से यह सुविधा शुरू कर दी जायेगी। सूचना अधिकारी डॉ अमिताभ ने बताया कि बीते एक साल में 1 लाख मरीजों ने ओपीडी में एवं लगभग 14600 मरीजों ने इमरजेंसी में हृदय का उपचार करवाया है। अस्पताल में इलाज के लिए बिहार के अलावा अन्य राज्य के भी मरीज आते हैं। बता दें कि अस्पताल में पहले से दो एडवांस कैथलैब मौजूद है।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नये नियम के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संपूर्ण भारत देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 1 अप्रैल से लागू थे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026 के प्रति सभी संबंधित हितधारकों में जागरूकता अभिवर्धित करने व उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम कई चरणों में चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद मई माह में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर सभी नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जायेगा। इसी कड़ी में आज प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में राज्य के पटना एवं जहानाबाद जिलों के मुखिया सहित पंचायत स्तर तक के संबंधित पदाधिकारी तथा प्रखंड समन्वयक एवं अन्य के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में कुल 1335 प्रतिभागी जुड़े रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. डीके. शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि इस नियमावली, 2026 को नियमावली, 2016 के स्थान पर अधिसूचित किया गया है जो 1 अप्रैल से लागू है। नियमावली 2026 बुनियादी कचरा संग्रहण से हटकर डेटा संचालित, सख्त कानूनी जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। इसका उद्देश्य कचरा को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित कर चक्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। नये नियमावली में ठोस अपशिष्ट का चार स्तरीय पृथक्करण स्रोत पर ही किया जाना अनिवार्य किया गया है। थोक कचरा उत्पादकों की जवाबदेही तय की गई है। थोक कचरा उत्पादक को 100 प्रतिशत गीले कचरे का स्थल पर ही प्रसंस्करण करना होगा अन्यथा विस्तारित उत्पादक प्रमाण प्राप्त करना होगा। थोक अपशिष्ट उत्पादकों को विभिन्न मानदंडों यथा फ्लोर एरिया प्रतिदिन, कचड़ा उत्पादन 100 प्रतिदिन और जल की खपत 2 40,000 लीटर प्रतिदिन के आधार पर चिन्हित किया गया है।

संपादकीय

महंगाई -बढ़ते दामों के बीच आम आदमी की जेब पर दोहरी मार

यह बात छिपी नहीं है कि देश में सामाजिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। रोजगार और आय के मामले में देश की बड़ी आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। यह विचित्र बात है कि एक ओर सरकार महंगाई को नियंत्रण में रखने का दावा करती है, तो दूसरी ओर आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी पर जरूरी खर्च में कटौती और आर्थिक परेशानियों के रूप में देखने को मिल रहा है। जब आय के साधन सीमित हों, तो आम आदमी की यही अपेक्षा होती है कि जरूरी वस्तुओं के दाम उसकी पहुंच में हों, ताकि परिवार के भरण-पोषण का संकट पैदा न हो।मगर हाल के वर्षों में आमदनी उस स्तर पर नहीं बढ़ी है, जितनी तेजी से वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई मार्च में बढ़कर 3.4 फीसद हो गई, जबकि फरवरी में यह 3.2 फीसद के स्तर पर थी। खबरों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न संकट के कारण खुदरा महंगाई में वृद्धि हुई है। मगर सवाल है कि अगर सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित या स्थिर करने के लिए उचित कदम उठा रही है, तो फिर महंगाई में उछाल कैसे आ रहा है?यह बात छिपी नहीं है कि देश में सामाजिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। रोजगार और आय के मामले में देश की बड़ी आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। आमदनी में स्थिरता और घटती क्रयशक्ति की स्थिति में जब आवश्यक वस्तुओं पर आम लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उनके लिए परेशानियां पैदा होना स्वाभाविक है। दरअसल, मार्च में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा रहा।खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि उपभोक्ताओं की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। यही कारण है कि रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते वक्त खुदरा महंगाई को ही आधार बनाता है। सरकार का दावा है कि खुदरा महंगाई अभी रिजर्व बैंक के चार फीसद के औसत अनुमान से नीचे बनी हुई है। मगर, यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर महंगाई दर चार फीसद के दायरे से ऊपर जाती है, तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है।आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च में फरवरी की तुलना में महंगाई दर का बढ़ना पश्चिम एशियाई संकट के शुरुआती प्रभाव का संकेत है। यानी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध का मोर्चा फिर से खुलता है और यह स्थिति लंबे समय तक रहती है, तो आवश्यक वस्तुओं के दाम किस तेजी से बढ़ेंगे, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में आलू-प्याज और कुछ दालों की कीमतों की महंगाई दर घटी है, लेकिन सोने-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी के दामों में भारी बढ़ोतरी हुई।बिजली, गैस और अन्य ईंधन श्रेणी में खुदरा महंगाई मार्च में 1.65 फीसद रही, जबकि फरवरी में यह 1.52 फीसद के स्तर पर थी। यानी आम लोगों के लिए राहत कम और मुश्किलें ज्यादा बढ़ी हैं। यही नहीं, शहरी इलाकों में 3.11 फीसद की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 3.63 फीसदी रही, जहां रोजगार और आय के साधन सीमित होते हैं। ऐसे में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर सरकार ने महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस उपाय नहीं किए, तो आने वाले दिनों में यह संकट और ज्यादा गहराएगा।

फांसी जैसी सजा से ही रुकेंगी पुलिस हिरासत में मौतें

देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सज़ा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात क़रीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई।

(योगेंद्र योगी)

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं।

देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सज़ा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात क़रीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफ के लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी।

पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है। जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश के बिलाखेड़ी निवासी युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। पुलिस ने 8 लाख रुपये की कथित चोरी के आरोप में उसे हिरासत में लिया था। हिरासत में मौत के बाद उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 मई को सीबीआई जांच का आदेश जारी हुआ। इस जांच के सिलसिले में एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि हिरासत में हुई मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाने वाले दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अभी भी फरार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। 4 सितंबर को दिए गए अपने आदेश का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत में हुई मौतों की रिपोर्ट सामने आई है।कोर्ट ने कहा कि इससे साफ़ है कि हिरासत में अत्याचार कम होने के बजाय जारी हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र की ओर से थानों में सीसीटीवी को लेकर मांगी गई रिपोर्ट न सौंपने पर कड़ी नाराज़गी जताई थी। केंद्र सरकार ने एक भी रिपोर्ट जमा नहीं की। जस्टिस नाथ ने इस पर कड़ा एतराज़ जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार अदालत के आदेशों को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने पूछा, केंद्र सरकार अदालत को बहुत हल्के में ले रही है, क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच भारत में हिरासत में 11,650 मौतें हुईं। अकेले उत्तर प्रदेश में 2,630 हिरासत में मृत्युएँ दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के 2023 के विश्लेषण से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच, हिरासत में हुई मृत्युओं के संबंध में देश भर में केवल 345 मजिस्ट्रियल जाँच के आदेश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप केवल 123 गिरफ्तारियाँ हुईं। एनएचआरसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1996 और 2018 के बीच हिरासत में हुई 71 प्रतिशत मौतें गरीब या कमज़ोर पृष्ठभूमि के बंदियों की थीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1997 के फैसले में गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित किए थे। जिसके तहत रिश्तेदारों को सूचित करना, गिरफ्तारी ज्ञापन रखना, चिकित्सा परीक्षण, कानूनी परामर्श, 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना अनिवार्य था। इन दिशा–निर्देशों को अनुच्छेद 141 के अंतर्गत प्रवर्तनीय कानून माना जाता है। न्यायालय का यह आदेश कहीं धूल फांक रहा है। न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में गठित भारतीय विधि आयोग ने 30 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद को सौंपी गई अपनी 273 वीं रिपोर्ट में केंद्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ के यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि करने और यातना निवारण कानून लागू करने की सिफारिश की थी।

आयोग ने यातना निवारण के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट में यातना निवारण विधेयक के अलावा विधि आयोग ने यातना उन्मूलन के उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दिया था। रिपोर्ट में यातना के खतरे को कम करने और यातना के कृत्यों पर रोक लगाने और ऐसे कृत्यों के अपराधियों के लिए कठोर दंड की सिफारिश की गई। इस रिपोर्ट के साथ संलग्न विधेयक के मसौदे में आजीवन कारावास और जुर्माने तक के दंड का प्रावधान था। आयोग ने न्यायसंगत मुआवजे का निर्णय न्यायालयों पर छोड़ दिया। इसके अलावा, आयोग ने यातना पीड़ितों, शिकायतकर्ताओं और यातना के मामलों के गवाहों को संभावित खतरों, हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश भी की गई थी।

1997 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि नहीं की। इसकी पुष्टि करने का अर्थ यह होता कि भारत को यातना निवारण विधेयक पारित करना होगा, जिसे पहली बार 2010 में यूपीए द्वितीय सरकार द्वारा पेश किया गया था। इसमें किसी लोक सेवक द्वारा या लोक सेवक की सहमति से ऐसा कृत्य, जिससे गंभीर चोट पहुंचे या जीवन, अंग या स्वास्थ्य (मानसिक या शारीरिक) को खतरा हो। इसमें जबरन कबूलनामा करवाने के उद्देश्य से, या धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, समुदाय या किसी अन्य आधार पर दंडित करने के लिए दी गई यातना के लिए न्यूनतम 3 वर्ष की सजा का प्रस्ताव था, जिसे 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। विधेयक आज तक कानून नहीं बन पाया।

इससे साफ जाहिर है जो भी दल सत्ता में आता है, वह देश के मौजदा पुलिस सिस्टम में बदलाव नहीं करना चाहता। कारण साफ है यदि ऐसे कानून बन जाएंगे तो पुलिस अधिकारी नेताओं के इशारे पर नहीं नाचेंगे। जब नाचेंगे नहीं तो नेताओं के मौखिक तौर पर गैर कानूनी काम कैसे होंगे। यही वजह रही है कि केंद्र ने हाल ही में दंड संहिता को न्याय संहिता का नाम दे दिया है। इसमें पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। पुलिस अफसरों को लापरवाही बरतने और सही तरीके से ड्यूटी को अंजाम नहीं देने पर जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं किया गया। पुलिस हिरासत में मौतों का इस कानून में जिक्र तक नहीं किया गया। उल्टे पुलिस हिरासत में जब–जब मौतों का मामला सामने आता है, सरकार और पुलिस अफसर उसके रफा दफा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सत्तारुढ राजनीतिक दलों की मिलीभगत का ही परिणाम है कि आज 21वीं सदी में भी भारत में पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें आदिम युग की याद दिलाती हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम?

(उमेश चतुर्वेदी)

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं।

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। भारत खबर अपडेट

मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी।

क्या नोएडा मजदूर हिंसक आंदोलन के लिए औद्योगिक, प्रशासनिक व राजनीतिक सांठगांठ जिम्मेदार है?

आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योगपतियों की मिलीभगत से किस कदर श्रमजीवी मजदूरों का शोषण अनवरत रूप से जारी रहता है और फिर एक दिन नोएडा मजदूर आंदोलन के शक्ल में फूट पड़ता है, इसका यह ताजा उदाहरण है। इसी प्रवृति से नई आर्थिक नीति विफलता के कगार पर खड़ी है। नीति निर्माण में नेताओं/नौकरशाहों ने जो पक्षपात दिखाया है, वह सभी समस्याओं की जड़ है। यक्ष प्रश्न यह कि जिस देश में महंगी शिक्षा, महंगा स्वास्थ्य और खर्चीला शहरी जीवन का बोलबाला हो, वहां पर निजी क्षेत्र के असमान वेतन स्तर के लिए हमारे नीति निर्माता जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है, वही बताएं।

(कमलेश पांडे)

आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है।

हमारे देश के राजनेता भले ही चुनावों के दौरान दलित-महादलित-आदिवासी, ओबीसी-ईबीसी, अल्पसंख्यक-पसमांदा और गरीब सवर्ण आदि से जुड़े सामाजिक न्याय सम्बन्धी तरह-तरह की बातें करते हैं, ममनगढ़ंत आंकड़े गिनाते/बताते हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे श्रमजीवियों का अंतहीन शोषण होता रहता है, जिससे उनका मुंह फेरे रहना या फिर किसी बड़े आंदोलन के बाद सक्रिय होना उनके नेतृत्वकारी भूमिका पर सवाल उठाता है।

आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योगपतियों की मिलीभगत से किस कदर श्रमजीवी मजदूरों का शोषण अनवरत रूप से जारी रहता है और फिर एक दिन नोएडा मजदूर आंदोलन के शक्ल में फूट पड़ता है, इसका यह ताजा उदाहरण है। इसी प्रवृति से नई आर्थिक नीति विफलता के कगार पर खड़ी है। नीति निर्माण में नेताओं/नौकरशाहों ने जो पक्षपात दिखाया है, वह सभी समस्याओं की जड़ है।

यक्ष प्रश्न यह कि जिस देश में महंगी शिक्षा, महंगा स्वास्थ्य और खर्चीला शहरी जीवन का बोलबाला हो, वहां पर निजी क्षेत्र के असमान वेतन स्तर के लिए हमारे नीति निर्माता जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है, वही बताएं। विपक्ष का काम संसद में, विधान मंडल में इन्हीं पहलुओं पर तर्कसंगत बहस करना है, लेकिन वह भी नीतिगत नकारापन का शानदार नमूना बन चुका है। दिलचस्प तो यह कि पहले सत्ताधारी यूपीए के वक्त एनडीए विपक्ष में था और अब सत्ताधारी एनडीए के वक्त यूपीए/इंडिया गठबंधन विपक्ष में है।

चूंकि दोनों पूंजीवादी गठबंधन हैं और अपने आर्थिक मोहपाश में जनोन्मुखी समाजवादी व वामपंथी सियासत को बांध चुके हैं, जिससे सबकुछ गड्डमड्ड हो चुका है। कहीं जातिवाद, कहीं क्षेत्रवाद और कहीं सम्प्रदायवाद के नाम पर परस्पर बंटी हुई जनता को अपनी मौलिक जरूरतों का एहसास ही नहीं है।

काबिलेगौर है कि शहरों/महानगरों या गांवों में जो आमतौर पर वेतन स्ट्रक्चर होता है, उससे कोई युवा या वयस्क अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का सम्यक निर्वहन कर सकता है क्या? जवाब होगा- संभव नहीं ! कोढ़ में खाज यह कि तरह तरह के मित्रों- शिक्षा मित्र, स्वास्थ्य मित्र आदि के मार्फ़त सरकारी क्षेत्र भी इन्हीं पूंजीवादी मानसिकता को तरजीह देता आया है, जिस पर उदार हृदय से बहस करने और भारतीयों के जीवन स्तर को सुधारने की जरूरत है।

सवाल है कि जिन शहरों में फ्लैट्स या जमीन की कृत्रिम कीमतें आसमान छूती हों, वहां के दिहाड़ी मजदूरों की मजदूरी, अंशकालिक/पूर्णकालिक श्रमिकों के वेतनमान, और भारतीय कानूनों से अधिकारियों/उद्योगपतियों के खिलवाड़ से पूरी श्रम व्यवस्था विस्फोटक कगार पर खड़ी है। शहरों में बढ़ता झुग्गी-झोपड़ी कल्चर किसी नैतिक महामारी जैसा प्रतीत होता है।

सुलगता सवाल है कि निजी क्षेत्र में कितने लोगों को नियुक्ति पत्र, पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, सामूहिक स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और पेंशन आदि की सुविधाएं निजी कम्पनियों में मिलती है। प्रोपर्टी इंडस्ट्री की तरह आधा ब्लैक सैलरी और आधा व्हाइट सैलरी वाली आंखों में धूल झोंकने वाली व्यवस्था से खुफिया तंत्र अनजान क्यों है? सरकारी क्षेत्रों की तरह आवासीय सुविधाओं से निजी क्षेत्र के श्रमिकों को वंचित क्यों रखा जाता है? नौकरी बाजार में श्रम ठेकेदार पैदा करने से किसके हित सधते हैं? सवाल अनेक हैं, लेकिन उत्तर एक- राजनीतिक, प्रशासनिक और औद्योगिक सांठगांठ से जारी नीतिगत भ्रष्टाचार एक लाइलाज बीमारी है, जो किसी बड़ी जनक्रांति के बाद ही करवट लेगी।

जरा कल्पना कीजिए कि जब नरेंद्रमोदी सरकार और योगी आदित्यनाथ की सरकार में ऐसी मजदूर विरोधी परिस्थिति है तो पूर्व की सरकारों में कैसा जंगलराज रहा होगा, विचारणीय पहलू है। मजदूर शोषण कांड की एसआईटी और न्यायिक जांच होनी चाहिए, क्योंकि आम भारतीयों के भविष्य के साथ एफडीआई आकर्षित करने के चक्कर में घोर अन्याय हो रहा है, जिससे बचे जाने की जरूरत है।

अब नोएडा में मजदूरों के हिंसक आंदोलन के राजनीतिक निहितार्थ की बात करते हैं। चूंकि नोएडा में मजदूरों का हिंसक आंदोलन वेतन वृद्धि की मांग पर केंद्रित है, जो हरियाणा की 35 प्रतिशत न्यूनतम मजदूरी बढ़ोतरी से प्रेरित है। लिहाजा, योगी सरकार को तुरंत इसे लागू करना चाहिए। बताया गया कि यह प्रदर्शन फेज-2 होजरी कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर पूरे नोएडा में फैल गया, जहां पेशेवर विपक्षी आंदोलनों के तर्ज ओर तोड़फोड़ और आगजनी हुई।

आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है। यही वजह है कि योगी सरकार ने संवाद के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की है और अविलंब इसके निर्णयों को लागू करने की जरूरत है।

जहां तक राजनीतिक प्रतिक्रियाएं की बात है तो योगी सरकार ने आंदोलन को साजिश, नक्सलवाद या राजनीतिक हाथ बताया, जिससे सहमत होना मुश्किल है, लेकिन आंदोलन के हिंसक होने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गलत भी नहीं हैं। वहीं, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा की पूंजीपति पक्षधर नीति को जिम्मेदार ठहराया और मजदूर शोषण का आरोप लगाया, जो अतिरेक है। चूंकि कांग्रेस और सपा ने सरकार की आलोचना की, इसलिए केंद्र भी सतर्क है।

इस अप्रत्याशित आंदोलन का प्रमुख निहितार्थ यह है कि यह आंदोलन श्रम नीतियों पर बहस तेज कर सकता है, क्योंकि पड़ोसी राज्यों के फैसलों से अंतरराज्यीय दबाव बढ़ा रहा है। एक तरफ जहां विपक्ष को मजदूर वोट बैंक मजबूत करने का मौका मिला, वहीं दूसरी तरफ भाजपा को कानून-व्यवस्था पर खुद को साबित करने की चुनौती बढ़ी।दिल्ली-एनसीआर में इसके फैलाव का खतरा है, जो आगामी चुनावों में यदि बड़ा मुद्दा बना तो सत्ताधारी भाजपा के लिए 2027 के राज्य विधानसभा चुनाव और 2029 के आम चुनाव में राजनीतिक मुश्किलों का कारण बन सकता है। इसलिए पार्टी के रणनीतिकार समय रहते ही सचेत हो जाएं। इसी में राजनीतिक बुद्धिमानी होगी। यह कोरा सच है कि नोएडा मजदूर हिंसक आंदोलन के लिए औद्योगिक-प्रशासनिक-राजनीतिक सांठगांठ जिम्मेदार है। नोएडा मजदूर आंदोलन 2027 यूपी विधानसभा चुनावों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि यह श्रमिक असंतोष को विपक्ष के लिए बड़ा मुद्दा बना रहा है। हालांकि अभी ताजा घटना होने से विश्लेषण अनुमानित हैं, लेकिन राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो रहा है। इससे विपक्ष को लाभ मिलता प्रतीत हो रहा है, क्योंकि अखिलेश यादव ने इसे भाजपा की पूंजीपति नीति बताकर मजदूरों का समर्थन किया, जो पीडीएयानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत कर सकता है। इस मामले में कांग्रेस ने भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया, और विपक्षी एकता का संकेत दिया। नोएडा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक वोट (गौतमबुद्धनगर सीटें) प्रभावित हो सकते हैं। इससे भाजपा की जमीनी चुनौती बढ़ेगी और हिंदुत्व दम तोड़ देगा, इसलिए योगी सरकार ने वेतन, ओवरटाइम सम्बन्धी निर्देश देकर क्षतिपूर्ति की कोशिश की, लेकिन इसे साजिश बताकर विपक्ष को और हवा मिली। कानून-व्यवस्था का सवाल उठा, जो भाजपा के मजबूत सरकार वाले नैरेटिव को कमजोर करता है। इससे दिल्ली-एनसीआर में आंदोलन के फैलाव से पश्चिम यूपी की सीटें जोखिम में पड़ सकती हैं। वहीं, श्रम मुद्दा, बढ़ती महंगाई-बेरोजगारी से जुड़कर 2027 में प्रमुख हो सकता है, खासकर ग्रेटर नोएडा-जेवर जैसे क्षेत्रों में। इसलिए यदि समाधान न हुआ तो विपक्ष मजबूत, वरना भाजपा इसे विकास के पक्ष में पलट सकती है। कुल मिलाकर, नोएडा रणभूमि बन चुका है।वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगजनों के बीच बांटा गया सहायक उपकरण

कटिहार (नबिटासं)। बुनियाद केन्द्र कटिहार में शिविर आयोजित कर 27 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए सहायक निदेशक जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग सुश्री यशस्वी ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने और उनकी बाधाओं को कम करने का एक सार्थक पहल है। इन उपकरणों की मदद से दिव्यांगजन अपनी दैनिक गतिविधियों को बिना किसी बाहरी मदद के पूरा कर सकेंगे, जिससे उनके भीतर आत्मविश्वास का बढेगा।उन्होने कहा कि शिविर में विभिन्न प्रकार के 27 सहायक उपकरणों का वितरण चिह्नित लाभार्थियों के बीच किया गया, जो उनकी शारीरिक आवश्यकता के अनुसार उपयोगी है। लाभार्थियों के चेहरे पर सहायक उपकरण पाकर खुशी झलक रही थी। वहीं इस दौरान दिव्यांगजनों के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसका अधिक से अधिक जरूरतमंद लाभ ले सकें। सहायक निदेशक ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाने की जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दुहराई।उन्होंने आमजनों से दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बन कर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की अपील की है। सहायक निदेशक ने बैट्रीचालित तिपहिया को झंडी दिखाकर विदा किया। कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं बुनियाद केन्द्र के पदाधिकारी तथा कर्मी सहित आमजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से समीक्षात्मक बैठक आयोजित

कटिहार (नबिटासं)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग दिल्ली के सीनियर मॉनिटर धनंजय टिंगल की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक कटिहार परिषदन में आयोजित किया गया। जिसमें जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, उप विकास आयुक्त अमित कुमार ,सहायक निदेशक रविशंकर तिवारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा यशस्वी ,पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय मृदूलता ,एडीएम मनीष कुमार, राजेश कुमार सिंह सचिव अभिलाषा परिवार सह बाल कल्याण समिति चेयर पर्सन,बीबीए के संतोष दास सहित राहत फाउंडेशन भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से बंधुवा मजदूरी और बाल श्रम की समीक्षा की गयी। श्रम कानून को शक्ति से पालन पर जोर दिया गया। जिला पदाधिकारी ने श्री टिंगल से मुलाकात किये। श्रम अधीक्षक पीटर मिंज द्वारा सभी योजनाओं का प्रदर्शन पीपीटी के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम संतोषजनक रहा।

बमकाली मंदिर में अमावस पूजा का आयोजन

हसनगंज/कटिहार (नबिटासं)। कोढ़ा के राजवाड़ा पंचायत स्थित प्राचीन माता बमकाली मंदिर मे अमावस की मध्यरात्रि पर विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। मां बमकाली सेवा समिति की ओर से हर माह की तरह इस बार भी विधि विधान से पूजा सम्पन्न कराई गई।ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के वाबजूद इस मंदिर की ख्याति दूर दूर तक फैली हुई है । यही कारण है की यहां न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं बल्कि दूर दराज से भी बड़ी संख्या में लोग दर्शन और पूजा के लिए पहुंचते हैं। आम दिनों में भी मंदिर में भक्तों की भीड़ रहती है,लेकिन अमावस्या की रात विशेष महत्व रखती है,जब विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। मंदिर कमिटी के सचिव पवन चौबे, अनंत शयनम,विशाल राय, अशोक साह,सुभाष राय,दीपक रजक,विनय राय,रितेश राय आदि ने बताया कि इस माह की अमावस्या की रात्रि पर पटना निवासी ई.राजेश कुमार के द्वारा पूजा कराई गई। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।यह आयोजन क्षेत्र में आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। जहां प्रत्येक माह बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव करते हैं।

पावर ग्रिड से तीन घंटे बिजली बंद रहेगी

सालमारी /कटिहार (नबिटासं)। सालमारी पावर ग्रिड में मेंटेनेंस कार्य होने के कारण शनिवार को सभी फिडर में 12.30 से 3.30 तक करीब तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त जानकारी देते हुए ग्रीड के कनीय अभियंता राहुल कुमार ने बताया की सालमारी ग्रिड से कमलाबाडी, आजमनगर, सोनैली, बारसोई, विदेपुर, आबादपुर सहित सभी फिडर में बिजली आपूर्ति तीन घंटा के लिए ठप रहेगी। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं को आवश्यक कार्य समय पर पुरा करने की अपील की है।

मुंबई में मजदूरी के दौरान ईमारत से गिरकर पलासी के मजदूर की मौत

बारसोई /कटिहार (नबिटासं)। बारसोई प्रखंड के धर्मपुर पंचायत स्थित पलासी ग्राम निवासी एक प्रवासी मजदूर मोहम्मद शकील (23) की मौत मुंबई स्थित दहिसर इलाके में एक निमार्णाधीन दस मंजिला ईमारत से अचानक नीचे गिर जाने के चलते गुरुवार की दोपहर हो गयीं । गुरुवार की देर रात मृतक के घर पर जैसे ही उक्त हादसे की खबर मिली तो परिवार पर मानों दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की खबर सुनते ही माता-पिता तथा परिवार के सभी सदस्य बिलाख बिलख रोने लगे। मृतक के घर पर मानों जैसे कोहराम ही मच गया। मृतक शकील पलासी ग्राम निवासी मोहम्मद इदरीश का पुत्र बताया जा रहा है। मृतक अपने बूढ़े माता-पिता के आजीविका का एकमात्र सहारा था। परिवार के जीविकोपार्जन के लिए वह अब से लगभग आठ माह पूर्व मुंबई गया हुआ था। वह मुंबई स्थित दहिसर में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग में मजदूरी का कार्य कर रहा था। इस संबंध में शुक्रवार को बड़े ही दुखी मन से मृतक के पिता ने बताया कि गुरुवार की रात उन्हें मुंबई से मोबाइल से सुचना मिली कि शकील कार्य करने के दौरान पैर फिसल जाने के चलते अचानक ही दस मंजिला ईमारत से नीचे गिर गया। अत्यधिक ऊंचाई से नीचे गिर जाने के चलते उसकी मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई है। यह खबर सुनकर परिवार वाले बिल्कुल ही बेसुध हो गए। मृतक शकील की इस तरह से अचानक अकाल मृत्यु हो जाने से परिवार के समक्ष कई तरह के आर्थिक संकट उत्पन्न हो गये हैं। पिता ने बताया कि मृतक शकील ही मुंबई से जो रुपए कमाकर भेजता था उसी से परिवार का गुजर-बशर होता था। पिता ने छाती पीटते हुए कहा कि अब परिवार का भरण पोषण कैसे होगा ? घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पंचायत के मुखिया रकीब अली, उपमुखिया हारून अली एवं पंसस शम्स तबरेज ने मृतक के आश्रितों को अविलंब उचित मुआवजा देने की मांग की है।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं समेकित प्रबंधन पर दिया प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । शुक्रवार को जिला संयुक्त कृषि भवन सभागार में रासायनिक खाद के अंधाधुध उपयोग को नियंत्रित कर बदले में जैविक खाद के अधिक से अधिक उपयोग करने को प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कृषक जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार,आत्मा के परियोजना उप निदेशक शशिकांत झा,कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा सुशील, नंदिता दास ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर मौजूद किसान भाईयों को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी ने रासायनिक खाद की लम्बे समय से उपयोग के कारण भूमि की ऊर्वरा शक्ति में कमी देखी जा रही है। मृदा स्वास्थ्य में सुधार को लेकर जैविक खाद के उपयोग को अपनाने की अपील की। जैविक खाद के उपयोग को भूमि की उर्वरा शक्ति बढाने के साथ साथ फसल पैदावार बढाने में भी उपयोगी बताया।

कृषक बंधुओं से आवश्यक्तानुसार फसलों में संतुलित मात्रा मे ही रासायनिक खाद डालने को कहा। उन्होने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग की सलाह दी जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य पर कम हानिकारक प्रभाव के ही पौधे सीधे पत्तियों के माध्यम से पोषक तत्व प्राप्त कर लेते हैं। आत्मा के परियोजना उपनिदेशक शशिकांत झा ने मिट्टी जांच के बाद भी आवश्यक रासायनिक खाद की अनुसंशित मात्र मे उपयोग की सलाह दी। दलहन एवं तेलहन फसलों के उगाने लगाने से भी मिट्टी में नत्रजन स्थिरीकरण होने से भूमि की ऊर्वरा शक्ति बढती है। लिहाजा दलहन तिलहन फसल के साथ मूंग एवं ढैंचा फसल हरित खाद के रुप में लगाने की अपील की।इस मौके पर सहायक निदेशक मृदा रसायन इन्द्रनंद मंडल ने भी अपने विचार रखे। प्रशिक्षण में विभिन्न प्रखंडों से आये सैकडों किसानों, प्रखंड तकनीकी प्रबंधकों, सहायक तकनीकी प्रबंधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में लेखापाल प्रभाकर कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक आदित्य कुमार, सुनील कुमार की सक्रिय भूमिका रही।

एमएस ग्लोबल साइंस एकेडमी में मैट्रिक एवं इंटर पास छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के साहेबनगर पंचायत के मनसाही हाट स्थित कबीर आश्रम में एम एस ग्लोबल साइंस एकेडमी के डायरेक्टर मसकर राज,कांग्रेस नेत्री इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता एवं जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद ने संयुक्त रूप से मैट्रिक एवं इंटर पास छात्र - छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर कांग्रेस नेत्री इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता ने कहा कि शिक्षा ही सबसे महत्वपूर्ण धन हैं,शिक्षा जिसके पास नहीं हैं,उनको जाकर देखिए वह कैसे जिंदगी जी रहे हैं,अगर शिक्षा नहीं हैं,वह आदमी शिक्षित आदमी को देखना पसंद नहीं करते हैं,जो भी शिक्षित व्यक्ति आगे बढ़ रहे हैं,उन्हें किस तरीके से जमीन में गिराना हैं,यह काम बगैर पढ़े लिखे लोग अभी के समय में कर रहे हैं,इसीलिए अभी के समय में माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाई लिखाई कराएं,यहीं पढ़ाई लिखाई कर आगे बड़े - बड़े अफसर बनेंगे। छात्र - छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी आगे खूब मन लगाकर पढ़ाई करें,गणित,भौतिक विज्ञान एवं भूगोल पर विशेष रूप से ध्यान दें। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद ने कहा कि माता-पिता बच्चों को जन्म देते हैं,लेकिन शिक्षा शिक्षक ही देते हैं,शिक्षक के बिना जग अधूरा हैं,पढ़ाई करने के बाद ही यहीं से छात्र - छात्राएं डीएम,डीसीसी,बीडीओ एवं नेता आदि बन सकेंगे। इसलिए सभी लोग जिसको जिन क्षेत्रों में जाना हैं,उन क्षेत्र की तैयारी अभी से शुरू कर दें। वहीं मैट्रिक के बिहार टॉपर में 11 वें स्थान एवं जिला टॉपर में प्रथम स्थान रहे अमन कुमार के पिता निर्मल कुमार साह ने कहा कि मेरा लड़का अमन कुमार बिहार टॉपर में 11 वा स्थान पर रहा जबकि जिला टॉपर में प्रथम स्थान पर रहा काफी खुशी हुई आगे यह जिस चीज में पढ़ना चाहेंगे उसे हम पढ़ाएंगे। इस अवसर पर एम एस ग्लोबल साइंस एकेडमी मनसाही के डायरेक्टर मसकर राज ने कहा कि मैट्रिक टॉपर अमन कुमार को 31,151 रुपए का चेक,ट्रॉफी गिफ्ट एवं मैडल वहीं इंटर में प्रथम श्रेणी से पास हुए मुन्नी कुमारी को 5151 रुपए का चेक,ट्रॉफी,गिफ्ट एवं मैडल कांग्रेस नेत्री इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता एवं जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद के हाथों दिया गया। उन्होंने कहा कि मैट्रिक में 23 छात्र - छात्राएं,इंटर में 30 छात्र - छात्राएं प्रथम श्रेणी से पास हुए सबों को मेडल,शील्ड,ट्राफी एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि मेरे संस्थान से हर साल मैट्रिक एवं इंटर में सभी छात्र - छात्राएं प्रथम श्रेणी से पास करते हैं।

कटिहार मंडल कारा में औचक छापेमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नयी सरकार के गठन के बाद कटिहार में कानून - व्यवस्था को सख्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर प्रशासन ने कटिहार मंडल कारा में विशेष छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान कुख्यात कैदियों के सेल की गहन तलाशी ली गई। जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। तलाशी के दौरान कैदियों के पास से नुकीले हथियार, ब्लेड तथा बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई।

इस अभियान में जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। छापेमारी के दौरान डीएम आशुतोष द्विवेदी और एसपी शिखर चौधरी सहित कई वरीय अधिकारियों ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम श्री द्विवेदी ने कहा कि प्रशासन की ओर से जेलों एवं पूरे राज्य में अवैध गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। ताकि कानून - व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस मौके पर एसडीएम प्रदुम्न सिंह यादव, एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

पहली डिजिटल स्वगणना का हुआ शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नगर निगम कटिहार क्षेत्र अंतर्गत वीआईपी के की ओर से स्वगणना किया गया। इसमें विधायक तारकिशोर प्रसाद, विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल, महापौर श्रीमती उषा देवी अग्रवाल तथा उप महापौर मंजूर खान के द्वारा स्वगणना किया गया तथा जनता से अपील की गई कि वे भी स्वगणना पोर्टल पर जाकर सभी 33 प्रश्नों का अपना डाटा सही-सही भरें ।सभी कटिहारवासियों से अपील किया गया कि सभी स्वगणना में भाग ले। जिससे सरकार इस डाटा के आधार पर उनके लिए उपयोगी नीतिगत फैसला ले सके। सभी ने पहली डिजिटल स्वगणना के पहल को सरकार का सराहनीय कदम बताया।

मटियारी में दुर्गा मंदिर की विवादित जमीन का सीओ ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के मटियारी गांव में श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा मंदिर की विवादित जमीन का अंचलाधिकारी मोहम्मद इस्माइल ने निरीक्षण करते हुए अंचल निरीक्षक महबूब आलम को दिशा निर्देश देते हुए मापी कराने का आदेश दिया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण एवं पुजारी राम प्रकाश साह ने बताया कि सर्वे खतियान में जमीन आठ डिसमिल हैं ।जबकि उक्त प्लाट की नक्शा सोट हो जाने से 5/12 डी ही हैं।

जस्ट प्लॉट के सटे दूसरे खेसरा मंदिर वाली कब्जे की जमीन को पॉपी साह नामक व्यक्ति ने ढाई डिसमिल जमीन से अधिक कब्जा कर बैठे हैं। यह मामला अंचल से लेकर बिहार के मुख्यमंत्री तक पहुंचा हुआ हैं। जबकि पोपी साह के द्वारा बलपूर्वक उक्त जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहा हैं। मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीण व कमेटी के लोगों द्वारा जल्द ही मापी कर मामले का निष्पादन करने की बातें कही।

मणिपुर के दल ने लक्ष्मीपुर में जानी मखाना उत्पादन की नई तकनीक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव स्थित मांगन साह फार्म पर शुक्रवार को मखाना की आधुनिक खेती को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हॉर्टिकल्चर एंड सॉइल कंजर्वेशन विभाग, मणिपुर से आए 10 वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों तथा 15 प्रगतिशील किसानों के 25 सदस्यीय दल ने भाग लिया और उन्नत तकनीकों की बारीकियां समझीं।

कार्यक्रम का संचालन प्रगतिशील किसान नीतीश राज, अनिल कुमार गुप्ता,सुनील कुमार गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता एवं निशांत राज के मार्गदर्शन में हुआ। वहीं अभय जायसवाल, राजीव कुमार भारती और अमरेंद्र सिंह संजू,लालबहादुर यादव सहित स्थानीय किसानों ने मणिपुर से आए दल को मखाना उत्पादन की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई। आगंतुकों का पारंपरिक ढंग से स्वागत भी किया गया।प्रशिक्षण के दौरान बीज चयन, खेत की तैयारी, जल प्रबंधन, कटाई, बुहराई प्रोसेसिंग और विपणन तक के हर चरण की जानकारी दी गई। मणिपुर से आए अधिकारी और किसान खुद खेत में उतरकर खेती की तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखते नजर आए।इस मौके पर संयुक्त निदेशक इम्फाल पूर्व, पुखराम प्रमोदो देवी, उप निदेशक इम्फाल पश्चिम, अंगोम सुनीता देवी, सहायक कृषि पदाधिकारी एच एंड एससी, इम्फाल पश्चिम मैस्नाम पारस सिंह एवं लैपुबम त्रिवंकर शर्मा, सहायक कृषि पदाधिकारी थौबल मोइरांगथेम तिजेंद्र सिंह, सहायक कृषि पदाधिकारी एच एंड एससी, बिष्णुपुर सुखम जोयबी सिंह, फार्म मैनेजर कृषि विज्ञान केंद्र केवीके, थौबल डब्ल्यू जितेन सिंह, फील्ड स्टाफ मणिपुर मखाना विकास एजेंसी निंगोमबम लांचेनबा व आरके विश्वराज तथा कंप्यूटर ऑपरेटर पामेई नाइंगलुंग उपस्थित रहे।

रूंगटा इंस्टीट्यूट में होती है डिप्लोमा इंजीनियरिंग की पढ़ाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फारबिसगंज (अररिया)। रुंगटा इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट द्वारा 18 अप्रैल 2025 को यानी आज शनिवार को एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है । इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है । इस विशेष अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विकास वैभव (आईपीएस अधिकारी एवं लेट्स इंस्पायर बिहार के संस्थापक) की गरिमामयि उपस्थिति रहेगी। उनके प्रेरणादायक विचार विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेंगे और उन्हें अपने लक्ष्य की प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देंगे। कार्यक्रम के दौरान चयनित मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को कैरियर मार्गदर्शन, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी । संस्थान के निदेशक मंडल ने बताया कि यह समारोह केवल सम्मान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण और समाज में सकारात्मक योगदान की भावना को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है। संस्थान ने क्षेत्र के सभी छात्रों अभिभावकों एवं शिक्षकों से आग्रह किया है के वे इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करें और इस पहल को सफल बनाएं। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि यहां डिप्लोमा इंजिनियरिंग और मैनेजमेंट कोर्स की पढ़ाई भी होती है।

डिजिटल जनगणना का नया दौर शुरू, खुद भरें अपना डेटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पूरे बिहार के साथ कटिहार में शुक्रवार से जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब आम लोग घर बैठे ही अपने परिवार की पूरी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। 17 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक चलने वाली इस स्व-गणना मुहिम को सरकार ने जनभागीदारी बढ़ाने और प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है। इसके बाद 2 मई से 31 मई 2026 तक घर-घर सर्वेक्षण यानी मकान सूचीकरण का काम किया जाएगा। इससे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इससे डेटा ज्यादा सटीक और पारदर्शी होगा। सरकार ने लोगों से अपील किया है कि वे जनगणना के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर सभी 33 सवालों के सही-सही जवाब दें और प्रक्रिया पूरी होने के बाद मिलने वाली एसई आईडी को सुरक्षित रखें। खास बात यह है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत दी गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और इसका इस्तेमाल सिर्फ सरकारी आंकड़ों के लिए होगा। सरल भाषा में कहें तो अब जनगणना आपके दरवाजे पर आने से पहले आपके मोबाइल और लैपटॉप तक पहुंच चुकी है। अब देखना ये है कि लोग इस डिजिटल पहल में कितनी भागीदारी निभाते हैं।

बारसोई में नये सीओ के रूप में उदयकांत चौधरी ने संभाला प्रभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बारसोई प्रखंड में प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी कटिहार उदयकांत चौधरी ने अंचल पदाधिकारी के रूप में प्रभार ग्रहण किया। उन्हें बारसोई के प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद द्वारा औपचारिक रूप से प्रभार सौंपा गया।बताया जाता है कि इन दिनों पूरे बिहार राज्य में अंचल पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। इस हड़ताल के कारण अंचल से जुड़े विभिन्न कार्यों के प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में अंचल कार्यालयों के कार्य बाधित न हों। इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य पदाधिकारियों को प्रभार दिया जा रहा है। नए सीओ उदय कांत चौधरी के प्रभार संभालने से बारसोई अंचल के राजस्व एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन की उम्मीद जताई जा रही है, प्रभार ग्रहण के मौके पर अंचल एवं प्रखंड के अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

पुलिस महानिरीक्षक ने किया मनिहारी थाना का निरीक्षण

सूखा नशा की बढती प्रवृति को बताया चुनौती, इसकी सप्लाई चेन को धवस्त करने की दिशा में रणनीति के तहत कार्य का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

- जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ सुनवाई के दिये निर्देश
- दियरा क्षेत्रों में रहेगी पैनी नजर, संगठित अपराध व अपराधी गिरोहों को पनपने नहीं दिया जाएगा : आईजी

मनिहारी (कटिहार)। शुक्रवार को पुर्णियां पुलिस महानिरीक्षक डॉ. विवेकानंद ने मनिहारी थाना का निरीक्षण किया।उनके आगमन पर पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों द्वारा उनके सम्मान ने गार्ड आफ आनर प्रस्तुत की गयी। सलामी दी गयी।आईजी ने मनिहारी थाना क्षेत्र में घटित आपराधिक घटनाओं व इस दिशा में की गयी पुलिया कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होने अपराध व लंवित कांडों के निष्पादन के प्रति संतोष जताया, लेकिन कांडों के प्रतिवेदन व इसकी समुचित प्रवृष्टि के उदासीनता से असंतोष जताते हुए इस दिशा मे सुधार के निर्देश दिये।

कहा ड्राई स्टेट बिहार में सूखानशा के प्रति बढती प्रवृति एक नयी चुनौती है. सीमांचल के जिलों में पुलिस अधीक्षकों को इस दिशा मे रणनीति बनाकर इसकी सप्लाई स्रोत पर प्रहार करने के निर्देश दिये गये हैं।महिला सुरक्षा को प्राथमिकता मे शामिल बताया। उन्होनें मनिहारी थाने में जनता की समस्या की सुनवाई के प्रति संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिये। आई जी श्री आनंद ने मनिहारी थाना के सिरिसता कार्यालय का निरीक्षण, परिसर की साफ सफाई, सुरक्षा, व अन्य विभागों का भी मुआयना किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी, मनिहारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद कुमार, पुलिस निरीक्षक पप्पु कुमार, थानाध्यक्ष पंकज आनंद सहित बडी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहे।

टेंडर में अडानी समूह पर नियम तोड़ने के लगे थे आरोप, अब सीसीआई ने सुना दिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह से जुड़ी एक अहम खबर है। दरअसल, सीसीआई ने अपने आदेश में कहा कि देश का बिजली उत्पादन बाजार कई बड़ी सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। गौतम अडानी समूह के लिए एक अहम खबर है। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने गुरुवार को अडानी समूह की कंपनियों, एज्योर पावर और अन्य के खिलाफ एक सोलर एनर्जी टेंडर में कथित तौर पर

प्रतिस्पर्धा-रोधी आचरण से जुड़ी शिकायत खारिज कर दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी ग्रीन एनर्जी फोर लिमिटेड, गौतम अडानी, सागर अडानी, एज्योर पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) एवं कई अन्य इकाइयों ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है। निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। सीसीआई ने आदेश में कहा- भारत के बिजली उत्पादन बाजार में एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा पावर, टोरेंट पावर और रिलायंस पावर जैसी कई महत्वपूर्ण कंपनियां मौजूद हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध ने बिगाड़ा भारत के पर्यटन उद्योग का गणित, 18,000 करोड़ का घाटा!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध में भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री भी घायल है। जी हां, बाहर से भारत घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में इस वजह से 15 से 20 फीसदी की गिरावट हुई है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने से फ्लाइट्स की कमी तो हुई ही, उनके रूट्स पर भी असर पड़ा। इस वजह से पूरी अर्थव्यवस्था को 18,000 करोड़ रुपये की चपत लती है। उद्योग संगठन पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की कल ही शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी हुई है। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15 से 20 की कमी हुई है। इसके अनुसार, संघर्ष के कारण पैदा हुई बाधाओं के चलते एविशन इंडस्ट्री, होटल एवं रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के साथ-साथ पर्यटन से जुड़े लॉजिस्टिक सेक्टर और सर्विस सेक्टर भी प्रभावित हुए हैं।

एविएशन इंडस्ट्री हुआ परेशानन जब से पश्चिम एशिया में हालात बिगड़े हैं, फ्लाइट्स के कई रूट्स बंद हो गए। कुछ रूट्स में बदलाव करना पड़ा जिससे उनके फ्लाइट टाइम में दो से चार घंटे की बढ़ोतरी हो गई। इसी

समय हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की कीमतें भी दूनी हो गई। इस वजह से एविएशन इंडस्ट्री का ऑपरेशन कॉस्ट काफी बढ़ गया। आपको बताते चलें कि किसी भी एयरलाइन के ऑपरेटिंग कॉस्ट में फ्यूल की हिस्सेदारी 35 से 40 फीसदी होती है। तभी तो एविएशन कंपनियों को जबरन किराया भी बढ़ाना पड़ा है। हालांकि, इसी दौरान अपना घरेलू एविएशन सेक्टर में भारी विस्तार हुआ है। इस समय हर रोज करीब पांच लाख यात्री हवाई जहाज में सफर कर रहे हैं।

4 करोड़ लोगों को रोजगार: पीएचडीसीसीआई की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी सेक्टर का अर्थव्यवस्था में भारी योगदान है। भारत के जीडीपी में इन सेक्टर्स की करीब आठ फीसदी की हिस्सेदारी है। साथ ही करीब चार करोड़ लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। पिछले साल इस इंडस्ट्री में शानदार शेप की रिकवरी हुई थी। तभी तो ब्रांडेड होटल की इंवेंट्री करीब दो लाख कमरे तक हो गए थे। लेकिन विदेशी पर्यटकों की कम आवक से इनका धंधा प्रभावित हुआ है। पश्चिम एशिया संकट से सिर्फ ब्रांडेड होटल का ही धंधा नहीं घटा बल्कि रेस्टोरेंट और फूड सर्विस सेगमेंट पर भी दवाब बढ़ा है।

5 स्टॉक्स पर लगाएं दांव, इंट्रडे के लिए सुमित बगड़िया हैं बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई इन पांचों शेयरों में टेक्निकल आधार पर तेजी के संकेत मिल रहे हैं। सही रणनीति के साथ इन स्टॉक्स में शॉर्ट टर्म में अच्छे मौके मिल सकते हैं। मार्केट एक्सपर्ट सुमित बगड़िया ने शुक्रवार, 17 अप्रैल के लिए पांच ऐसे शेयर बताए हैं, जिनमें शॉर्ट टर्म में तेजी देखने को मिल सकती है। इन स्टॉक्स में टेक्निकल ब्रेकआउट और मजबूत मोमेंटम नजर आ रहा है। इनमें नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई शामिल हैं। नियोजेन केमिकल्स 1502 के आसपास है और चार्ट पर मजबूत ब्रेकआउट दिखा रहा है। शेयर ने अपने सभी प्रमुख इएमए (20, 50, 100 और 200) को पार कर लिया है, जो ट्रेंड बदलने का संकेत देता है। आरएसआई भी 66 के ऊपर है, जिससे खरीदारी का मजबूत संकेत मिल रहा है। अगर यह तेजी बनी रहती है, तो शेयर 1610 तक जा सकता है।

गोल्ड स्टॉक्स 1 महीने में 25 प्रतिशत तक उछले, अक्षय तृतीया से पहले ज्वेलरी की एडवांस बुकिंग में भी उछाल

उछल रहे ज्वेलरी कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया से पहले ही कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल है। ज्वेलरी सेक्टर ने वित्त वर्ष 2027 की मजबूत शुरुआत की है। 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया और चल रहे शादी के मौसम से पहले एडवांस बुकिंग जोरों पर है। अक्षय तृतीया 2026 को आने में महज दो दिन शेष हैं और सोने-चांदी के गहने बेचने वाली कंपनियों के शेयर उछल रहे हैं। पिछले एक महीने में जहां ईरान युद्ध, तेल की कीमतों में उछाल, मजबूत होता डॉलर और बढ़ती महंगाई की आशंकाओं ने भारतीय शेयर बाजार को बेचैन कर रखा है, वहीं इन सबके बीच ज्वेलरी सेक्टर के शेयर दमदार प्रदर्शन करते नजर आए हैं। कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों ने मात्र एक महीने में ही 25 प्रतिशत तक की छलांग लगा दी है। इस दौरान निफ्टी में महज 3.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में इस तेजी की मुख्य वजह शादियों और त्योहारों के मौसम में मजबूत मांग बनी हुई है। रिकॉर्ड स्तर पर सोने की कीमतें होने के बावजूद ग्राहकों का खर्च कम नहीं हुआ है। साथ ही स्टोर सेल भी शानदार सुधार देखने को मिला है। मार्च तिमाही में इस सेक्टर की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर 32 से 124 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह तेजी आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। चल रहे शादी के मौसम में दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है और 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया का त्योहार आने वाला है, जिससे मांग और बढ़ने की संभावना है। देश की सबसे बड़ी लिस्टेड ज्वेलरी कंपनी टाइटन ने मार्च 2026 तिमाही में सालाना आधार पर 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह वृद्धि 25 प्रतिशत थी। स्टोरों की बिक्री में भी जबरदस्त सुधार हुआ और यह एक साल पहले के 15 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गई। अन्य कंपनियों का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा।

वैल्यू एडिशन से किया कमाल

इंटरव्यू तक पहुंचे, फिर तैयारी छोड़कर शुरू किया ऐसा काम कि अब सालाना 95 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मिथिलेश देसाई महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले से हैं। उन्होंने साबित किया है कि आधुनिक तकनीक और सही विजन से खेती को फायदेमंद बिजनेस बना सकते हैं। कभी यूपीएससी के इंटरव्यू राउंड तक पहुंचने के बाद उन्होंने एक साहसी फैसला लिया। आगे तैयारी छोड़कर मिथिलेश ने पिता के कटहल उत्पादन के सपने को चुना। आज 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' के जरिये वह 95 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिथिलेश देसाई की सफलता के सफर के बारे में जानते है। मिथिलेश देसाई ने महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली में दो साल तक उन्होंने यूपीएससी की तैयारी की। साल 2016 में वह अपने दूसरे प्रयास में इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे। लेकिन, फाइनल सेलेक्शन नहीं हुआ। इसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि कृषि स्नातक होने के नाते उनका असली योगदान प्रशासनिक कार्यालयों के बजाय खेतों में होना चाहिए। जब उन्होंने देखा कि ज्यादातर एग्री-ग्रेजुएट खेती छोड़कर नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो उन्होंने अपने पिता हरीश चंद्र देसाई के साथ मिलकर कटहल की व्यावसायिक खेती शुरू करने का फैसला लिया। शुरुआती सफर

आसान नहीं था। जब मिथिलेश ने खेती का रास्ता चुना तो पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने उन्हें 'गैर-जिम्मेदार' और 'पागल' तक कहा। यहां तक कि बैंकों ने उनके 25 लाख रुपये के लोन आवेदन को यह कहकर खारिज कर दिया कि कटहल कोई व्यावसायिक फसल नहीं है। लेकिन, मिथिलेश और उनके पिता डटे रहे। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की। इंटरनेशनल सेमिनार अटेंड किए। कटहल की 128 ग्लोबल किस्मों पर रिसर्च किया। आज वह अपनी 5 एकड़ जमीन पर कटहल की 88 से अधिक किस्मों को उगा रहे हैं। 2020 में शुरू हुई 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' सिर्फ कटहल नहीं बेचती है। इसका बिजनेस मॉडल 'वैल्यू एडिशन' पर आधारित है। कंपनी ने 5-10 रुपये में बिकने वाले कटहल को अपनी प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए 1,000 रुपये की वैल्यू वाले उत्पादों में बदल दिया है। इनमें वीगन मीट, बर्गर पैटीज, चिप्स, डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए कटहल पाउडर और पशुओं के लिए पौष्टिक चारा शामिल है। मिथिलेश की नर्सरी सालाना 35,000 ग्राफ्टेड पौधों की सप्लाई करती है। वह महाराष्ट्र के 1,000 से अधिक किसानों से सीधे जुड़े हुए हैं।

86 प्रतिशत बढ़ा कंपनी प्रॉफिट, शेयरों को खरीदने की मची होड़, 4 प्रतिशत उछला भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव आज शुक्रवार

की सुबह 300 रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चौथी तिमाही के नतीजे हैं। इस दौरन कंपनी के नेट प्रॉफिट में 84 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर एंजल वन का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है। बीएसई में आज शुक्रवार को एंजल वन लिमिटेड का शेयर भारी बढ़त के साथ 304.80 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 305 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि उनका प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 320 करोड़ रुपये रहा है। यह साल दर साल की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर अगर देखे तो यह 19 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान एंजलवन लिमिटेड का रेवन्यू 1467 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर 10 प्रतिशत अधिक है। मार्च तिमाही में कंपनी का कुल ऑर्डर 43.1 करोड़ रहा है। यह दिसंबर तिमाही की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के ग्राहकों की संख्या भी बढ़कर 3.74 करोड़ हो गई है। मौजूदा समय में एंजल वन लिमिटेड पर भारत 16.70 प्रतिशत डिमैट अकाउंट है। महज दो हफ्ते में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 24.44 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 19.99 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 27.18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की गिरावट आई है। तीन साल में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव 135 प्रतिशत बढ़ा है।

कच्चा तेल 130 पहुंचा, तब भी नहीं रुकेगी भारत की रफ्तार, एस एंड पी रेटिंग्स ने माना इकॉनमी का लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया के संकट के बीच अगर इस वित्त वर्ष में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल भी पहुंच जाती है, तो भी भारत 6.3 प्रतिशत की रफ्तार से तरक्की करेगा। एजेंसी ने यह भी साफ किया कि तेल की कीमतों में उछाल से पड़ने वाले बोझ का भारत की 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' (देश की साख) पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय में अपने राजकोषीय घाटे को कम करने और सरकारी खजाने को मजबूत बनाए रखने के लिए राजनीतिक रूप से पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डायरेक्टर (सॉवरेन रेटिंग्स) यी फर्न फुआ ने एक वेबिनार में बताया कि अगर हम सामान्य हालात मानकर चलें और कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति

बैरल रहता है, तो भारत वित्त वर्ष 2026-27 में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल तक चली जाती है, तब भी भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहेगी। यह दर तब भी दुनिया की बड़ी इकॉनमीज में सबसे ज्यादा होगी। फुआ ने कहा, ''दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं। ऐसे में भी भारत की वृद्धि दर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी।'' एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान, जिससे ईंधन या उर्वरक जैसे संबंधित उत्पादों की कमी होती है, एक जोखिम होगा।

दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, यह योजना इसलिए बनाई जा रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे हालात में आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ सकता है। यह प्रस्ताव उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के स्तर पर विचाराधीन है। दाल, प्याज, आलू और टमाटर जैसी जरूरी चीजों के लिए स्थिरता कोष साल 2015 में शुरू किया गया था। जब इन चीजों की कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं तो सरकार इस फंड से सामान खरीदकर बाजार में बेचती है, जिससे कीमतें नियंत्रण में रहती हैं। अब सरकार इसी तरह का फंड पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के लिए बनाना चाहती है। हाल ही में वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस पर चर्चा हुई है। सरकार इस फंड के जरिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का एक तय मात्रा में भंडार (रिजर्व) तैयार करेगी। इसके लिए तेल रिफाइनरी कंपनियों के साथ समझौते किए जाएंगे। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें अचानक बढ़ेंगी या सप्लाई बाधित होगी, तब इस भंडार को बाजार में जारी किया जाएगा, जिससे कीमतों पर दबाव कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

भारत पर रखिए नजर, अमेरिका हो या ईरान सभी से रिश्ते, कियोसाकी ने समझाया नई दिल्ली का किरदार

नई दिल्ली, एजेंसी। जाने-माने लेखक और दिग्गज निवेशक रॉबर्ट कियोसाकी ने बदलते भू-राजनीतिक हालातों में भारत के किरदार को समझाया है। उन्होंने भारत के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए दुनिया से इस पर करीब से नजर रखने की अपील की है। रिच डैड पुअर डैड के लेखक ने बताया है कि आखिर ईरान में जारी संघर्ष के बीच नई दिल्ली ग्लोबल डिप्लोमेसी में क्यों लगातार केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में हुई फोन कॉल के बाद उन्होंने अपनी राय जाहिर की। कियोसाकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें कियोसाकी ने कहा कि ट्रंप-मोदी के बीच यह बातचीत लगभग 40 मिनट तक चली। इस साल इन दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बातचीत थी। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद से यह दूसरी थी। उन्होंने आगे कहा कि यह बातचीत बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में समाप्त हुई। ट्रंप के शब्दों को कोट करते हुए बताया, 'मैं बस आपको यह बताना चाहता हूं कि हम सभी आपसे बहुत प्यार करते हैं।' कियोसाकी ने ईरान और इजरायल दोनों में अपनी आर्थिक माजूदगी के जरिये भारत की अद्वितीय स्थिति को हाईलाइट किया। ईरान और

इजरायल दोनों ही इस संघर्ष में आमने-सामने हैं। ईरान में भारत ओमान की खाड़ी में स्थित चाबहार बंदरगाह के 'शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल' को ऑपरेट करता है। इस परियोजना में 55 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। इसके संचालन के लिए 10 साल का समझौता है। यह बंदरगाह सेंट्रल एशिया तक भारत की व्यापक कनेक्टिविटी योजनाओं का भी एक हिस्सा है। इजरायल में अडानी ग्रुप ने 1.2 अरब डॉलर में हाइफा बंदरगाह का अधिग्रहण किया है। भूमध्य सागर पर स्थित यह बंदरगाह पूरी तरह से चालू है। इस क्षेत्र में इसे एक प्रमुख रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखा जाता है। कियोसाकी के अनुसार, भारत का प्रभाव इस बात से दिखता है कि वह इस संघर्ष में शामिल लगभग सभी पक्षों के साथ कामकाजी संबंध बनाए रखने में सक्षम है। इनमें अमेरिका, ईरान, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, रूस और चीन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संकट के शुरुआती 48 घंटों में मोदी ने कूटनीतिक स्तर पर जोरदार सक्रियता दिखाई। उन्होंने पश्चिम एशिया के कई नेताओं से बातचीत की। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से और बाद में ट्रंप से भी बातचीत की। कियोसाकी ने मोदी और पेजेश्कियन के बीच हुई बातचीत का भी जिक्र किया। इसमें भारत ने ईरान के साथ अपने संबंधों की दोबारा पुष्टि की थी। उन्होंने बताया कि तेहरान ने भारत के 'संतुलित और रचनात्मक रुख' की सराहना की। नई दिल्ली को ब्रिक्स में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका का फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्तमान में ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है। यह वैश्विक स्तर पर समीकरणों में आ रहे बदलावों के इस दौर में भारत की कूटनीतिक स्थिति को और भी अधिक मजबूत बनाता है। व्यापक जुड़ाव के बावजूद भारत ने सार्वजनिक तौर पर एक नपा-तुला रुख बनाए रखा है। कियोसाकी ने गौर किया कि नई दिल्ली ने शांति और बातचीत का आह्वान किया है।

मुकेश अंबानी को पछाड़कर गौतम अडानी बने एशिया के सबसे बड़े रईस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने हमवतन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ अब 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.10 अरब डॉलर की तेजी आई है। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में मामूली गिरावट रही। सेंसेक्स 123 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। लेकिन अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी रही। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.56 अरब डॉलर की तेजी आई। वहीं अंबानी की नेटवर्थ 76.7 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। रिलायंस का शेयर कल लगभग सपाट बंद हुआ था। अंबानी एशिया में दूसरे और दुनिया में 20वें नंबर पर हैं। इस साल दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 7 की नेटवर्थ में गिरावट आई है। फ्रांसीसी बिजनसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट ने सबसे ज्यादा 44 अरब डॉलर गंवाए हैं। इस लिस्ट में आरनॉल्ट के अलावा स्टीव बालमर, ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स, जाने माने निवेशक वॉरेन बफे, स्पेन के दिग्गज एमेनशियो ओर्टेगा और मुकेश अंबानी शामिल हैं। एलन मस्क 656 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। इस

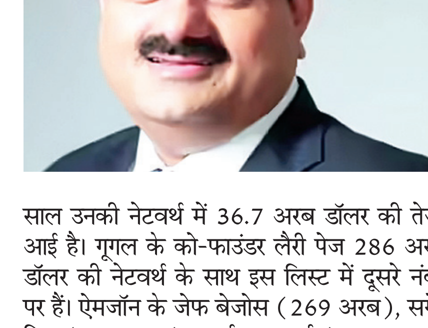

साल उनकी नेटवर्थ में 36.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस (269 अरब), सर्गेई ब्रिन (266 अरब), मार्क जकरबर्ग (239 अरब), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (.170 अरब), जेंसन हुआंग (.164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट (.164 अरब) और जिम वॉल्टन (.150 अरब) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

‘मेरा हाथ पकड़ा और गलत तरीके से छुआ’

डेजी शाह का साउथ फिल्ममेकर को लेकर बड़ा खुलासा; कहा- कास्टिंग के नाम पर... अभिनेत्री डेजी शाह ने अपने साथ हुई उत्पीड़न की एक घटना के बारे में बताया। कैसे साउथ के एक फिल्ममेकर ने उनके साथ की ऐसी हरकत? जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ बताया...सलमान खान के साथ अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री डेजी शाह लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हाल ही में डेजी शाह ने इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने याद किया कि जब वह एक संभावित कास्टिंग अवसर के लिए दक्षिण के एक फिल्म निर्माता से मिलने गई थीं; लेकिन वह मुलाकात उनके लिए एक असहज अनुभव में बदल गई।

वो हमसे अकेले में मिला था

फ्री प्रेस जर्नल से बात करते हुए डेजी शाह ने अपने साथ हुए एक घटनाक्रम के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि दक्षिण के एक फिल्म निर्माता ने मुझे गलत तरीके से छुआ। वह कास्टिंग के लिए मुंबई आए थे। हम 6-7 लड़कियां उनसे मिलने गई थीं। वह हममें से हर एक से अलग-अलग मिल रहे थे। लेकिन मुझे यह पसंद नहीं आया क्योंकि वह मेरा हाथ पकड़े हुए थे। मुझे हमेशा से ही लोगों के छूने से डर लगता रहा है। मैं मसाज इसलिए नहीं करवाती क्योंकि मुझे छूना पसंद नहीं है, चाहे कोई महिला ही क्यों न छुए। किसी पुरुष का छूना तो बिल्कुल अलग बात है। बस इसी बात ने मुझे असहज कर दिया। मैंने उनसे कहा, ‘मैं आपसे कॉन्टैक्ट करूंगी’, लेकिन मैंने उन्हें कभी जवाब नहीं दिया।

‘मामला लीगल है’ के न… सीजन में निकुंज के निजी… रिश्तों के कई पहलू

अभिनेता अमित विक्रम पांडेय इन दिनों वेब सीरीज ‘मामला लीगल है सीजन 2’ को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने हाल ही … खास बातचीत में उनके किरदार में हुए बदलावों के बारे में बात की… अभिनेता ने कहा कि पहले सीजन से लेकर दूसरे सीजन तक उनके किरदार में काफी बदलाव आए हैं।

उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन से दूसरे सीजन तक आते-आते मे… किरदार में काफी बदलाव आया। पहले सीजन में मेरे किरदार का परिचय सिर्फ एक ‘लॉ इंटर्न’ के तौर पर दिया गया था, लेकिन दूसरे… में, उसके कई नए पहलू सामने आए। लो… को मेरे किरदार ‘निकुंज’ की असलियत पता चली।’ अभिनेत… ने आगे बताया कि सीरीज में उन्हें पुरुषों के उत्पीड़न से जुड़े केस पर काम करने … मौका मिला था। साथ ही मेरे निजी रिश्तों के बारे … भी कई बातें सामने आईं। उन्होंने कहा, ‘इन सभी मु… पर काम करना मेरे लिए काफी दिलचस्प था। पहले सीजन में भी निकुंज कई जगहों पर थोड़ा उलझन में दिखता है, लेकि… वह हर काम पूरी ईमानदारी से करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन में वह नियमों को थोड़ा तोड़-मरोड़कर काम करता है, लेकिन हमेशा किताबों में लिखे नियमों के अनुसार चलता है। इसलिए उसके नाम में भी ‘लॉ’ (कानून) शब्द है। वह हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहता है। अभिनेता ने कहा, ‘दूसरे सीजन में कुछ ऐसी स्थितियां आती हैं, जहां कानूनी किताबें कोई मदद नहीं करतीं। यह किरदार ए… आम इंसान की तरह है। वह डरता भी है, खुश भी होता है और अप… आस-पास के लोगों के साथ शरारतें भी करता है। ये सारी बातें दर्श… को अपने जीवन से जुड़ी हुई लगती हैं। ’मामला लीगल है’ के सीजन 2 में रवि किशन, निधि बिष्ट और अंजुम बत्रा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अवनीत कौर ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

एक्ट्रेस ने कहा- उम्र के साथ लुक में नैचुरल बदलाव हुआ है

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में उनके लुक्स को लेकर चल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर रिएक्ट किया। उन्होंने साफ किया कि उनके लुक में बदलाव उम्र के साथ नैचुरली हुआ है। गौरतलब है कि अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी कराने के दावे किए जाते हैं।

बचपन और अब की फोटो की तुलना करने की सलाह दी

हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत ने इन दावों को लेकर कहा कि वह ऐसे कमेंट्स पर ध्यान नहीं देतीं, लेकिन अगर लोग ऐसा सोच रहे हैं तो उन्हें अपने बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए।

अगर बच्चे नहीं चाहिए, तो शादी क्यों? अविनाश तिवारी ने बदलती सोच पर रखी बेबाक राय

फिल्मी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अविनाश तिवारी अपनी दमदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी सोच और बेबाक विचारों को लेकर भी पहचाने जाते हैं। उन्होंने शादी जैसे अहम विषय पर अपनी राय पेश की है। आईएएनएस से बात करते हुए अविनाश तिवारी ने कहा, ‘आज के दौर में शादी उतनी जरूरी नहीं है, जितनी पहले मानी जाती थी। शादी का महत्व तब ज्यादा होता है, जब कोई व्यक्ति परिवार शुरू करना चाहता है। अगर किसी का परिवार बनाने का इरादा नहीं है, तो शादी करना जरूरी नहीं है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘’बिना शादी के भी दो लोग एक साथ रह सकते हैं और जीवनसाथी बन सकते हैं। किसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी जरूरी नहीं है, बल्कि समझ, सम्मान और आपसी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है।’’ उम्र को लेकर भी अविनाश ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ‘’उम्र का फैक्टर तब सामने आता है, जब कोई बच्चा पैदा करने की योजना बना रहा होता है। यही कारण है कि लोग सही समय पर शादी करने की सलाह देते हैं, ताकि शारीरिक रूप से सब कुछ ठीक रहे, लेकिन अगर कोई व्यक्ति परिवार नहीं बनाना चाहता, तो उसके लिए उम्र कोई बड़ी बाधा नहीं होती और वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जी सकता है।’’ अविनाश तिवारी ने कहा, ‘’समय के साथ समाज की सोच बदल रही है और मेडिकल साइंस में हुई तरक्की ने भी लोगों के नजरिए को बदला है। अब लोग शादी और उम्र को लेकर पहले जैसी सोच नहीं रखते। इसी बदलती सोच को समझाने के लिए ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’’ जैसी फिल्मों में भी इन मुद्दों को दिखाया जा रहा है, ताकि लोग इन पर खुलकर सोच सकें।’’ अपने निजी जीवन को लेकर अविनाश ने कहा, ‘’मेरे आसपास के लोग अक्सर सोचते हैं कि वह शादी के लिए लेट कर चुके हैं, लेकिन वह इस बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते और अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीने में विश्वास रखते हैं।’’ अविनाश तिवारी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ मेधा शंकर भी मुख्य भूमिका में होंगी।

एक्ट्रेस की मां ने उठाया सच से पर्दा

क्या कल्याणी प्रियदर्शन और मोहनलाल के बेटे प्रणव की होने वाली है शादी?

क्या साउथ की चर्चित एक्ट्रेस कल्याणी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। इस खबर में कितनी सच्चाई है, इस बारे में कल्याणी की मां ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है। डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी दक्षिणी भारतीय फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। फिल्म ‘लोका’ में उन्हें काफी सराहा गया। बीते दिनों कल्याणी और एक्टर प्रणव मोहनलाल की शादी को लेकर अफवाहें उड़ने लगीं। इस खबर पर अब कल्याणी की मां ने चुप्पी तोड़ी है।

शादी की खबरों पर कल्याणी की मां ने क्या कहा?

हाल ही में कल्याण की मां लिसी ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह अपने घर के मंदिर में पूजा करती हुई नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, ‘कल्याणी और प्रणव की शादी का इंतजार है।’ तो रिएक्शन में लिसी ने लिखा, ‘यह खबर झूठी है।’

‘हां, फिर से एक्टिंग कर रही हूं’

कंगना रनौत ने की ‘क्वीन 2’ की पुष्टि; दिवंगत गायिका आशा भोसले को किया याद

अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में साल 2014 में आई फिल्म ‘क्वीन’ के सीक्वल की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वे दूसरे पार्ट पर काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने दिवंगत गायिका आशा भोसले को भी याद किया। विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म ‘क्वीन’ (2014) ने कंगना रनौत के करियर को एक अहम मोड़ दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। साथ ही कंगना को इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। दिलचस्प बात यह है कि वर्षों बाद कंगना और विकास इस फिल्म का दूसरा पार्ट ला रहे हैं। कंगना ने भी ‘क्वीन 2’ की पुष्टि कर दी है। कंगना रनौत ने समाचार एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू में फिल्म के सीक्वल पर काम करने की बात कंफर्म की। हालांकि, फिल्म से अन्य जरूरी डिटेल्स के बारे में उन्होंने कुछ नहीं बताया। उनसे जब पूछा गया कि क्या उन्होंने ‘क्वीन 2’ की शूटिंग शुरू कर दी है? तो कंगना ने फिल्ममेकर विकास बहल के साथ अपने कोलैबोरेशन की बात कंफर्म करते हुए कहा, ‘विकास बहल और मैं साथ आ रहे हैं, लेकिन मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकती।

बायोपिक में काम करेंगे आमिर खान

आमिर खान की अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। ये एक बायोपिक फिल्म होगी, जिसमें आमिर एक बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आमिर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ में नजर आए थे। अब आमिर खान की नई फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आ रही है। यह एक बायोपिक फिल्म होने की खबरें हैं।

अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक करेंगे आमिर खान

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक को मंजूरी दे दी है। बिजनेस और स्टार्टअप जगत में उनकी भूमिका की कहानी ने अभिनेता को प्रभावित किया है। आमिर ने इसे पढ़ा है और उन्हें यह बहुत पसंद आई है; इसलिए वो यह फिल्म कर रहे हैं। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। अश्वनीर आज के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, इसलिए यह फिल्म उनसे काफी मिलती-जुलती है।

राहुल मोदी करेंगे फिल्म का निर्देशन

अश्वनीर ग्रोवर की कहानी उनकी किताब ‘दोगलापनः द हार्ड ट्रुथ अबाउट लाइफ एंड स्टार्ट-अप्स’ में बयां की गई है। खबरों के मुताबिक, ‘प्यार का पंचनामा’ सीरीज, ‘सोनू के टिटू की स्वीटी’ और ‘तू झूठी मैं मक्कार’ के लेखक राहुल मोदी इस फिल्म का निर्देशन और निर्माण करेंगे।

आईसीसी ने जारी किया महिला टी20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्रॉफी का शेड्यूल

टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई तक चलेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रवांडा में आयोजित होने वाली पहली महिला टी-20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्राफी का कार्यक्रम जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई तक चलेगा। इसका आयोजन किगाली शहर में होगा, जहां गहांगा क्रिकेट स्टेडियम के दो सटे मैदानों पर मैच खेले जाएंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, पांच टीमों के इस टूर्नामेंट के पहले दिन इटली का मुकाबला मेजबान रवांडा से होगा, जबकि नेपाल का सामना अमेरिका से होगा। वानुअतु को पहले दिन बाई मिली है और 19 अप्रैल को वह रवांडा से भिड़ेगी। यह टूर्नामेंट आईसीसी द्वारा शुरू किया गया एक नया आयोजन है, जिसका उद्देश्य सहयोगी सदस्य टीमों को अधिक अवसर प्रदान करना है। यह इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के साथ जुड़ता है, जिसका पहला संस्करण पिछले नवंबर में हुआ था, और यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अवसरों का विस्तार करने के प्रयासों का हिस्सा है।

इस प्रतियोगिता में आईसीसी के पांचों क्षेत्रों की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें भाग ले रही हैं, जो इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थीं। सभी पांचों प्रतिभागी टीमों ने 2025 के क्षेत्रीय महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर में अपने प्रदर्शन के आधार पर टूर्नामेंट में जगह बनाई है। डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट 2 मई तक चलेगा और इसका उद्देश्य लगातार उच्च गुणवत्ता वाला मैच अनुभव प्रदान करना है। यह पहल वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट को मजबूत करने और उभरती टीमों को मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने के आईसीसी के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

18 अप्रैल
रवांडा बनाम इटली
नेपाल बनाम अमेरिका

19 अप्रैल
रवांडा बनाम वानुअतु
इटली बनाम नेपाल

21 अप्रैल
रवांडा बनाम अमेरिका
वानुआतु बनाम इटली

22 अप्रैल
रवांडा बनाम नेपाल
अमेरिका बनाम वानुअतु

24 अप्रैल
नेपाल बनाम वानुअतु
इटली बनाम अमेरिका

26 अप्रैल
रवांडा बनाम वानुअतु
अमेरिका बनाम नेपाल

27 अप्रैल
रवांडा बनाम इटली
अमेरिका बनाम वानुअतु

28 अप्रैल
रवांडा बनाम नेपाल
इटली बनाम वानुअतु

3 अप्रैल
इटली बनाम अमेरिका
नेपाल बनाम वानुअतु

1 मई
रवांडा बनाम अमेरिका
इटली बनाम नेपाल

यह आयोजन महिला टी20 वर्ल्ड कप के विस्तार के अनुरूप भी है, जिसमें 2026 तक 12 टीमें शामिल हो जाएंगी और 2030 तक 16 टीमों तक विस्तार करने की योजना पहले ही पुष्ट हो चुकी है। नेपाल और अमेरिका इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के रूप में प्रवेश कर रहे हैं, क्योंकि दोनों ने इस वर्ष की शुरुआत में हुए नवीनतम ग्लोबल क्वालीफायर में भाग लिया था। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज नेपाल, प्रतियोगिता में सबसे उच्च रैंकिंग वाली टीम है। वहीं, वर्तमान में 30वें स्थान पर काबिज वानुअतु ने पिछले साल फिजी में आयोजित ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना स्थान पक्का किया, जहां उन्होंने 20वें स्थान पर काबिज इंडोनेशिया को हराया था।

अगले हफ्ते धोनी आईपीएल में वापसी कर सकते हैं

वानखेड़े या चेपॉक में खेल सकते हैं; अभी काफ इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले हफ्ते आईपीएल में वापसी कर सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने टीम सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि उनकी चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और वह आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। धोनी को आईपीएल शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती तीन हफ्तों में नहीं खेल पाए।

अब उनकी वापसी को लेकर कयास तेज हो गए हैं। संभावना है कि धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वह 26 अप्रैल को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेपॉक स्टेडियम में खेलते नजर आ सकते हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर हो सकता है इस्तेमाल

धोनी की वापसी के बाद सीएसके उन्हें किस भूमिका में रखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। वर्तमान में संजू सैमसन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संभावना है कि वे ही इसे जारी रखेंगे। ऐसे में टीम धोनी को 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। इससे धोनी पर विकेटकीपिंग और दौड़ने का अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा और टीम उनकी पावर-हिटिंग का फायदा उठा सकेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे – चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। हालांकि, इस मैच में धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे। टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सीएसके के सूत्रों ने कहा, धोनी अभी रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हम उनकी फिटनेस के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है।

प्रैक्टिस सेशन में की लंबी बल्लेबाजी, रेंज हिटिंग पर फोकस – भले ही धोनी मैच नहीं खेल रहे हैं, लेकिन वे नेट प्रैक्टिस में लगातार पसीना बहा रहे हैं। धोनी ने हाल ही में नेट्स पर लंबी बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने अपनी रेंज हिटिंगपर खास काम किया। नेट सेशन के दौरान धोनी पुराने अंदाज में लंबे छक्के लगाते दिखे, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वे अपनी लय हासिल कर चुके हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का, स्पेन (एजेंसी)। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है, उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुक़ाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौंथे स्थान पर रहे। निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार

बाजियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के खिलाफ़ दोनों बाजियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के खिलाफ़ उन्होंने एक एक बाजी जीती, चार बाजियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, गुकेश नें चौंथे राउंड में हरिकृष्णा, छठे राउंड में डोमिंगेज के खिलाफ़ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी पर वह उसे बरकरार नहीं रख पाये हालांकि नौवे राउंड में उन्होंने हरिकृष्णा को मात देकर तीसरी जीत दर्ज की थी, गुकेश नें कुछ दिन पहले क्लासिकल शतरंज से थोड़ा ब्रेक लेने का निर्णय लिया था और इस साल के अंत में उन्हें अब उज़्बेकिस्तान के जवोखीर सिंदारोव के खिलाफ़ अपने खिताब की रक्षा करने के लिए उतरना है।

डी कॉक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ जड़ा धमाकेदार शतक, टूट गया धोनी का रिकॉर्ड

आईपीएल में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज़्यादा 50+ स्कोर
- 31 – केएल राहुल
- 25 – क्विंटन डी कॉक*
- 24 – एमएस धोनी
- 21 – दिनेश कार्तिक
- 21 – ऋषभ पंत
- 20 – संजू सैमसन

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के ओपनर क्विंटन डी कॉक ने धमाकेदार बल्लेबाजी की. आईपीएल 2026 में पहला मैच खेल रहे डी कॉक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शतक जड़ा. यह इस सीजन का दूसरा शतक और डी कॉक का तीसरा शतक है. वहीं आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए डी कॉक का यह पहला शतक है। डी कॉक ने 53 बॉल में अपना शतक पूरा किया. यह उनका तीसरा आईपीएल शतक है. इससे पहले उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए यह कारनामा किया था. डी कॉक ने 60 बॉल में 112 रन की पारी खेली. उनकी इस पारी में आठ चौके और सात छक्के शामिल थे. 2014 में मोहाली में लेंडल सिमंस के 100* (61) के बाद आईपीएल में पीबीकेएस के खिलाफ मुंबई के किसी बल्लेबाज की तरफ से बनाया गया यह दूसरा शतक है डी कॉक ने नमन धीर (50) के साथ 122 रन की साझेदारी की, जिससे मुंबई इंडियंस की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 195 रन बनाए।

आईपीएल में डी कॉक का शतक

- 108 (51), डीडी बनाम आरसीबी, बेंगलुरु, 2016
- 140* (70), एलएसजी बनाम केकेआर डीबाय पाटिल, 2022
- 101* (53), मुंबई बनाम पीबीकेएस बानखेड़े, 2026

डी कॉक ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

डी कॉक ने इस पारी के साथ एमएस धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ डाला. वह आईपीएल में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 25 बार यह कारनामा किया है. धोनी ने बतौर विकेटकीपर आईपीएल में 24 बार 50 प्लस का स्कोर बनाया है।

अर्शदीप सिंह का मुंबई के खिलाफ डबल-स्ट्राइक, लगाई शानदार 'सेंचुरी'

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 24वां मैच मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है. मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेले जा रहे इस मैच में श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी का न्योता दिया. मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अर्शदीप सिंह ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया. अपने दूसरे ही ओवर में उन्होंने मुंबई को लगातार गेंदों पर दो झटके दे दिए. इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए।

- **आईपीएल में 100 विकेट पूरे किए** – मुंबई की पारी के तीसरे ओवर में बाएं हाथ के इस पेसर ने पहले रियान रिकल्टन का विकेट लिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ऑन साइड की गेंद पर हवाई फ्लिक किया. यह गेंद बहुत अच्छी नहीं थी लेकिन रिकल्टन इसका फायदा नहीं उठा पाए. गेंद टप्पा खाने के बाद उनके पैड पर आई. रिकल्टन का शॉट हालांकि सीधा फील्डर के हाथों में गया. डीप स्क्वेअर लेग पर खड़े शशांक सिंह ने आसान सा कैच लपका.
- **हार्दिक पंड्या के आईपीएल में 150 सिक्स पूरे** – 18वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पंड्या ने छक्का लगाकर आईपीएल में अपने 150 सिक्स पूरे किए। मार्को यानसन की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर हार्दिक ने सामने की ओर शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के पार गई। 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या आउट हो गए।

विपराज ने कहा-स्टेट लीग के अनुभव ने बढ़ाया मेरा कॉन्फिडेंस

आईपीएल जैसे हाई-प्रेशर टूर्नामेंट में तैयारी के लिए मिलता है बहुत कम समय

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल जैसी दुनिया की सबसे तेज और हाई-प्रेशर लीग में खेलने के लिए यंग प्लेयर्स को मानसिक रूप से मजबूत होना पड़ता है। 21 साल के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी विपराज ने बताया कि इस लेवल पर परफॉर्म करने के लिए स्टेट लीग का अनुभव और प्रैक्टिस कैंप की प्लानिंग सबसे ज्यादा काम आती है। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर विपराज निगम ने आईपीएल 2026 के राइवलरी वीक के दौरान गुरुवार को जियोस्टार प्रेस रुम में मीडिया से बात की।

प्रैक्टिस सेशन में ही मैच की प्लानिंग

विपराज ने कहा, आईपीएल एक बहुत ही फास्ट लीग है, जहां खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और खेल के बारे में सोचने के लिए बहुत कम समय मिलता है। इसी वजह से वे अपने प्रैक्टिस सेशन्स और कैंप्स के दौरान ही यह तय कर लेते हैं कि मैच में किस तरह का प्रदर्शन करना है। वे अपनी प्लानिंग के अनुसार ही प्रैक्टिस सेशन में खुद को ढालते हैं।इसके अलावा विपराज ने अपनी सफलता में स्टेट लीग की भूमिका को अहम बताया।

कौन हैं विपराज निगम?

विपराज निगम का जन्म 28 जुलाई, साल 2004 में उत्तर प्रदेश में हुआ था। आईपीएल 2025 के लिए हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स की फ्रेंचाइजी ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था। विपराज दाहिने हाथ से बल्लेबाजी के साथ-साथ लेगब्रेक गेंदबाजी करने में माहिर हैं।

डेब्यू पर सुर्खियां बटोरीं

विपराज का डेब्यू शानदार रहा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू करते हुए रुस्त्र के खिलाफ मैच में 15 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी और एक विकेट (ऐडन मार्करम) लेकर सुर्खियां बटोरीं। विपराज ने यह पारी तब खेली जब दिल्ली कैपिटल्स 13वें ओवर में 113/6 पर थी और 210 के टारगेट का पीछा कर रही थी।

विपराज का घरेलू करियर

विपराज ने करियर की शुरुआत बतौर बैटिंग-ऑलराउंडर की थी। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अब तक 6 मैच खेले हैं। इस बीच उनको 10 पारियों में 20 विकेट लिए हैं। इसके अलावा लिस्ट में 16 मैच में 19, जबकि 31 टी-20 33 विकेट चटकाए हैं। फर्स्ट क्लास की 9 पारियों में 135, लिस्ट ए की 7 पारियों में 48 और टी-20 में 241 रन बनाए हैं।

क्रिकेट कनाडा में करप्शन को लेकर आईसीसी की जांच

टी-20 वर्ल्डकप में न्यूज़ीलैंड और कनाडा का मैच भी शक के दायरे में

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के दो मामलों की जांच कर रही है। इस जांच के दायरे में हाल ही में भारत और श्रीलंका में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप का एक मैच भी शामिल है। इसके अलावा, इंटरनेशनल और घरेलू लेवल पर एंटी-करप्शन कोड के संभावित उल्लंघनों की भी पड़ताल की जा रही है। आईसीसी ने यह जांच कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी के कार्यक्रम में प्रसारित डॉक्यूमेंट्री 'करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेट' में लगाए गए आरोपों के बाद शुरू की। 43 मिनट की इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच का एक ओवर शक के घेरे में – डॉक्यूमेंट्री में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कनाडा और न्यूज़ीलैंड के बीच हुए मैच का जिक्र किया गया है।

रिकॉर्ड जीत के साथ 'कैंडिडेट्स' जीते 20 साल के सिंदारोव

अब 19 वर्षीय गुकेश से सामना; दोपहर में नींद से बचने के लिए चुना था चेस

पेजिया (साइप्रस) (एजेंसी)। उज्बेकिस्तान के 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने 'कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट' जीता। 13 मैचों में अजेय रहते हुए उन्होंने 6 जीत दर्ज की, जो 2013 में राउंड रॉबिन फॉर्मेट आने के बाद से इस टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है। अब वर्ल्ड चैम्पियनशिप में उनका सामना भारत के मौजूदा चैम्पियन 19 साल के डी. गुकेश से होगा। सिंदारोव के पास 2004 के बाद उज्बेकिस्तान को पहला और ओवरऑल सिर्फ दूसरा चैम्पियन देने का मौका है। दूसरी ओर, गुकेश

इन दिनों फॉर्म से जूझ रहे हैं और टॉप-10 से भी बाहर हो गए हैं।

सिंदारोव - कभी वीडियो गेम्स की लत लग गई थी - सिंदारोव ने साढ़े चार साल की उम्र में किंडरगार्टन में दोपहर की नींद से बचने के लिए शतरंज चुना। ट्रेनिंग के बाद 6 महीने में ही दादाजी को हराने लगे और 12 की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर्स में शुमार हो गए। बीच में वीडियो गेम्स की लत के कारण उनकी रेटिंग गिर गई। हालांकि, कोविड में वापस करियर पटरी पर लाए।

- **गुकेश – चैम्पियंस का वॉलपेपर लगाकर तैयारी करते** – गुकेश के लैपटॉप का वॉलपेपर दुनिया के 16 विश्व चैम्पियनों की तस्वीरों से सजा था। वे रोज उसे देखते और उन्हीं के बीच होने का सपना बुनते। दिसंबर 2024 में जब खुद विश्व चैम्पियन बने, तो उस ऐतिहासिक फेहरिस्त में उनका नाम भी जुड़ गया। 2021 के लॉकडाउन में उन्हें फिल्मों की ऐसी लत लगी कि वे दिन में दो-दो फिल्में देखने लगे। जैसे ही अहसास हुआ कि यह शतरंज को नुकसान पहुंचा रहा है, उन्होंने तुरंत फिल्मों पर ब्रेक लगा दिया। दही-चावल खाने के शौकीन गुकेश को शतरंज का जुनून ऐसा था कि क्लास टॉपर होने के बावजूद चौथी क्लास के बाद स्कूल छोड़ दिया था।

नोएडा में औद्योगिक इकाइयां पूरी तरह से चालू, पुलिस की कड़ी निगरानी

नोएडा। वेतन वृद्धि की मांग के चलते प्रभावित हुआ औद्योगिक इकाईयों का पहिया बृहस्पतिवार को पूरी तरह से घूमा। पुलिस अधिकारियों ने शत प्रतिशत इकाथ्यों के खुलने और वहां पर शांतिपूर्ण तरीके से काम होने का दावा किया। उधर, पुलिस ने पीएसी के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में सुबह शाम गश्त की। पुलिसकर्मी बड़ी इकाथ्यों के बाहर तैनात भी रहे। प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस की नजर है। जिले में तीन दिनों तक बाहरी फोर्स के रहने का अनुमान है। गौतमबुद्ध नगर में कर्मियों के प्रदर्शन के चलते कमिश्नरेट में पुलिसकर्मियों

की छुट्टी को रद कर दिया गया था। जिले की पांच हजार पुलिसकर्मियों की फोर्स के अलावा 15 कंपनी पीएसी के अलावा एक कंपनी आरएएफ भी तैनात है। जिले में शांतिव्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी जनपदों से भी पुलिस अधिकारी और कर्मियों को बुलाया गया है। अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि बृहस्पतिवार को शत प्रतिशत फैक्ट्रियां खुलीं और उनमें शांतिपूर्ण तरीकों से शिफ्ट का संचालन कराया गया। कहीं पर भी किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि जिले में आपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगे कैमरे, फैक्ट्रियों के कैमरों के अलावा इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हिंसा के दौरान की हजारों वीडियो को खंगाला जा रहा है।

इन वीडियो के आधार पर प्रदर्शन में शामिल आरोपितों को चिह्नित कराया जा रहा है। इस काम में फैक्ट्री प्रबंधन भी लगा हुआ है। हिंसा में शामिल कर्मियों को चिह्नित करने का भी काम हो रहा है। इससे बाहरी और कर्मियों का अंतर भी किया जा रहा है। सेक्टर 59 स्थित स्पार्क मिंडा फैक्ट्री के बाहर पुलिस ने सुबह आठ बजकर 50 मिनट पर गेट बंद करा दिया था।

दिल्ली में गर्मी की बढ़ती रफ्तार पर लगेगी लगाम, चलेगी तेज हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गर्मी ने अब रफ्तार पकड़ ली है। तापमान में भी तेजी से वृद्धि

हो रही है। गुरुवार को भी दिन भर तीखी धूप खिले रहने से लोग गर्मी से बेहाल दिखे। हालांकि मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए गर्जन वाले बादल बनने और कहीं कहीं बूंदाबांदी होने की भी संभावना जताई है। यह बात अलग है कि इससे गर्मी की चुभन और तापमान में बहुत फर्क नहीं पड़ने की संभावना नहीं है। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री कम 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 73 से 19 प्रतिशत रहा। रिज क्षेत्र दिल्ली का सबसे गर्म इलाका रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान सामान्य से दो से चार डिग्री तक अधिक चल रहा है, जिससे लोगों को दिन के समय तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, इसलिए लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे गरज चमक के साथ राजधानी में दोपहर या शाम को बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। इस की बीच 10 से 15 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से अलग अलग समय पर उत्तर पूर्वी तथा उत्तर पश्चिमी हवा चलने की संभावना है। शनिवार को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने के बाद आसमान साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

किसी बड़े हादसे का इंतजार, दिल्ली के यमुनापार में जर्जर हुआ फुटपाथ; लोग सड़क पर चलने को मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार इलाके में टूटे और जर्जर फुटपाथ के चलते लोग खतरा मोल लेकर सड़कों पर पैदल चलने पर मजबूर हैं। स्वामी दयानंनद मार्ग, मयूर विहार, खजूरी खास, करावल नगर, गोकुलपुरी और सोनिया विहार जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में फुटपाथ पूरी तरह टूट चुके हैं, जिससे पैदल चलना लोगों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। जगह-जगह से क्षतिग्रस्त फुटपाथ, फैली गंदगी और बड़े पैमाने पर अतिक्रमण ने हालात को बदतर बना दिया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि कई स्थानों पर फुटपाथों का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है। लोगों को मजबूरन व्यस्त सड़कों पर चलना पड़ रहा है, जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, स्कूली बच्चों और महिलाओं को झेलनी पड़ रही है। वर्षा के दिनों में यह समस्या और विकराल हो जाती है, जब जलभराव के कारण रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो जाते हैं। मयूर विहार निवासियों का आरोप है कि नगर निगम और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को बार-बार शिकायतें देने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही ने लोगों को सड़क पर डरकर सफर करना पड़ता है। नागरिकों का कहना है कि यह केवल सुविधा का मुद्दा नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और जीवन से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर फुटपाथों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सामान्य जनजीवन बहाल हो सके। यह समस्या नई नहीं है, सालों से चली आ रही है। नगर निगम और पीडब्ल्यूडी दोनों ही जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं। अगर समय पर मरम्मत और सफाई होती, तो हालात इतने खराब नहीं होते। हसनपुर और पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में फुटपाथ नाम की कोई चीज नहीं बची है। जगह-जगह टूटे पड़े हैं और ऊपर से अतिक्रमण ने हालात और खराब कर दिए हैं। सड़क पर चलना मजबूरी है, जिससे हादसे का डर बना रहता है। जिला विकास समिति के अध्यक्ष अनिल गोयल ने बताया कि विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। जल्द ही फुटपाथ की मरम्मत का काम शुरू होगा। इसके साथ ही जिन स्थानों पर फुटपाथ नहीं हैं, वहां नए फुटपाथ बनाए जाएंगे।

जुर्माना माफी योजना बढ़ी; मीटर प्रणाली में भी होगा सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। पानी के गलत बिल से उपभोक्ता परेशान हैं। इस कारण लोग बकाया पानी बिल पर जुर्माना राशि माफी योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी गलत बिल की समस्या को स्वीकार किया है। इस कारण जुर्माना माफी योजना 15 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। अब इसमें सुधार के लिए पानी के मीटर प्रणाली में सुधार की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। दिल्ली में इस समय लगभग 30 लाख मीटर वाले पानी के कनेक्शन हैं। पूरी प्रणाली की समीक्षा और उसके बाद सुधार के कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि खराब मीटर या गलत रीडिंग के कारण उपभोक्ताओं को गलत बिल मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इस समय घरेलू कनेक्शन के लिए नौ कंपनियों के मीटर के 10 माडल पैनल में शामिल हैं। पानी के गलत बिल की बढ़ परेशानी को देखते हुए पिछले महीने जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने सभी कनेक्शन का विवरण तैयार करने का निर्देश दिया था। नए पैनल में शामिल होने के लिए कंपनियों को जल बोर्ड के सुझावों और तकनीकी संशोधनों को लागू करना होगा।

प्रेम नगर में 30 साल से सड़क बनने का इंतजार, अंधेरे में डूबा रहता है इलाका; कब टूटेगी अफसरों की नींद?

25 से 30 वर्षों से इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-यूपी बॉर्डर के प्रेम नगर चौक से सबोली होते हुए एमसीडी टोल टैक्स से अमित विहार तक सड़क की हालत बेहद दयनीय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले करीब 25 से 30 वर्षों से इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। जगह-जगह गड्ढों और टूटी सड़क के कारण आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा इलाके में स्ट्रीट लाइटों की भी गंभीर कमी है, जिसके कारण पूरा क्षेत्र रात के समय अंधेरे में डूबा रहता है। स्थानीय निवासी अजय ने बताया कि अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व घरों में चोरी कर लेते है जिससे लोग काफी परेशान है। सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार स्थानीय विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराया जाए और स्ट्रीट लाइटें लगाकर इलाके को रोशन किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और आवागमन सुरक्षित हो सके। जल्द ही सड़क का टेंडर पास करवाकर निर्माण कार्य करवाया जाएगा। स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी। कई साल से गंदगी में गुजर बसर कर रहे हैं। विधायक को कई बार शिकायत दी परंतु कोई समाधान नही हुआ। सड़क पर अंधेरे की वजह से काफी डर लगता है। जनप्रतिनिधियों से आग्रह है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए। प्रेम नगर में एक भी स्ट्रीट लाइटें नही है लोगों ने अपने घरों के बाहर खुद ही रोशनी के इंतजाम किए हुए है। नाली ओवरफ्लो रहती है और बरसात के दिनों में आवागमन बाधित हो जाने से काफी परेशानी आती हैं। पिछले कई वर्षों से इसी बदहाली से लोग आवाजाही कर रहे हैं, आए दिन लोग सड़क पर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। हालात यह है कि अंधेरा होते महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घर से बाहर निकलना बंद कर देते हैं।

रिटायर्ड ऑटो इंजीनियर ऑनलाइन निवेश ठगी का शिकार हो गए

दिल्ली में रिटायर्ड इंजीनियर से ठगे 2.7 करोड़, बेटी के भविष्य के लिए बचाई रकम गंवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में कृष्णा नगर निवासी 77 वर्षीय रिटायर्ड ऑटो इंजीनियर एक सुनियोजित ऑनलाइन निवेश ठगी का शिकार हो गए। आरोप है कि फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें ऊंचे मुनाफे का लालच देकर करीब 2.7 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आर्थिक अपराध शाखा ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उनके मोबाइल पर एक वॉट्सऐप मैसेज आया, जिसके बाद उन्हें एक ग्रुप में जोड़ लिया गया। इस ग्रुप में करीब 100 से अधिक सदस्य थे और रोजाना शेयर बाजार से जुड़े टिप्स, निवेश के सुझाव और भारी मुनाफे के स्क्रीन-शॉट साझा किए जाते थे। ग्रुप को संचालित करने वाला व्यक्ति खुद को एक नामी ट्रेडिंग कंपनी का डायरेक्टर बताता था और निवेशकों को भरोसा दिलाता था कि उनके जरिए निवेश करने पर कम समय में बड़ा फायदा होगा। धीरे-धीरे पीड़ित को एक मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड कर निवेश करने के लिए कहा गया। यह ऐप बिल्कुल असली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसा दिखता था। शुरुआत में छोटे-छोटे मुनाफे दिखाकर उनका भरोसा जीता गया। इसके बाद उन्होंने अपने और पत्नी के बैंक खातों से बड़ी

रकम निवेश करनी शुरू कर दी। कुछ ही समय में ऐप में उनका पोर्टफोलियो 8 करोड़ रुपये से अधिक दिखने लगा, जिससे वे और ज्यादा निवेश करने के लिए प्रेरित हुए। मार्च के शुरुआती दिनों में उन्हें एक कंपनी में बड़े निवेश का ऑफर दिया गया, जिसमें लाखों शेयर आवंटित होने की बात कही गई। पीड़ित ने इस पर भरोसा कर और रकम डाल दी। लेकिन जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की तो हर बार तकनीकी दिक्कत या अन्य कारण बताकर टाल दिया गया। लगातार प्रयास के बावजूद जब कोई पैसा वापस नहीं मिला, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने बताया कि यह रकम उन्होंने अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचाकर रखी थी, जो हाल ही में विदेश से वापस आई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2006 में बेटे की सड़क हादसे में मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी और अब यह नुकसान उनके लिए बेहद भारी पड़ रहा है। परिवार इस समय आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज किया गया है और जांच के दौरान बैंक ट्रांजेक्शन, डिजिटल साक्ष्य और संदिग्ध खातों की जांच की जा रही है।

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया दोस्त; तरनजीत संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल बनने पर दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोन पर बात की। पीएम मोदी ने साथ अपनी बातचीत को ट्रंप ने बहुत अच्छा बताया है। ट्रंप ने मोदी को अपना एक अच्छा दोस्त कहा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रंप ने यह बात वॉशिंगटन में पत्रकारों से कही। वह उस समय लास वेगास में एक बैठक के लिए जा रहे थे। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर चर्चा की। वहां अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध चल रहा है। हालांकि, सात अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच दो हफ्ते के लिए युद्ध विराम हुआ था। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश छोड़ दे। इस युद्ध की वजह से तेल-गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता रोक दिया है। दुनिया का 20 प्रतिशत तेल इसी रास्ते से गुजरता है। ट्रंप और पीएम मोदी ने इस रास्ते को खुला और सुरक्षित रखने की अहमियत पर भी जोर दिया। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्गेई गोर ने बताया कि यह बातचीत करीब 40 मिनट तक चली। बातचीत के आखिर में ट्रंप ने मोदी से कहा, 'हम सब आपसे प्यार करते हैं।' 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी फोन कॉल थी। इसके साथ ही ट्रंप ने सर्गेई गोर को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनने पर बधाई दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर संधू को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संधू एक अनुभवी राजनयिक हैं। उन्होंने भारत और अमेरिका के रिश्तों को मजबूत करने के लिए हमेशा गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। संधू 2020 से 2024 तक अमेरिका में भारत के राजदूत रहे थे।

उन्हें पांच मार्च को दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। भारतीय विदेश सेवा से रिटायर होने के बाद संधू भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव अमृतसर सीट से लड़ा था, लेकिन वह चुनाव हार गए थे।

अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ाया

26 लोगों के वीजा पर लगाई रोक

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिकी राज्य डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि वह पश्चिमी क्षेत्र में अपनी वीजा प्रतिबंध नीति को बढ़ा रहा है और 26 लोगों पर रोक लगाई है। राज्य विभाग ने एक बयान में कहा कि यह नीति उन लोगों को टारगेट करती है जो अमेरिका के दुश्मनों की तरफ से अमेरिकी हितों को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। राज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी साफ करती है: यह सरकार दुश्मन ताकतों को जरूरी संपत्तियों पर मालिकाना हक या कंट्रोल करने या हमारे इलाके में अमेरिकी सुरक्षा और खुशहाली को खतरा पहुंचाने की काबिलियत से दूर रखेगा। राज्य विभाग देश में अमेरिकी लीडरशिप को आगे बढ़ाने, हमारे देश की रक्षा करने और हमारे पूरे इलाके में जरूरी रास्तों और इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।' अमेरिकी राज्य विभाग ने मौजूदा वीजा प्रतिबंध नीति में एक बड़े बदलाव का ऐलान किया। राज्य विभाग ने कहा, 'यह बढ़ी हुई नीति हमें अपने इलाके के उन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा पर रोक लगाने में मदद करती है, जो पश्चिमी गोलार्ध के देशों में रहते हुए और जानबूझकर दुश्मन देशों, उनके एजेंटों या कंपनियों की तरफ से काम करते हुए, ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, मंजूरी देते हैं, उनकी फंडिंग करते हैं, उन्हें बड़ा समर्थन देते हैं, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं और उन्हें कमजोर करती हैं। ये लोग और उनके करीबी परिवार के सदस्य आम तौर पर अमेरिका में एंट्री के योग्य नहीं होंगे।'

अमेरिकी राज्य विभाग ने बताया कि इन गतिविधियों में जरूरी संपत्ति और रणनीतिक संसाधन हासिल करने या कंट्रोल करने में दुश्मन ताकतों की मदद करना; क्षेत्रीय सुरक्षा की कोशिशों को अस्थिर करना; अमेरिकी आर्थिक हितों को कमजोर करना और हमारे इलाके के देशों की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने के लिए डिजाइन किए गए प्रभावी ऑपरेशन चलाना शामिल हैं।

अमेरिकी राज्य विभाग ने 26 लोगों के वीजा पर प्रतिबंध लगाए हैं और कहा, 'हमने देश में 26 ऐसे लोगों पर वीजा बैन लगाए हैं जो इन गतिविधियों में शामिल रहे हैं। ट्रंप सरकार देश की सेफ्टी और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए हर मौजूद टूल का इस्तेमाल करेगा।'

तलाक का फैसला आने से पहले पूर्व गवर्नर ने पत्नी को तहखाने में मारी गोली

नार्फाक, एजेंसी। वर्जीनिया के एक्स- गवर्नर जस्टिन फेयरफैक्स, जो कभी डेमोक्रेटिक पार्टी के उभरते नेताओं में गिने जाते थे उनसे जुड़ी एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पुलिस और अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, पत्नी से चल रहे तलाक केस के बीच में कोर्ट का फैसला आने से पहले ही पूर्व गवर्नर ने पत्नी को गोली मार दी जिसके बाद खुद भी आत्म हत्या कर ली। फेयरफैक्स काउंटी पुलिस प्रमुख केविन डेविस ने बताया कि गुरुवार तड़के वाशिंगटन डीसी के उपनगर एनांडेल स्थित घर पर पहुंची पुलिस को वहां 47 वर्षीय फेयरफैक्स और उनकी 49 वर्षीय पत्नी डॉ. सेरिना फेयरफैक्स के शव मिले। डेविस ने बताया कि जस्टिन फेयरफैक्स ने अपनी पत्नी को तहखाने में गोली मारकर हत्या कर दी, फिर ऊपर के बेडरूम में जाकर खुद को भी मार डाला। उनके बेटे ने 911 पर कॉल किया। जस्टिन फेयरफैक्स के एक पुराने मित्र ने बताया कि पिछले साल पत्नी द्वारा तलाक के लिए अर्जी देने के बाद से वे लगातार निराशा में डूबे रहते थे। तलाक की कार्यवाही की देखरेख कर रहे न्यायाधीश ने हाल ही में लिखा कि उनका अकेलापन, शराब पीना और पारिवारिक जीवन में भागीदारी की कमी से जूझ रहे थे। बता दें कि जस्टिन फेयरफैक्स और सेरिना की दोस्ती ड्यूक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2006 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इजरायल-लेबनान सीजफायर का किया स्वागत

बेरूत, एजेंसी। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आखिरकार राहत की खबर सामने आई है। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच 10 दिनों का युद्धविराम लागू हो गया। इस सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही कर दी थी। इस कदम का उद्देश्य पिछले एक महीने से जारी हिंसक संघर्ष को रोकना है, जिसमें 2,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जैसे ही युद्धविराम लागू हुआ, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसका स्वागत किया और सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम उन सभी कदमों का स्वागत करते हैं जो 'ब्लू लाइन' के दोनों ओर हिंसा और पीड़ा को समाप्त करने में मदद करें। उन्होंने संबंधित पक्षों से इस युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने की अपील भी की। गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम की घोषणा का स्वागत करता हूं और इसे संभव बनाने में अमेरिका की भूमिका की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे इस संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में बातचीत का रास्ता खुलेगा और इस क्षेत्र में स्थायी और व्यापक शांति की

दिशा में चल रहे प्रयासों में मदद मिलेगी। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे संघर्ष-विराम का पूरी तरह सम्मान करें और हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें।' वहीं, अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-गीत ने इस समझौते को लेबनान के लोगों की पीड़ा कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने सभी पक्षों से तुरंत इसका पालन करने और स्थायी शांति के लिए गंभीर बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने भी इस युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युद्ध को रोकना है। मिस्र ने इसे क्षेत्रीय तनाव कम करने और इजरायली हमलों को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस युद्धविराम को स्थायी बनाने, मानवीय सहायता पहुंचाने और विस्थापित लोगों की घर वापसी सुनिश्चित करने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने भी इस पहल का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि यह क्षेत्र में स्थिरता और स्थायी शांति की दिशा में एक मजबूत आधार बनेगा। पिछला युद्धविराम भी पूरी तरह सफल नहीं रहा था और लगभग रोजाना हमले जारी रहे। यह संघर्ष 2 मार्च को फिर भड़क गया।

ओवरब्रिज निर्माण कार्य के दौरान हादसा

- एक मजदूर गंभीर रुप से घायल
- सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी
- स्थानीय लोगों में रोष, प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। वासेपुर के गुलजारबाग इलाके में बन रहे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के दौरान एक गंभीर हादसा सामने आया है। इस दुर्घटना में मजदूर मोहम्मद मासूम का एक पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने घायल को तुरंत शहर के असर्फी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुगार्पुर रेफर कर दिया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य कर रही कंपनी सुरक्षा मानकों की पूरी तरह अनदेखी कर रही है।

स्थानीय समाजसेवी जूली परवीन के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और ओवरब्रिज का काम तुरंत बंद करवा दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस क्षेत्र में यह निर्माण कार्य हो रहा है, वह घनी आबादी वाला इलाका है। यहां छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते रहते हैं, बावजूद इसके कंपनी द्वारा किसी भी तरह की सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई है। लोगों ने यह भी बताया कि सड़क के दूसरे हिस्से में कंपनी द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है, लेकिन जहां आबादी अधिक है, वहां लापरवाही बरती जा रही है।

घटना के बाद कंपनी के कर्मचारी और प्रबंधक काम छोड़कर मौके से फरार हो गए, जिससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि जब तक निर्माण कार्य पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ नहीं किया जाएगा, तब तक काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से भी इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

समस्याओं को ले जनता मजदूर संघ की आमसभा

धनबाद। लोयाबाद के बांसजोड़ा कटा घर के अंदर शुक्रवार को जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) की ओर से मजदूरों की समस्याओं को लेकर आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में मजदूर शामिल हुए और अपनी परेशानियों को साझा किया। सभा में मुख्य रूप से कोयला लोडिंग कार्य नियमित रूप से नहीं होने से हो रही दिक्कतों पर चर्चा की गई। मजदूरों ने बताया कि अनियमित काम के कारण उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है।

संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह ने कहा कि बैठक में मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रबंधन से मिलकर इन मुद्दों को रखा जाएगा और समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोयला लोडिंग कार्य नियमित रूप से नहीं होने से हो रही दिक्कतों, मजदूरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था, धूप से बचने के लिए शेड और आउटसोर्सिंग में नियोजन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई है।

बीएसएल प्रबंधन एवं व श्रमिक संगठनों के बीच बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो निवास में बीएसएल शीर्ष प्रबंधन एवं संयंत्र के विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संयंत्र की वर्तमान प्रगति और आगामी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी द्वारा स्वागत संबोधन से किया गया, जिसमें उन्होंने संयंत्र के लक्ष्यों की प्राप्ति में श्रमिकों के सामूहिक योगदान की सराहना की।

इसके पश्चात निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने अपने संबोधन में गत वर्ष की उपलब्धियों, आगामी लक्ष्यों और आने वाली परियोजनाओं की जानकारी साझा करते हुए इस्पात उद्योग की वर्तमान चुनौतियों तथा बोकारो इस्पात संयंत्र की भावी

योजनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान पीपीसी, प्रोजेक्ट्स एवं मानव संसाधन विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें संयंत्र के परिचालन प्रदर्शन और विकासात्मक परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति साझा की गई।बैठक में बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन, बोकारो इस्पात कामगार यूनियन , इस्पात मजदूर मोर्चा, क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ, बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ, क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ तथा जय झारखंड मजदूर समाज के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। बैठक में उपस्थित वरीय अधिकारीयों ने श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने बैठक के दौरान विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि संयंत्र की प्रगति में श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता अहम है। उन्होंने रेखांकित किया कि निरंतर आपसी संवाद और समन्वय के माध्यम से ही बोकारो इस्पात संयंत्र में एक सुरक्षित, समृद्ध एवं उच्च उत्पादक कार्य-संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

बैठक का संचालन एवं समन्वय महाप्रबंधक प्रभाकर कुमार द्वारा किया गया। अंत में मुख्य महाप्रबंधक अंजनी कुमार शरण ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। यह बैठक प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच आपसी समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है। नियमित रूप से आयोजित होने वाले ऐसे द्विपक्षीय संवाद न केवल कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण निर्मित करते हैं, बल्कि संगठनात्मक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के साथ-साथ एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति को भी सुदृढ़ करते हैं।

जनता दरबार में मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (जनता दरबार) कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आम जनता की समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 28 से अधिक आवेदकों की शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया गया। डीडीसी ने प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में सहकारिता विभाग, स्थापना शाखा, चास अंचल, शिक्षा विभाग, राजस्व विवाद, सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। सभी मामलों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए त्वरित समाधान की दिशा में पहल की गई। निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडीओ एवं सीओ द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की गई। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव था, उनका तत्काल निष्पादन किया गया। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, परियोजना पदाधिकारी मानिकचंद्र प्रजापति सहित अन्य उपस्थित थे।

आइओसीएल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में मॉक ड्रिल का आयोजन

आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का किया गया आकलन

आपात स्थिति से निबटने की दी गयी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को आइओसीएल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में आग की आपात स्थिति के दौरान तत्परता एवं प्रतिक्रिया क्षमता आकलन हेतु मॉक ड्रिल आयोजित किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान ऐसा दिखाया गया कि सिलेंडरों की अनलोडिंग के समय एक टैंक ट्रक (टीटी) के केबिन में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल आपातकालीन अलार्म सक्रिय किया गया एवं इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

अग्निशमन दल द्वारा उपयुक्त अग्निशामक यंत्रों के माध्यम से आग पर शीघ्र नियंत्रण प्राप्त किया गया। साथ ही आसपास रखे सिलेंडरों को सुरक्षित रखने हेतु पानी का छिड़काव कर उन्हें ठंडा किया गया, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका को रोका जा सका।

ड्रिल के दौरान विद्युत आपूर्ति बंद करना, आवाजाही पर नियंत्रण तथा सभी कर्मचारियों को निर्धारित सुरक्षित एकत्रीकरण स्थल पर पहुँचाना जैसे सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया गया।अभ्यास के अंत में स्थल का गहन निरीक्षण कर स्थिति को पूर्णतः सुरक्षित घोषित किया गया एवं ऑल क्लियर जारी किया गया। इस मॉक ड्रिल ने आपात परिस्थितियों में कार्मिकों की तत्परता, समन्वय एवं प्रभावी प्रतिक्रिया क्षमता को प्रदर्शित किया।

इस मॉक ड्रिल का अवलोकन जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, उप मुख्य कारखाना निरीक्षक, बोकारो एवं जिला अग्निशमन कार्यालय के अधिकारियों द्वारा किया गया। इसके साथ ही बीपीसीएल एवं एचपीसीएल सहित अन्य तेल विपणन कंपनियों तथा मेसर्स डालमिया सीमेंट के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की।

संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा को ले प्रशासन अलर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद जिले में 19 अप्रैल को आयोजित होने वाली झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचार मुक्त कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

इसी कड़ी में धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी सहित सभी दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पूर्व की तरह इस बार भी परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधन या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। अभ्यर्थियों को केवल लेखन सामग्री के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। साथ ही, सभी परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाएगी और उनके मूल फोटो युक्त पहचान पत्र का मिलान किया जाएगा।

उपायुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान कदाचार करते पाए जाने पर संबंधित अभ्यर्थी के खिलाफ संबंधित थाना में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जिले के कुल 46 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें लगभग 17 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में होगी – पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

कुल मिलाकर प्रशासन की तैयारी यह सुनिश्चित करने की है कि परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो सके।

बार काउंसिल सदस्य निर्वाचित होने पर अब्दुल कलाम रशीदी का स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य बार काउंसिल के सदस्य पद पर निर्वाचित अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी के बोकारो आगमन पर स्थानीय अधिवक्ताओं ने उन्हें गरमजोशी से स्वागत किया। समारोह में इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल सदस्य अधिवक्ता रंजीत गिरि ने अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी को बुके और माला पहनाकर सम्मानित किया। स्थानीय अधिवक्ताओं ने भी उन्हें फूलमाला पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बोकारो के अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी, जो झारखंड हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और रांची के सत्तार कॉलोनी, बरियातू में रहते हैं, बार काउंसिल चुनाव 2026-2031 में शानदार जीत दर्ज करने के बाद बोकारो पहुंचे थे।

अधिवक्ता रंजीत गिरि ने कहा कि रशीदी जी की जीत पूरे झारखंड के वकील समुदाय के लिए गर्व की बात

है। उन्होंने विश्वास जताया कि रशीदी बार काउंसिल में अधिवक्ताओं के हितों, न्याय व्यवस्था और पेशेवर मुद्दों पर मजबूती से काम करेंगे।

अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी ने सभी उपस्थित अधिवक्ताओं और विशेष रूप से अधिवक्ता रंजीत गिरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी में वे वकीलों के अधिकारों की रक्षा और न्यायपालिका को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

यह स्वागत समारोह में अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, दीप नारायण, अतुल कुमार, मो जाहिर हुसैन अंसारी, अताउल्लाह अंसारी, सुदीप्तो साहनी, शाहिद परवेज, संतोष कुमार, ओम प्रकाश शर्मा, दीपिका कुमारी, हसनैन आलम, वंशिका सहाय, संजीत कुमार सिंह, राणा प्रताप शर्मा, रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, दिलीप चौधरी, विजय कुमार, सुनील चंडक, ओम प्रकाश लाल, राजश्री, मनोज कुमार सिंह, महीतोष मंडल समेत सैकड़ों अधिवक्ता शामिल थे।

एसडीओ ने लिया त्वरित संज्ञान

प्रिया की पढ़ाई की व्यवस्था अब जिला प्रशासन करेगा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो के बीएस सिटी सेक्टर 04 जी की रहने वाली छात्रा प्रिया कुमारी के पिता के सड़क दुर्घटना में घायल हो जाने के बाद परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया। इस विपरीत परिस्थिति में प्रिया ने अपनी पढ़ाई जारी रखने की इच्छा नहीं छोड़ी और प्रशासन से सहायता की गुहार लगाई।

प्रिया की समस्या सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आई, जिस पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए चास अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिए। निर्देश के अनुपालन में एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा ने प्रिया से सीधे बातचीत कर उसकी समस्याओं को विस्तार से जाना और उसके समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए।

प्रिया की पढ़ाई बाधित नहीं हो, इसके लिए एसडीओ ने संत रविदास पब्लिक स्कूल के प्रबंधन से बात की। प्रबंधन ने मई माह के प्रथम सप्ताह में प्रिया के लिए विशेष परीक्षा आयोजित करने पर सहमति जताई है, ताकि वह अपनी शैक्षणिक प्रगति जारी रख सके। इस दौरान *प्रिया को परीक्षा की तैयारी करने को कहा है।

चूंकि संत रविदास पब्लिक स्कूल केवल कक्षा 08 तक ही संचालित है, इसलिए जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को निर्देशित किया गया है कि प्रिया का नामांकन आगे की पढ़ाई के लिए उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा में कराया जाए।

प्रशासन द्वारा प्रिया कुमारी के घायल पिता के बेहतर इलाज की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है, ताकि परिवार को इस कठिन समय में राहत मिल सके।

गरगा नदी तट पर चला विशेष सफाई अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिले में चल रहे मेगा स्वच्छता अभियान (14 से 22 अप्रैल) के तहत शुक्रवार को गरगा नदी तट स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के समीप विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जन भागीदारी के माध्यम से शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना है।

अभियान के दौरान महिला पतंजलि समूह की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। वहीं,लायंस क्लब के सदस्य भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत गरगा घाट, पुलिस लाइन के पीछे का क्षेत्र तथा मालती अपार्टमेंट के आसपास व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। इस पूरे अभियान का संचालन जिला गंगा समिति के तत्वावधान में किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता विकसित करना है, ताकि सामूहिक प्रयासों से एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अपने आसपास नियमित स्वच्छता बनाए रखने और इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और लोगों की भागीदारी से ही स्वच्छ बोकारो का सपना साकार हो सकता है।

बोकारो इस्पात पुस्तकालय में कवि गोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के जनवृत-5 स्थित बोकारो इस्पात पुस्तकालय में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक समागम में मुख्य अतिथि के रूप में उप महाप्रबंधक (विधि) शैलेश मिश्रा उपस्थित थे।

कवियों एवं कवयित्रियों को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि साहित्य न केवल समाज का दर्पण है, बल्कि यह मस्तिष्क को भी उर्वर बनाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औद्योगिक शहर में निवास करने वाले कवियों, साहित्यकारों एवं रचनाकारों के लिए यह पुस्तकालय एक उत्कृष्ट मंच है, जहाँ वे अपनी लेखन क्षमता को और अधिक निखार सकते हैं। श्री मिश्रा ने युवाओं को अपनी मातृभाषा के महत्व को समझने और उससे जुड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) आलोक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्यकारों के बीच उपस्थित होने से

रचनात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि कवि और लेखक अपने कालखंड का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा उनकी रचनाएँ भविष्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होती हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ शीला तिवारी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इससे पूर्व, अखिल भारतीय चेतना दर्पण की संस्थापक सदस्या कस्तूरी सिन्हा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. आशा पुष्प ने की, जबकि मंच संचालन लव कुमार द्वारा किया गया।

काव्य पाठ के सत्र में डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने त्राहि मां त्राहि माम्ह्, लव कुमार ने बोझ लिए फिरता हूँ, अमृता शर्मा ने गर्मी की हठधर्मी, कस्तूरी सिन्हा ने ईंट-गारे का सिमटा घरौंदा तथा रिंकू गिरि ने दर्शन तेरे जैसी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में अर्चना मिश्रा, डॉ. आशा पुष्प, पूर्णिमा सुमन, ताराचंद महतो, कल्पना केसर, क्रांति श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, श्याम सुंदर केवट, सोनी कुमारी, आकाश खूंटी, अंकित उपाध्याय, पंकज दास, पद्मावती कोमल, शीला तिवारी, संजू कुमारी, सुप्रिया सरस तथा दुर्गेश कुमार ने भी विविध विषयों पर आधारित अपनी कविताओं से वातावरण को काव्यमय बना दिया।

इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) मानस चंद्र रजवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में अमृता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मनोज कुमार निशांत, आर. पी. वर्मा, रंजना श्रीवास्तव, आयुष रंजन, एम. के. अभिमन्यु तथा आर. के. सिंह सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

गिरिजा नन्द झा के निधन पर शोक सभा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल के परिसर में विद्यालय के पूर्व सचिव गिरिजा नन्द झा के निधन के बाद विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सह शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी प्रबंधन समिति एवं शिक्षक शिक्षिका उपस्थित हुए। सभी ने स्वर्गीय झा के तैल चित्र पर फूल माला चढाकर श्रद्धांजलि अर्पित किये और एक मिनट का मौन रखा। साथ ही उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के सचिव दिलीप कुमार झा ने की एवं संचालन स्कूल के उपप्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने किया।

वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया. मौके पर विद्यालय के उपाध्यक्ष बटोही कुमार, संयुक्त सचिव सुनील मोहन ठाकुर, भवन निर्माण अविनाश कुमार अवि, संभु झा, प्राचार्य अमर प्रसाद सहित अनेक लोग शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com